ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सीएम ने राज्य में असामाजिक ताकतों और अधिकारियों पर जमकर निशाना साधा @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 31 मई, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-149

कानपुर ने प्रधानमंत्री ने पाकिस्तान को कनपुरिया अंदाज में ललकारा

दुश्मन कहीं भी हो 'हौंक' दिया जाएगा

कानपुर, 30 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कानपुर में हजारों करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करते हुए एक बार फिर आतंक और पाकिस्तान पर करारा हमला बोला। उन्होंने कहा कि भारत में आतंक के खिलाफ अपनी लड़ाई में तीन सूत्र स्पष्ट रूप से तय कर दिए हैं। पहला, भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा। उसका समय, जवाब देने का तरीका और जवाब देने की शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी। दूसरा, भारत अब एटम बम की गीदड़ भभकी से नहीं डरेगा और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। तीसरा, आतंक के आका और आतंक परस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा। पाकिस्तान का स्टेट और नॉन स्टेट एक्टर का खेल अब नहीं चलने वाला है। अगर मैं सीधे-सीधे कनपुरिया भाषा में कहूं तो दुश्मन कहीं भी हो, हौंक दिया जाएगा। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के परिजनों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चकेरी एयरपोर्ट पर मुलाकात की। पीएम ने शुभम की पत्नी से बातचीत की और उन्हें दिलासा दिया। पीएम ने सुभम परिवार से कहा कि आतंक के खिलाफ भारत की लड़ाई जारी है और किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।

- **दुश्मन धोखे में न रहे, ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ**
- **अब भारत पर परमाणु बम की गीदड़ भभकियां नहीं चलेंगी**
- **47,600 करोड़ की 15 विकास परियोजनाओं का दिया उपहार**
- **पहलगाम में मारे गए शुभम के परिजनों से मिले पीएम मोदी**

प्रधानमंत्री मोदी ने बटन दबाकर 47,600 करोड़ रुपए की 15 विकास परियोजनाओं का उपहार दिया। पीएम मोदी ने चुन्नीगंज मेट्रो स्टेशन पर सजकर खड़ी मेट्रो ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस ट्रेन में वंचित वर्ग के बच्चों ने सफर तय किया। इस दौरान पीएम ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक भी वितरण किया।

पीएम मोदी ने कहा, कानपुर में विकास का यह कार्यक्रम 24 अप्रैल को होने वाला था, लेकिन पहलगाम हमले के कारण मुझे अपना कानपुर द्वारा रद करना पड़ा। पहलगाम में हुए आतंकी हमले में हमारे कानपुर के बेटे शुभम द्विवेदी भी इस बर्बरता का शिकार हुए। उनके परिवार की पीड़ा, कष्ट और आक्रोश हम सब महसूस कर सकते हैं। हमारी बेटियों, बहनों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया ने देखा है। ▶10पर

ऑपरेशन सिंदूर आत्मनिर्भर भारत की सफलता का संदेश है : योगी

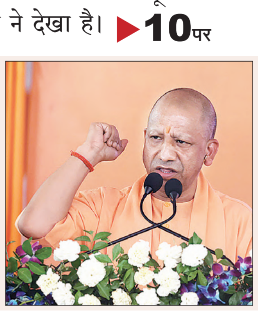

कानपुर, 30 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ऑपरेशन सिंदूर की प्रभावशाली कामयाबी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जमकर सराहना की और बधाई दी। सीएम योगी ने भारतीय सेना के पराक्रम को सलाम करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में भारत के शौर्य और पराक्रम के कारण आज पूरी दुनिया भारत के शक्ति और सामर्थ्य को एक उदाहरण के रूप में मान रही है। सीएम योगी ने कहा कि भारत की न्यू डिफेंस पॉलिसी के अंतर्गत दुश्मन के एयर डिफेंस सिस्टम को नष्ट करके भारतीय सेना जिस शौर्य और पराक्रम का परिचय दिया है, ▶10पर

इंडोनेशियाई थिंक टैंक और शिक्षाविदों से बोले सलमान खुर्शीद

कश्मीर में सबसे बड़ी समस्या थी अनुच्छेद 370 के हटने से खत्म हो गई

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' आउटरीच मिशन पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने इंडोनेशिया में कहा कि अनुच्छेद 370 के हटने से जम्मू-कश्मीर में लंबे समय से चली आ रही अलगाववाद की समस्या खत्म हो गई है।

सलमान खुर्शीद ने यह बात इंडोनेशियाई थिंक टैंक और शिक्षाविदों के सदस्यों के साथ बातचीत में कही। सलमान खुर्शीद ने कहा, कश्मीर में लंबे समय से बड़ी समस्या थी। इसका एक बड़ा हिस्सा संविधान के अनुच्छेद 370 में सरकार की सोच में झलकता था, जिससे किसी तरह यह आभास होता था कि यह देश के बाकी हिस्सों से अलग है। लेकिन, अनुच्छेद 370 को आखिरकार हटा दिया गया।

संविधान के अनुच्छेद 370 ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिया था, जिसे 5 अगस्त, 2019 को भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार ने निरस्त कर दिया। निरस्तीकरण के बाद, राज्य को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित कर दिया गया। अब ये केंद्र शासित प्रदेश हैं।

जनता दल (यूनाइटेड) के सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में एक बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ आए खुर्शीद ने यह भी कहा कि जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 हटने के बाद के माहौल में प्रगति हुई है। उन्होंने बाद के चुनावों में 65 प्रतिशत मतदाताओं के मतदान और केंद्र शासित प्रदेश में एक निर्वाचित सरकार के गठन का हवाला दिया।

उन्होंने कहा, इसके बाद 65 प्रतिशत भागीदारी के साथ चुनाव हुए। आज वहां एक निर्वाचित सरकार है और इसलिए, लोगों के लिए वह सब कुछ खत्म करना उचित नहीं होगा, जिससे कश्मीर में समृद्धि आई है।

दक्षिण-पूर्व एशिया के दौरे पर गए प्रतिनिधिमंडल में विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल हैं, जिनमें भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी, बृज लाल, प्रदान बरुआ और हेमंग जोशी, तृणमूल कांग्रेस के अभिषेक बनर्जी, सीपीआई (एम) के जॉन ब्रिटास और पूर्व भारतीय राजदूत मोहन कुमार शामिल हैं।

जकार्ता में प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को प्रमुख थिंक टैंक और शिक्षाविदों, मित्रवत विदेशी मिशनों के रेजिडेंट राजदूतों के साथ-साथ इंडोनेशिया की नेशनल मैंडेट पार्टी (पीएएन) के नेताओं के साथ व्यापक बातचीत की। ▶10पर

'अब सिर्फ दयालु बनकर काम नहीं चलेगा...'

शशि थरूर ने सिंधु जल संधि स्थगित करने की बताई वजहें

बोगोटा, 30 मई (एजेंसियां)। कोलंबिया में ऑल पार्टी डेलिगेशन का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस नेता और सांसद शशि थरूर ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान से सिंधु जल संधि पर करार अच्छी नीयत और सौहार्द के भाव से 1960 में की थी। लेकिन पिछले चार दशकों से पाकिस्तान की ओर से प्रायोजित आतंकवाद के कारण इस अच्छे नीयत का बार-बार अपमान हुआ है। उन्होंने कहा कि भारत अब केवल आत्मरक्षा के अपने हक का इस्तेमाल कर रहा है। बोगोटा में बोलते हुए थरूर ने कहा कि दशकों तक आतंकवाद और संघर्ष झेलने के बावजूद यह संधि लागू रही। लेकिन अब मौजूदा भारतीय सरकार ने इस संधि को स्थगित कर दिया है। उन्होंने कहा, सिंधु जल संधि को भारत ने 1960 के दशक में नेक नीयत और सौहार्द के साथ पाकिस्तान को दिया था। संधि के प्रस्तावना में ये शब्द मौजूद हैं। ▶10पर

राजनाथ सिंह का बड़ा खुलासा

ऑपरेशन सिंदूर अपनी शर्तों पर रोका है, किसी के दबाव में नहीं

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। दो दिनों की गोवा यात्रा पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को आईएनएस विक्रांत पर सवार भारत के बहादुर नौसैनिकों के साथ बातचीत करके उनका हौसला बढ़ाया। उन्होंने कहा कि जब तक राष्ट्र की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा आपके मजबूत हाथों में है, तब तक भारत को कोई तिरछी निगाहों से देख नहीं सकता। उन्होंने पहली बार खुलासा किया कि भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर अपनी शर्तों पर रोका है, किसी के दबाव में नहीं। ऑपरेशन के दौरान भारतीय सेन-ाओं ने न केवल आतंकवादियों बल्कि उन्हें पालने-पोसने वाले सरपरस्तों को भी स्पष्ट संदेश दे दिया है कि भारत अब सहन नहीं करता, बल्कि अब सीधा जवाब देता है।रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सशस्त्र बलों को ऑपरेशन 'सिंदूर' की सफलता पर बधाई देते हुए कहा कि ▶10पर

ऑपरेशन सिंदूर से 'सबूत गैंग' खुश नहीं : भाजपा

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर को लेकर विवादित टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी, जयराम रमेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी घिरते नजर आ रहे हैं। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा कि पहले दिन से राहुल गांधी, जयराम रमेश और उनके लोगों ने भारतीय सेना, भारत के शौर्य पर सवाल उठाया, ये 'सबूत गैंग' खुश नहीं है। संबित पात्रा शुक्रवार को नई दिल्ली में भाजपा मुख्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि जयराम रमेश ने अपने बयान में कहा कि यहां आतंकवादी घूम रहे हैं, वहां सांसद घूम रहे हैं। ▶10पर

जम्मू-कश्मीर का विकास न रुकेगा, न थमेगा : अमित शाह

पुंछ , 30 मई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में पाकिस्तानी गोलाबारी से प्रभावित परिवारों से मिलने के लिए शुक्रवार को पुंछ का दौरा किया। उन्होंने यहां के बाशिंदों को भरोसा दिलाया कि जम्मू-कश्मीर का विकास न रुकेगा, न थमेगा। उन्होंने कह कि हर आतंकी हमले का जवाब देना हमारी नीति है। पहलगाम का हमला कायराना था, इसलिए इस हरकत की दुनियाभर में निंदा की गई। पुंछ के लोगों ने बहादुरी का परिचय दिया है। उन्होंने हमले में मारे गए पुंछ के नागरिकों के परिजनों को नियुक्ति प्रमाण पत्र भी दिए । शाह ने पाकिस्तान की कार्रवाई की निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर में नागरिक क्षेत्रों को निशाना बनाया और पुंछ में सबसे अधिक नुकसान हुआ। आजादी के बाद पहली बार पुंछ पर गोलीबारी की गई। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया पाकिस्तान के हमले की निंदा कर रही है। भारतीय सशस्त्र बलों ने नौ पाकिस्तानी हवाई ठिकानों को नष्ट करके मुंहतोड़ जवाब दिया और परिणामस्वरूप उन्हें संघर्ष विराम के लिए आगे आना पड़ा। अमित शाह ने आगे कहा कि 7 मई की रात को भारतीय सशस्त्र बलों ने एक निर्णायक अभियान चलाया, ▶10पर

अंकिता भंडारी मर्डर केस में भाजपा नेता के बेटे समेत 3 को उम्रकैद

उत्तराखंड में 2 साल 8 महीने बाद कोर्ट का फैसला

कोटद्वार, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में भाजपा नेता और पूर्व मंत्री के बेटे पुलकित आर्य समेत 3 को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। पुलकित के अलावा उसके दो कर्मचारी सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता को भी सजा सुनाई गई है। कोटद्वार जिला कोर्ट ने इस मामले में 2 साल 8 महीने के बाद फैसला दिया है। तीनों दोषियों पर 50 -50 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। कोर्ट ने तीनों को दोषी मानते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई है। अंकिता ऋषिकेश में पुलकित आर्या के रिसॉर्ट में रिसेप्शनिस्ट थी। 18 सितंबर, 2022 को अंकिता गायब हो गई थी। ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 97,960/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 99,965/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^0

न्यूनतम : 21^0

क्या फिर से होगी नोटबंदी?

500 रुपए के नोट बैन करने की मांग से हलचल तेज

अमरावती(आंध्र प्रदेश), 30 मई (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने 500 रुपये और उससे अधिक मूल्य के नोटों को बंद करने का आह्वान करते हुए कहा कि इस तरह के कदम से भ्रष्टाचार पर लगाम लगेगी और वित्तीय लेनदेन में पारदर्शिता बढ़ेगी। वाईएसआर कडप्पा जिले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) के वार्षिक महानाडु सभा में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए नायडू ने 500 रुपये जैसे बड़े नोटों को बंद करने की वकालत की और डिजिटल भुगतान को और अधिक बढ़ावा देने का आह्वान किया।

चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि जब मैंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को डिजिटल करेंसी की रिपोर्ट दी थी, तो मैंने उनसे एक ही बात कही थी कि जरूरत है 500, 1000 और 2000 के नोट छापना बंद कर दीजिए। डिजिटल करेंसी को सक्षम बनाइए और बढ़ावा दीजिए। मेरा उनसे यही सुझाव है कि फिर अगर कोई भ्रष्टाचार होगा तो हम आसानी से उसका पता लगा लेंगे। उन्होंने इस अवसर पर एक बार फिर केंद्र सरकार से इस सिफारिश पर कार्रवाई करने का आग्रह किया और कहा कि दुनिया अब तेजी से डिजिटल मुद्रा की ओर बढ़ रही है। आज इस सभा से मैं एक बार फिर अनुरोध करना चाहता हूँ, आज डिजिटल करेंसी का ज़माना है। ▶10पर

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद ब्रह्मोस को लेकर 5 बदलाव करने जा रहा भारत

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने आखिरकार कबूल किया है कि भारतीय सेना की ओर से ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस मिसाइलों के इस्तेमाल से उनके सैन्य ठिकाने तबाह हो गए। इस घटना के बाद भारत ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली को और भी बेहतर बनाने की योजना बना रहा है। इसकी मारक क्षमता बढ़ाने, इसे पनडुब्बियों से लॉन्च करने और इसे और छोटा करने पर भारत काम कर रहा है। ब्रह्मोस मिसाइलों को रोकने में नाकामी ने पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अजरबैजान में एक कार्यक्रम में कहा कि 9-10 मई की रात को भारत ने ब्रह्मोस मिसाइलों से हमला किया। उन्होंने कहा कि भारत ने रावलपिंडी हवाई अड्डे समेत पाकिस्तान के कई ठिकानों को निशाना बनाया। उनके अनुसार, पाकिस्तान की सेना भारत को जवाब देने के लिए तैयार थी, लेकिन उससे पहले ही भारत ने ब्रह्मोस से हमला कर दिया। ब्रह्मोस एक सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल है। यह ध्वनि की गति से तीन गुना तेज उड़ती है और 400 किलोमीटर दूर तक लक्ष्य को मार सकती है। इसे भारत और रूस ने मिलकर बनाया है, लेकिन इसका उत्पादन भारत में ही होता है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

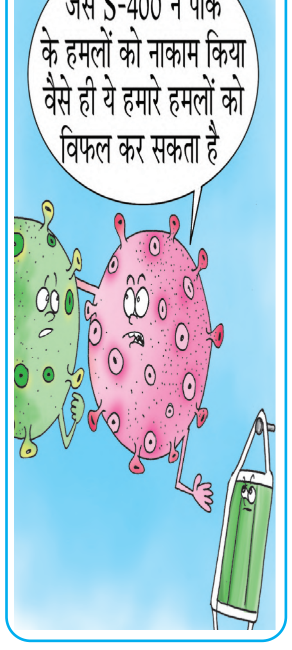

घर पर पहाड़ी गिरने से हादसा

मां का संघर्ष बेकार, दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तटीय जिलों में भारी बारिश के कारण मेंगलूरु के आसपास भूस्खलन की दो अलग-अलग घटनाओं में चार लोगों की जान चली गई। मोंटेपाड़ा गांव में ढहे मकान के मलबे में एक मां और बच्चा फंस गए, जहां वे करीब 8 घंटे तक अपनी जान के लिए संघर्ष करते रहे। मोंटेपाड़ा में कोनाजे के मंजनाडी गांव में इट्टलकोडी कोप्पल पहाड़ी ढहकर उनके मकान पर गिर गई। कंथप्पा, उनकी पत्नी प्रेमपुजारी, सीताराम पुजारी, उनकी पत्नी अश्विनी, उनके बच्चे बेटा आर्यन और बेटी अरुशा घर पर थे। सुबह करीब 4 बजे पहाड़ी ढह गई और दो बड़े पेड़ों के साथ मकान पर गिर गई। स्थानीय लोगों को इसकी जानकारी सुबह करीब 6 बजे हुई। घर के मालिक कंथप्पा को जब एहसास हुआ कि पहाड़ी ढहकर मकान पर गिर रही है, तो वे बाहर भागे तो मलबे में फंस गए। स्थानीय लोगों ने उन्हें ढूंढकर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनके पैर में चोट आई है। कंथप्पा की पत्नी प्रेमा पुजारी (52) मलबे में दब गईं और गंभीर रूप से घायल होने के बाद मौके पर ही उनकी मौत हो गई। अश्विनी अपने दो बच्चों के साथ सो रही थी, तभी मकान ढह गया और छत का एक बीम अश्विनी की कमर पर आ गिरा। वह फंस गई और बाहर नहीं निकल पाई। मकान ढहने पर उसने अपने शरीर और हाथों को शरीर पर रखकर अपने बच्चों को बचाने की कोशिश की, जिससे उसका ममतामयी हृदय प्रकट हुआ। सुबह जब स्थानीय लोग उसे देखने आए तो तीन वर्षीय आर्यन बेसुध पड़ा था। मां के दूसरी तरफ बैठी बच्ची अरुशा उससे हाथ मिला रही थी। स्थानीय लोगों ने अश्विनी और बच्चों को बचाने की कोशिश की। लेकिन यह मुश्किल था। इस समय अर्धचेतन अवस्था में पड़ी अश्विनी ने उनसे कहा कि पहले अपने बच्चों को बचाओ। मां के बगल में बैठा बच्चा दोनों हाथ हिला रहा था। यह दृश्य हृदय विदारक था। मां और बच्चे उसकी आंखों के सामने कराह रहे थे, लेकिन स्थानीय लोग रो रहे थे क्योंकि वे उसे बचा नहीं सके। इस हृदय विदारक दृश्य ने बचाव अभियान के लिए पहुंचे एसडीआरएफ कर्मियों को भावुक कर दिया। ऑपरेशन के बाद आर्यन का शव बाहर निकाला गया। अश्विनी और अरुशा का बचाव अभियान दोपहर तक चला। आखिरकार बचाव कर्मियों ने मां और बच्चे को बचाने में सफलता पाई। अस्पताल ले जाते समय अरुशा की मौत हो गई, जिससे मरने वालों की संख्या 3 हो गई। अपने दोनों बच्चों को खो चुकी मां अस्पताल में आंसू बहाती रही। स्थानीय लोगों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार घर के मालिक आसिफ, कंथप्पा को बाहर निकाला गया और अस्पताल ले जाया गया। प्रेमा पुजारी की मौत हो गई। जब हम मौके पर पहुंचे तो मां और दोनों बच्चे होश में थे। हमने उन्हें पानी पिलाया और उनका इलाज किया। मां के बेहोश होने से पहले हमने उसे बचाने की कोशिश की। तब अश्विनी ने कहा मुझे छोड़ दो। बच्चे को ले जाओ। बड़ा बेटा कहां है? पति कहां है? डेढ़ साल का बच्चा रो रहा था। हमने उसे बचाने की कोशिश की। लेकिन ऐसा संभव नहीं था, उन्होंने कहा कि डर था कि थोड़ा सा भी मलबा गिर जाएगा और जानमाल का नुकसान होगा। भारी बारिश के कारण बचाव अभियान में देरी हुई। चूंकि कंथप्पा ने बगीचे में घर बनाया था, इसलिए वहां बड़ी जेसीबी, इटाची या अन्य खुदाई करने वाली मशीनों ले जाना मुश्किल था। एसडीआरएफ कर्मियों को ऑपरेशन के उपकरण ढाई किलोमीटर तक ले जाना पड़ा। इसके अलावा, ऑपरेशन बहुत संवेदनशील स्थिति में था क्योंकि मां और बच्चे जीवित थे। थोड़ा सा भी अंतर मलबे में फंसी मां और बच्चे की जान को खतरे में डाल सकता था। इसलिए, ऑपरेशन बहुत जटिल और संवेदनशील स्थिति में किया जाना था। बचाव अभियान कर्मियों ने बड़े-बड़े पेड़ों को काटकर मलबे में फंसी मां और बच्चों को बचाने की कोशिश की। हालांकि, बच्ची अरुशा की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई।

सीएम का आदेश

भूस्खलन के मद्देनजर मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव को तुरंत मौके पर जाने का आदेश दिया। रात में हुई बारिश के कारण दक्षिण कन्नड़ जिले में भूस्खलन हुआ। दीवार गिरने से हुई मौतों के बारे में विस्तृत जानकारी जुटाने वाले मुख्यमंत्री ने डी.के. जिला कलेक्टर को तुरंत मौके पर जाकर निरीक्षण करने, आवश्यक कार्रवाई करने और रिपोर्ट देने का निर्देश भी दिया है।

जैन समाज द्वारा अपनी मांगों के समर्थन में किया गया उपवास सत्याग्रह

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जैन डेवलपमेंट फोरम और अन्य संस्थाओं के गठजोड़ द्वारा 29 और 30 मई को फ्रीडम पार्क में शांतिपूर्ण प्रदर्शन के साथ उपवास सत्याग्रह किया गया। कर्नाटक सरकार से अल्पसंख्यकों को मिलने वाले अधिकारों और सुविधाओं में जैन समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करने की मांग दोहराई गई। फोरम के ललित डाकलिया ने बताया कि हमारी सात महत्वपूर्ण मांगों के समर्थन में सत्याग्रह किया गया जिसमें जैन विकास निगम की स्थापना और हर साल जैन विकास निगम को 200 करोड़ रुपये आवंटित करना तथा अभी तक आयोग में जैन सदस्यों की नियुक्ति नहीं हुई है, इसलिए तुरंत जैन सदस्यों को आयोग के सदस्य के रूप में नियुक्त किया जाए। इसके अलावा प्राचीन जैन मन्दिरों, उपाश्रयों, स्थानकों और बस्तियों और उनकी संपत्ति की सुरक्षा के लिए सख्त कानून लाया जाए तथा राज्य में मौजूद सभी प्राचीन जैन मन्दिरों और बस्तियों में सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा कर्मियों की नियुक्ति और सोलर लाइट की व्यवस्था की जाए। उपवास सत्याग्रह आन्दोलन में फोरम के अध्यक्ष बाबूभाई मेहता, चेयरमैन इन्द्रमल नाहर, महामंत्री ललित डाकलिया, पूर्व पार्षद कविता जैन, महेश जैन, सुशील तलेसरा, पंचेश आनेकर, रेणु रांका आदि प्रतिनिधि सदस्यों के साथ क्लाथ मर्चेंट एसोसिएशन के प्रकाश पिरगल, जैन युवा संगठन के सुरेश धोका, रुपचंद कुमट, कर्नाटक जैन कान्फ्रेंस के सुनील लोढ़ा, दिनेश पोरवाड, रवि जैन, रविन्द्र गांधी, सुरेन्द्र गुन्देचा के साथ अनेक सदस्य उपस्थित थे।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। डोड्डबल्लापुर स्थित श्री महावीरस्वामी जैन मंदिर की 47वीं वर्षगांठ के अवसर पर आचार्य श्री अरिहंतसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में मंदिर के शिखर पर हर्षोल्लासपूर्वक ध्वजारोहण किया गया। यह जानकारी कैलाश संखलेचा ने दी।

नाव पलटने से दो लोग लापता

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। टोटा बेंगरे में अलाइव बागिलू के पास एक देशी नाव पलटने से दो व्यक्ति लापता हो गए। यह घटना तब हुई जब वे टोटा बेंगरे अलाइव बागिलू के पास मछली पकड़ रहे थे, तभी तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण नाव पलट गई। दुर्घटना के बाद नाव में सवार दो लोग लापता हो गए। लापता व्यक्तियों की पहचान यशवंत और कमलाक्ष के रूप में हुई है। देशी नाव का पेट्रोल टैंक टोटा बेंगरे के पास किनारे पर बहकर आया हुआ मिला। नाव का अभी तक पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है कि स्थानीय निवासियों ने तलाशी अभियान शुरू कर दिया है।

अभिनेता कमल हासन, एक ऐसी मुद्रा जो आज प्रचलन में नहीं है: शोभा करंदलाजे

कन्नड़ सिनेमा के प्रचार का अपमान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने कहा कि अभिनेता कमल हासन ने सिनेमा के प्रचार के लिए कन्नड़ का अपमान करने वाली बात कही है। यह निंदनीय है। शहर के एक होटल में पत्रकारों से बातचीत में भाग लेते हुए उन्होंने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कन्नड़, तमिल, तेलुगु, मलयालम, हमारे देश की कोई भी भाषा हो, हम सभी भारतीय हैं। हम सभी को एक साथ रहने की जरूरत है। कई लोग पानी और भाषा के मुद्दे पर कर्नाटक और तमिलनाडु के बीच आग लगाने की कोशिश करते हैं। हालांकि, हमें एक साथ रहने की जरूरत है। कमल हासन एक ऐसी मुद्रा है जो आज प्रचलन में नहीं है। उन्हें कीमत देने की कोई जरूरत नहीं है। भाषा विशेषज्ञों ने कहा है कि दक्षिण भारत की तमिल, कन्नड़, तुलु जैसी भाषाएं एक साथ बढ़ी हैं। पहले वह भाषा, बाद में यह भाषा जैसी कोई चीज नहीं होती। उन्होंने सवाल का जवाब देते हुए कहा कि ये सब जुड़वाँ की तरह हैं। पत्रकारों ने दक्षिण कन्नड़ में बिगड़ती कानून-व्यवस्था की ओर ध्यान आकर्षित किया तो उन्होंने कहा दक्षिण कन्नड़ ही नहीं, राज्य में कानून-व्यवस्था कहाँ है। बलात्कार कहाँ हो रहा है। हत्या कहाँ हो रही है, पता नहीं कौन कर रहा है। उन्होंने दुख व्यक्त किया कि हममें से किसी की भी जान सुरक्षित नहीं है। जो लोग घर छोड़कर चले गए हैं, उनके वापस आने की गारंटी नहीं है। वे बाकी सभी गारंटी देते हैं। हालांकि, उन्होंने जीवन की गारंटी न देने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। गृह मंत्री खुद एक घोटाले में उलझे हुए हैं। वे खुद माफिया के हाथों में फंस गए हैं। ऐसे लोगों से कर्नाटक में कानून-व्यवस्था की बात करने का कोई फायदा नहीं है। 2013 में सिद्धरामैया ने पीएफआई केस वापस ले लिया था। उन्होंने सड़क पर 800 उपद्रवियों को रिहा कर दिया। उन उपद्रवियों ने हमारे लड़कों को मार डाला। आज वे हुब्बल्ली पुलिस स्टेशन को जलाने वाले मामले सहित 46 मामले वापस ले रहे हैं। इससे आपराधिक पृष्ठभूमि वाले 1500 लोग जेल से रिहा हो जाएंगे। मंत्री दिनेश गुंडू राव कहते हैं कि दक्षिण कन्नड़ में मुसलमानों को कोई सुरक्षा नहीं है। अगर ऐसा है, तो क्या वे एक समुदाय की सुरक्षा के प्रभारी मंत्री हैं? उन्होंने पूछा कि क्या हमारी जान कीमती नहीं है। उन्होंने पूछा कि आप कर्नाटक के साथ क्या करना चाहते हैं। आप इसे गुंडा राज्य बनाने जा रहे हैं। एक समय में हम बिहार को गुंडा राज्य कहते थे। लेकिन अब कर्नाटक में वही चल रहा है। हमारे पास कोई जवाब नहीं है। उन्होंने आलोचना की कि सिद्धरामैया, डीके शिवकुमार और परमेश्वर के नेतृत्व में कर्नाटक आज ऐसा राज्य बन गया है।

गर्भवती महिलाओं की हत्या के लिए जानी जाती है सरकार: अश्वनाथनारायण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। पूर्व उपमुख्यमंत्री और विधायक डॉ. सी.एन. अश्वनाथनारायण ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर आप अस्पताल में यह कहकर आते हैं कि आपको स्वास्थ्य मिलेगा, तो उन्होंने ऐसा अस्पताल बनाया है जो आपकी जान ले लेता है। वे राजनीति से प्रेरित और नैतिकता से परे जन औषधि केंद्रों को बंद कर रहे हैं। यहां मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आलोचना की कि सरकार मुफ्त में दवाइयां उपलब्ध नहीं करा पा रही है, राज्य में सरकार गर्भवती महिलाओं को मुफ्त दवाइयों की जगह खत फ्लुइड देकर मारने के लिए जानी जाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजना के तहत जन औषधि केंद्रों में 80 प्रतिशत कम कीमत पर दवाइयां उपलब्ध थीं। उन्होंने आलोचना की कि सरकारी अस्पतालों में जन औषधि केंद्रों को बंद करने वाली सरकार जनविरोधी और स्वास्थ्य व्यवस्था के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हम इसकी निंदा करने के लिए मौन विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। सरकार हर मोर्चे पर विफल रही है। स्वास्थ्य मंत्री पूरी तरह से विफल रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि अगर उन्हें घटिया गुणवत्ता वाली दवा और नकली दवा के बारे में बताता हूं, तो वे कहते हैं कि वे कुछ नहीं कर सकते। दवाई या गोली नहीं है तो कहते हैं कि कुछ नहीं कर सकते। उन्होंने पूछा कि अगर ऐसा कुछ नहीं कर सकते तो स्वास्थ्य मंत्री क्यों हैं। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री और इस हत्यारी सरकार में सत्ता में बने रहने की कोई नैतिकता नहीं है। मुख्यमंत्री चुप हैं। मौतों पर कोई प्रतिक्रिया न देने वाली सरकार ने लोगों को लाचार कर दिया है। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि अस्पताल में डॉक्टर नहीं हैं, दवाई नहीं है और कोई व्यवस्था नहीं है।

मंत्री पटेल व विधायक चौधरी का स्वागत

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। राजस्थान सरकार के संसदीय कार्य, कानून और कानूनी मामले, कानूनी परामर्श और न्याय मंत्री व लूणी के विधायक जोगाराम पटेल व पचपदरा विधायक अरुण चौधरी के हुब्बल्ली आगमन पर ऑल इंडिया जैन युथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर के संस्थापक अध्यक्ष समाजसेवी महेंद्र सिंघी के नेतृत्व में राजस्थानी समाज के प्रमुख जनो द्वारा स्वागत किया गया। इस दौरान स्थानकवासी समाज हुब्बल्ली के गौरव अध्यक्ष बाबूलाल पारेख, कार्याध्यक्ष गौतम भुरट, महावीर लिंब सेंटर के चेयरमैन गौतम गोलेच्छा, जैन युवा संघठन हुब्बल्ली के अध्यक्ष इन्दर संकलेचा, चौधरी समाज के बाबूलाल चौधरी, प्रवासी यात्री संघ के राज्य कार्यदर्शी सुभाषचन्द्रा डंक व अन्य समाजबंधु उपस्थित थे। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अनेक सामाजिक व राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा की।

मुनि के सानिध्य में दीक्षार्थिनी साधना बांठिया का अभिनंदन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण जी के विद्वान शिष्य डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी (नचिकेता) व मुनि आदित्य कुमार जी के मंगल सान्निध्य में दीक्षार्थिनी मुमुक्षु साधना बांठिया (बालोतरा) का अभिनंदन कार्यक्रम नरपत सुराणा के निवास स्थान पर आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. मुनि पुलकित कुमार जी ने कहा कि आज के भौतिकतावादी युग में संयम का भाव जागना अत्यंत प्रशंसनीय है। संयम ही जीवन का सार है, वही पाप से बचाने वाला मार्ग है। उन्होंने आगे कहा कि यदि कोई स्वयं संयम नहीं ले पा रहा है, तो भी जो संयम के मार्ग पर अग्रसर हो रहे हैं, उनका अनुमोदन और अभिनंदन करना भी महान निर्जरा का कारण बनता है। मुनि ने दीक्षार्थिनी साधना के प्रति मंगलकामनाएँ व्यक्त करते हुए कहा, यह तुम्हारा अहोभाग्य है कि तुम्हें संयमी बनकर जिनशासन की सेवा करने तथा आचार्य महाश्रमण जी जैसे महान गुरु के मार्गदर्शन में आगे बढ़ने का अवसर प्राप्त हो रहा है। गुरु दृष्टि की आराधना करते हुए जागरूकता के साथ संयम में रमण करना तुम्हारा लक्ष्य होना चाहिए। मुनि आदित्य कुमार जी ने दीक्षार्थिनी बहन की अनुमोदना में एक भावपूर्ण गीत प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में सरस्वती बाफना ने दीक्षार्थिनी का परिचय कराया, वहीं वीवी पूरम ज्ञानशाला की संयोजिका कोमल पोकरणा ने शब्द-सुमनों से स्वागत-अभिनंदन किया। ज्ञातव्य है कि दीक्षार्थिनी साधना बांठिया को आगामी 3 सितंबर 2025 को अहमदाबाद में आचार्यश्री महाश्रमण जी के करकमलों से दीक्षा प्रदान की जाएगी। अभिनंदन समारोह में तेरापंथ सभा गांधीनगर से मनोज तेजराज संचेती, बेंगलूरु तेयुप के पूर्व सहमंत्री मनोज पोकरणा, अणुव्रत समिति बेंगलूरु के पूर्व अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल, सुरेंद्र सेठिया, सुरेश संचेती, लीला पोकरणा, जितेंद्र रायसोनी, वीणा पोरवाल, मंजू सुराणा, नरपत सुराणा सहित अनेक श्रावक-श्राविकाएँ उपस्थित थे।

सीएम ने राज्य में असामाजिक ताकतों और अधिकारियों पर जमकर निशाना साधा

कानून व्यवस्था बनाए रखना जिलाधिकारियों की जिम्मेदारी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने अधिकारियों पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में असामाजिक ताकतें क्यों बढ़ रही हैं और उन्हें काबू करने के लिए वे मीना मेशा पर क्यों निर्भर हैं। उन्होंने विधानसभा में जिलाधिकारियों, जिला पंचायत के मुख्य अधिकारियों, अतिरिक्त मुख्य सचिवों और विभिन्न सरकारी विभागों के सचिवों के साथ प्रगति समीक्षा बैठक की और कृषि गतिविधियों, कानून व्यवस्था, सरकारी योजनाओं की प्रगति, बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन समेत कई मुद्दों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक की शुरुआत में बताया कि राज्य में अच्छी बारिश हो रही है। कृषि गतिविधियां जोरों पर हैं। उन्होंने आदेश दिया कि बुवाई के बीज, खाद और कृषि उपकरणों को नुकसान न पहुंचे, इसके लिए सावधानी बरती जाए। हाल ही में तटीय इलाकों और कई हिस्सों में सांप्रदायिक घटनाएं बढ़ी हैं। असामाजिक ताकतें बढ़ी हैं। भड़काऊ भाषणों में बढ़ोतरी हुई है। कानून व्यवस्था बनाए रखना जिलाधिकारियों की जिम्मेदारी है। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि इस मामले में सावधानी न बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करनी होगी। भारी बारिश के कारण शहरी क्षेत्रों के रिहायशी इलाकों में पानी का बहाव सुचारू रूप से नहीं हो रहा है और घरों में घुस रहा है, जिससे लोगों का जीवन मुश्किल में है। उन्होंने अधिकारियों को ऐसे इलाकों की पहचान कर पानी के सुचारू बहाव के लिए जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। ग्राम सहायकों से लेकर जिला कलेक्टरों तक सभी अधिकारी केंद्र में रहें। उन्हें हर समय जनता के लिए उपलब्ध रहना चाहिए। मुख्यमंत्री ने समीक्षा की कि किस जिले में कितने तालाबों पर अतिक्रमण है और अतिक्रमण हटाने में विफल रहने के कारण कितने तालाबों को साफ किया गया है। दो-तीन जिलों में एक भी तालाब साफ नहीं होने पर नाराज हुए मुख्यमंत्री ने सरकार की मुख्य सचिव शालिनी रजनीश को इस बारे में रिपोर्ट लेकर उदासीनता बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ जरूरी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। राज्य में 10931 तालाब हैं, जिन पर अतिक्रमण है। अब तक 6065 तालाबों को साफ किया जा चुका है। हालांकि पिछली बैठक में सभी झीलों का सर्वेक्षण करने और अतिक्रमण हटाने की बात कही गई थी, लेकिन अपेक्षित प्रगति नहीं हुई है। इस पर तत्काल ध्यान दिया जाए, सभी झीलों का सर्वेक्षण किया जाए, अतिक्रमण हटाया जाए और झीलों में वर्षा जल के सुचारू प्रवाह की व्यवस्था की जाए। उन्होंने मुख्य कार्यकारी अधिकारियों को झीलों के अतिक्रमण के मामले में उचित कार्रवाई नहीं करने वाले जिला कलेक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इस वर्ष राज्य में 1395 पॉक्सो मामले दर्ज किए गए हैं। ऐसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया जाना चाहिए और उचित सजा सुनिश्चित की जानी चाहिए। हालांकि वैधता प्रमाण पत्र निर्धारित समय के अनुसार एक महीने के भीतर जारी किया जाना चाहिए, लेकिन कुछ जिलों में महीनों तक देरी होने की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की देरी की प्रवृत्ति बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकारी स्कूलों को सभी सुविधाएं प्रदान करने के बावजूद, खराब एसएसएलसी और पीयूसी परिणामों का कारण क्या है? उन्हें इस पर आत्ममंथन करना चाहिए। यह संबंधित जिला कलेक्टरों और सीईओ की जिम्मेदारी है कि वे अपने जिलों में परिणामों को बेहतर बनाएं। कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में शिक्षा सुधार के लिए अधिक धनराशि उपलब्ध कराने के बावजूद परिणामों में लगातार पिछड़ने का क्या कारण है? राज्य में राजस्व गांवों की घोषणा की निरंतर समीक्षा की जानी चाहिए। राज्य में राजस्व गांवों की घोषणा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। हालांकि, लंबित राजस्व गांवों की घोषणा का काम अगले 6 महीने के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। हुकुम आवेदनों के निपटारे में तेजी लाई जानी चाहिए। इसमें कमी क्यों आ रही है? स्कूल, अस्प-ताल, आंगनवाड़ी, श्मशान और कब्रिस्तान के लिए स्थलों का प्रावधान प्राथमिकता पर किया जाना चाहिए। कब्रिस्तान के लिए भूमि का प्रावधान किसी भी कारण से विलंबित नहीं होना चाहिए।

उचित तरीके से निपटारा किया जाना चाहिए

आवश्यक विभागों को प्राथमिकता के आधार पर स्थल उपलब्ध कराए जाने चाहिए। 1858 ग्रामीण आंगनवाड़ी और 5187 शहरी आंगनवाड़ी के लिए स्थलों की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि 14 सरकारी कॉलेज की जगह आवंटित नहीं की गई है। वन अधिकार के लिए 295176 आवेदन आए हैं, जिनमें से मात्र 16700 आवेदनों को ही वन अधिकार प्रदान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इसका उचित तरीके से निपटारा किया जाना चाहिए। जिला कलेक्टर, तहसीलदार, एसी कोर्ट में मामलों का उचित तरीके से निपटारा किया जाना चाहिए। मेरिट के आधार पर निर्णय लिए जाने चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मामलों को टालने की प्रवृत्ति नहीं होनी चाहिए।

लोगों की मांग के अनुसार अधिकारियों का तबादला किया गया: गृह मंत्री

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तटीय क्षेत्र में हो रही घटनाओं के संबंध में गृह मंत्री डॉ. जी. परमेश्वर ने कहा कि वहां के लोगों की मांग के अनुसार पुलिस अधिकारियों का तबादला किया गया है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वहां के लोगों की मांग के अनुसार अधिकारियों का तबादला किया गया है। पिछली बार जब वे वहां गए थे, तो लोगों ने मांग की थी कि अधिकारियों को बदला जाए। ऐसा नहीं किया गया, क्योंकि उन्हें तुरंत बदलना ठीक नहीं था। उन्होंने कहा कि इस बार भी उन्हें बदला गया है, क्योंकि उन्होंने अपनी आवाज उठाई है। दक्षिण कन्नड़ जिले में हो रही घटनाओं को सरकार ने बहुत गंभीरता से लिया है। कोई कुछ भी कहे, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। उस क्षेत्र में शांति बनी रहनी चाहिए। दक्षिण कन्नड़ जिला आर्थिक और शैक्षणिक दृष्टि से आदर्श जिला है। उन्होंने चेतावनी दी कि शांति भंग करने की कोशिश करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। करावली क्षेत्र में समझदार लोग हैं। मैंने उनसे कहा था कि शांति बनाए रखना बहुत जरूरी है। अगर ऐसा हो रहा है, तो क्या सरकार इसे बर्दाश्त कर पाएगी? चूंकि स्थिति अपरिहार्य हो गई है, इसलिए हमने मेंगलूरु पुलिस आयुक्त, दक्षिण कन्नड़ एसपी और उडुपी एसपी को बदल दिया है। हमने उन्हें सख्त कार्रवाई करने के निर्देश पहले ही दे दिए हैं। भविष्य में ऐसा नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने जनता से इसमें सहयोग करने की अपील की। सांप्रदायिक हिंसा रोकथाम टास्क फोर्स के गठन के लिए समय की जरूरत थी। मैंने डीजी से चर्चा की। टास्क फोर्स को कैसे तैनात किया जाए। इसे दिए जाने वाले अधिकारों पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि इसे उडुपी, मेंगलूरु और शिवमोग्गा में तैनात किया जाएगा। हम भड़काऊ भाषणों पर लगाम लगाएंगे। इसे मौजूदा कानूनी ढांचे के भीतर करना होगा। कई मामलों में, ऐसे मामलों को अदालतों में रोक दिया जाता है, या रद्द कर दिया जाता है। यह सब देखने के बाद ऐसा करना होगा। हम सोशल मीडिया पर अनावश्यक पोस्ट को नियंत्रित करेंगे। मंत्री दिनेश गुंडूराव ने शुरू से ही कहा था कि उन्हें दक्षिण कन्नड़ जिले का प्रभारी नहीं होना चाहिए। उन्होंने अब घटनाक्रम के बाद कुछ भी नया नहीं कहा है। मुझे उनके लिए दुख है। उन्होंने कहा कि अगर उस क्षेत्र के लोगों को जिम्मेदारी दी जाए तो अच्छा होगा। उन्होंने जवाब दिया कि यह मुख्यमंत्री के विवेक पर निर्भर है। हम राज्य के किसी भी हिस्से की उपेक्षा नहीं करेंगे। यह तट हो सकता है, यह उत्तर कर्नाटक हो सकता है, यह कोई और हो सकता है। हम किसी भी जिले की उपेक्षा नहीं करेंगे। हमें तट पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है, हम ऐसा करेंगे। घटनाओं की पृष्ठभूमि क्या है? हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि इसके पीछे कौन है। उन्होंने कहा कि अगर कोई राजनीतिक कारणों या किसी अन्य कारण से शामिल है, तो हम कार्रवाई करेंगे।

चावल से लदी लॉरी पलटने से मजदूर की मौत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बंटवाल में शुक्रवार सुबह चावल से लदी एक लॉरी पलटने से एक मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पहचान झारखंड निवासी निर्मला अंशा (32) के रूप में हुई है। लॉरी चालक सुजीत और क्लीनर सिमोहन मुर्मू सुरक्षित बच गए। यह घटना बंटवाल में एसवीएस कॉलेज के पास हुई, जब उडुपी से मूडबिद्री और फिर बंटवाल जा रही लॉरी भारी बारिश के बीच चालक के नियंत्रण खोने के कारण पलट गई। निर्मला अंशा चावल के लोड के ऊपर लॉरी के पिछले हिस्से में बैठा था। जब वाहन पलटा, तो वह सड़क पर गिर गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बंटवाल ट्रैफिक सब-इंस्पेक्टर सुतेश ने घटनास्थल का दौरा किया और मामला दर्ज किया।

इंडिगो बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर दूसरी एमआरओ सुविधा बनाएगी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। इंडिगो ने बेंगलूरु के केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (केआईए) पर एक और रखरखाव मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) सुविधा बनाने के लिए बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (बीआईएएल) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते के तहत, बीआईएएल एयरलाइन के बेड़े का समर्थन करने के लिए एमआरओ बुनियादी ढांचे के विकास के लिए इंडिगो को लगभग 31 एकड़ जमीन आवंटित करेगा। अत्याधुनिक सुविधा संकीर्ण-शरीर और चौड़े शरीर वाले दोनों विमानों को संभालने के लिए सुसज्जित होगी। अपने बेड़े में 400 से अधिक विमानों के साथ, एक समर्पित एमआरओ सुविधा विमान उप-लब्धता, अधिक लागत दक्षता और तेजी से बदलाव के मामले में एयरलाइन और उसके ग्राहकों को लाभान्वित करेगी। इंडिगो के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स ने कहा इंडिगो एमआरओ क्षमताओं का व्यापक विकास करना इंडिगो के लिए एक महत्वपूर्ण और बहुत ही रणनीतिक कदम है। बीआईएएल के साथ साझेदारी बेंगलूरु में विमानन पारिस्थितिकी तंत्र के दीर्घकालिक विकास को आगे बढ़ाने और भारत में सर्वश्रेष्ठ और विश्व स्तरीय अंतरराष्ट्रीय केंद्रों में से एक के रूप में इसकी स्थिति को मजबूत करने की हमारी साझा प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है। बीआईएएल के एमडी और सीईओ हरि मरार ने कहा हमें खुशी है कि भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन, इंडिगो ने अपनी नवीनतम एमआरओ सुविधा स्थापित करने और अपने संचालन को बढ़ाने के लिए केआईए को चुना है। इंडिगो के साथ हमारा बहुत ही सफल, दीर्घकालिक संबंध रहा है और यह सहयोग एयरलाइन के साथ हमारे जुड़ाव को और मजबूत करता है। यह हवाई अड्डे की विकास क्षमता और एक प्रमुख विमानन केंद्र के रूप में बेंगलूरु शहर की एक मजबूत पुष्टि है। अभी तक, इंडिगो के पास दिल्ली और बेंगलूरु में एक-एक एमआरओ सुविधा है।

सीएम ने सभी समुदायों के शांति के बगीचे को जहरीले सांपों के बगीचे में बदला: कुमारस्वामी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। तटीय इलाकों समेत पूरे राज्य में हो रही बारिश ने लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। लोग आंसुओं में हाथ धो रहे हैं। केंद्रीय बड़े उद्योग मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने राज्य सरकार पर आरोप लगाया है कि उसे जिम्मेदारी से काम करना चाहिए था, लेकिन वह तटीय लोगों को सुरक्षा देने के बजाय नाटक कर रही है। एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि घर, सड़कें और पुल ढह गए हैं। शहर, कस्बे और गांव पानी में डूब रहे हैं और लोग कह रहे हैं कि वे असहाय हैं। उनकी जान बचाने के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है, जो अधर में लटकी हुई है? मुख्यमंत्री ने बारिश में जान गंवाने के बाद मंत्रियों को जाने का आदेश दिया, नतीजा क्या हुआ? बारिश आने से पहले आपने क्या किया? क्या यह जनहितैषी शासन है? क्या यही कहने का मतलब है? उन्होंने आरोप लगाया कि हत्याओं को दबाने की चिंता नहीं है, बल्कि हत्याओं से राजनीतिक लाभ कमाने की है।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, आप दो साल से सत्ता में हैं। आप दूसरी पार्टियों को दोष देने में अपना समय बर्बाद कर रहे हैं। आपके सत्ता में आने के बाद से तटीय क्षेत्र में कितनी हत्याएं हुई हैं? आपने उन्हें क्यों नहीं दबाया? क्या एक समुदाय ने आपकी पार्टी को 100 प्रतिशत वोट नहीं दिया? आप उनकी रक्षा करने में विफल रहे और इसके बजाय आप दूसरे समुदायों में जहर फैला रहे हैं। आपने सभी समुदायों के शांति के बगीचे को जहरीले सांपों के बगीचे में बदल दिया है। बारिश एक प्राकृतिक आपदा है, आपकी पार्टी को आपदा का तुरंत समाधान निकालना चाहिए। उन्होंने सलाह दी कि मुख्यमंत्री के तौर पर यह आपका तत्काल कर्तव्य है।

सुप्रीम कोर्ट में अधिसूचना रद्द करने की याचिका दायर करने का मामला

मंत्री ने आईएएस-आईएफएस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। वन मंत्री ईश्वर खंड्रे ने कहा कि शहर की एचएमटी भूमि को गैर अधिसूचित करने के लिए सरकार की पूर्व अनुमति के बिना सुप्रीम कोर्ट में अंतरिम याचिका दायर करने वाले एक आईएफएस अधिकारी को निलंबित करने और एक अन्य अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच की सिफारिश की गई है। इसके अलावा, सेवानिवृत्त अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। शहर के एक बड़े हिस्से में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की एचएमटी वन भूमि को गैर अधिसूचित करने की अनुमति मांगने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दायर एक आईए के मामले में, सेवानिवृत्त आईएएस, आईएफएस और दो मौजूदा आईएफएस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की गई है। एचएमटी के कब्जे में जमीन को गैर-वनीय उद्देश्यों के लिए परिवर्तित नहीं किया गया है। इसलिए, सुप्रीम कोर्ट और वन संरक्षण अधिनियम, 1980 द्वारा दिए गए कई निर्णयों के अनुसार, यह आज भी जंगल है। हालांकि, यह जमीन अलग-थलग है, रियल एस्टेट कंपनियों ने सैकड़ों फ्लैट बना लिए हैं। धारावाहिकों और फिल्मों की शूटिंग चल रही है। जमीन का इस्तेमाल व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इसकी अनुमति कैसे दी गई, यह संदिग्ध है।

एक पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल के जवाब में कि कैबिनेट की अनुमति के बिना एचएमटी वन भूमि को डीनोटिफाई करने के मामले में 7 महीने बाद भी कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। मंत्री ने कहा कि एचएमटी के कब्जे में वन भूमि 7 करोड़ कन्नड़ लोगों की संपत्ति है, और कुछ अधिकारियों ने कैबिनेट की पूर्व अनुमति के बिना, तत्कालीन वन मंत्री के ध्यान में लाए बिना ही डीनोटिफाई करने के लिए आ-वेदन किया है। दो सेवानिवृत्त और दो कार्यरत सहित 4 अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए हैं, और उन्होंने कहा कि उन्होंने मुख्यमंत्री से कार्रवाई की सिफारिश की है। अतिरिक्त मुख्य प्रधान वन संरक्षक आर. गोकुल ने सीबीआई को पत्र लिखकर सुरक्षा मांगी है, जिसमें कहा गया है कि उन्हें इसलिए परेशान किया जा रहा है क्योंकि उन्होंने बेलिकेरी मामले में सत्तारूढ़ पार्टी के विधायकों को सजा दिलाई थी। एक पत्रकार द्वारा पूछे गए सवाल कि क्या सरकार अधिकारियों को परेशान कर रही है, का जवाब देते हुए खंड्रे ने कहा कि सरकार के खिलाफ लगाया गया यह पूरी तरह से झूठा आरोप है। 24 सितंबर 2024 को मैंने अतिरिक्त मुख्य सचिव को लिखित नोट भेजा, जिसमें कैबिनेट की पूर्व स्वीकृति के बिना आईए जारी करने वाले अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने और कार्रवाई करने को कहा। नोटिस दिए जाने के एक महीने बाद अक्टूबर 2024 में बेलिकेरी में फैसला आया। उन्होंने कहा कि आर. गोकुल ने अपनी गलती छिपाने के लिए सरकार पर झूठे आरोप लगाते हुए सीबीआई को पत्र लिखा। इसे भी किसी अधिकारी द्वारा कदाचार या डराने-धमकाने की रणनीति माना जा सकता है। उन्होंने खुद एचएमटी वन भूमि क्षेत्र का दौरा किया, जहां अभी भी 280 एकड़ में वृक्षारोपण है। हालांकि, आईए को सुप्रीम कोर्ट में गलत जानकारी देकर प्रस्तुत किया गया कि उक्त भूमि ने अपना वन का दर्जा खो दिया है। अपने बचाव में सीबीआई को पत्र लिखने वाले अधिकारी ने सवाल किया कि उन्होंने मुख्यमंत्री को यह कहते हुए पत्र क्यों नहीं लिखा कि एचएमटी की जमीन पर जंगल है। इसे प्रस्तुत नहीं किया जा सकता क्योंकि इसने अपना वन का दर्जा खो दिया है। वर्ष 2015 में मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया था, जिसका उद्देश्य बेंगलूरु में अन्य संस्थानों द्वारा रखे गए वन भूमि पर चर्चा करना तथा सरकार को सिफारिश करना था। उस समिति के संज्ञान में लाए बिना ही 20 जून, 2020 को सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन दायर कर कैबिनेट की अनुमति के बिना ही भूमि को गैर-अधिसूचित करने की अनुमति मांगी गई। केवल 25 दिनों के अंतराल में, यानी 15 जुलाई, 2020 को एक उच्च स्तरीय बैठक में यह निर्णय लिया गया कि अतिरिक्त मुख्य सचिव, वन, पर्यावरण एवं जीव विज्ञान विभाग को 1980 से पहले विभिन्न/सरकारी संस्थानों को क्षेत्रों की मंजूरी के संबंध में महाधिवक्ता की राय प्राप्त करने के बाद, कैबिनेट के निर्णय के लिए ऐसे वन क्षेत्रों को गैर-अधिसूचित करने का प्रस्ताव प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

कैबिनेट की अनुमति भी मिल गई

हालांकि, इस संबंध में पूर्वव्यापी अनुमति प्राप्त नहीं की गई थी, और इसलिए चार अधिकारियों को नोटिस जारी किए गए थे। अब, गोकुल को निलंबित कर उनसे पूछताछ की गई है, एक अन्य अधिकारी से पूछताछ की गई है तथा एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी और एक आईएफएस अधिकारी को निलंबित किया गया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अधिकारी के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई करने के लिए मुख्यमंत्री को शिकायत सौंपी है। जैसे ही यह मामला उनके संज्ञान में आया, आईए वापस लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट में आवेदन दायर किया गया। आईए वापस लेने के लिए कैबिनेट की अनुमति भी मिल गई हैं।

कर्नाटक में भारी बारिश : पेड़ गिरने से मेंगलूरु सेंट्रल से केरल की ओर जाने वाली रेल यातायात प्रभावित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। मेंगलूरु शहर में मरनामिकट्टे के पास सेंट्रल और नेत्रवती केबिन के बीच मेंगलूरु सेंट्रल-शोरानूर लाइन पर एक विशाल पेड़ गिरने से शुक्रवार की सुबह-सुबह इस क्षेत्र में रेल यातायात पांच घंटे से अधिक समय तक प्रभावित रहा। सुबह करीब 10.30 बजे लाइन को बहाल कर दिया गया, जिसके बाद केरल की ओर जाने वाली रेलगाड़ियों का परिचालन फिर से शुरू हो गया, हालांकि अभी भी काफी देरी हो रही है। सुबह-सुबह भारी बारिश के कारण मेंगलूरु सेंट्रल में सर्कुलेटिंग एरिया और आस-पास के इलाकों में पानी भर गया, वहीं ट्रैक पर गिरे पेड़ की वजह से रेलवे ओवरहेड इक्विपमेंट क्षतिग्रस्त हो गया और कुछ बिजली के खंभे गिर गए, जिससे यातायात बाधित हो गया। दक्षिण रेलवे के पलक्कड़ डिवीजन ने गिरे हुए पेड़ को हटाने और ओएचई को बहाल करने के लिए तुरंत रेलकर्मियों को तैनात किया। रेलवे विद्युतीकरण लाइनों को बहाल करने के लिए दो मरम्मत वैन तैनात की गईं। हालांकि, मेंगलूरु सेंट्रल-मेंगलूरु जंक्शन लाइन (सिंगल लाइन) पर पेड़ गिरने का कोई असर नहीं पड़ा। इसलिए, रेलवे ने मेंगलूरु सेंट्रल से मेंगलूरु जंक्शन के रास्ते केरल जाने वाली कुछ ट्रेनों को डायवर्ट किया, जिसमें मेंगलूरु सेंट्रल-कन्याकुमारी परशुराम एक्सप्रेस, मेंगलूरु सेंट्रल-तिरुवनंतपुरम वंदे भारत एक्सप्रेस, मेंगलूरु सेंट्रल-तिरुवनंतपुरम एर्नाड एक्सप्रेस और अन्य ट्रेनें शामिल हैं। केएसआर बेंगलूरु-कन्नूर ओवरनाइट एक्सप्रेस और एसएमवीटी बेंगलूरु-मुर्देश्वर ओवरनाइट एक्सप्रेस मेंगलूरु सेंट्रल को छोड़कर मेंगलूरु जंक्शन से सीधे कन्नूर और मुर्देश्वर की ओर चली गईं। तिरुवनंतपुरम डिवीजन में पेड़ गिरने की घटनाओं के बाद केरल से मेंगलूरु जाने वाली कई ट्रेनें भी देरी से चल रही हैं। नतीजतन, रेलवे कई ट्रेनों के समय में फेरबदल कर रहा है। ट्रेनों के समय की वास्तविक जानकारी के लिए यात्री राष्ट्रीय रेल पूछताछ प्रणाली ऐप या पोर्टल देख सकते हैं।

मेंगलूरु में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में बाढ़

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जिले भर में एक सप्ताह तक लगातार बारिश के बाद, गुरुवार की रात को विशेष रूप से भारी बारिश हुई, जिससे मेंगलूरु शहर के कई हिस्से जलमग्न हो गए। भारी बारिश के कारण निचले इलाकों, जिनमें आवासीय घर और शहर के केंद्र में कुछ दुकानें शामिल हैं, में पानी भर गया। मिशन स्ट्रीट, राव और राव सर्कल और कोपर हिल्लू क्षेत्रों में सार्वजनिक हस्तक्षेप महत्व-पूर्ण साबित हुआ, जहां जोखिम में रहने वाले निवासियों को साथी नागरिकों द्वारा सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। शहर के कई हिस्सों में सड़कों पर घुटनों तक पानी बह रहा था, जिससे आस-पास के बिजली के ट्रांसफार्मर खतरे में पड़ गए। निवासियों ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से मैनहोल बंद होने और सड़कों पर सीवेज का पानी बहने के बावजूद नगर निगम सुधारात्मक उपाय करने में विफल रहा है। बेजई-कपीकाड रोड पर केएसआरटीसी बस स्टैंड के पास एक विशाल पेड़ उखड़ गया, जिससे वाहनों की आवाजाही बाधित हुई और यातायात में भारी व्यवधान हुआ।

सड़क किनारे व्यापारियों के संघ के अध्यक्ष इम्तियाज ने दुकानों को हुए नुकसान के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने मेंगलूरु सिटी कॉरपोरेशन पर मानसून से पहले पर्याप्त सावधानी न बरतने और अवैज्ञानिक काम करने का आरोप लगाया, जिसके परिणामस्वरूप व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में पानी घुस गया और भारी नुकसान हुआ। बालमाता में अंबेडकर सर्किल के पास सड़कों पर पानी जमा होने से अंतरराज्यीय बसों की आवाजाही बाधित हुई और कॉलेज के छात्रों को असुविधा हुई।

जेप्पू के पास मेंगलूरु सेंट्रल और जंक्शन के बीच रेलवे ट्रैक पर एक पेड़ गिरने से व्यवधान और बढ़ गया। निकासी का काम चल रहा है और इस मार्ग पर फिलहाल केवल एकतरफा ट्रेन यातायात की अनुमति है। घटना के कारण बिजली के तार भी टूट गए हैं। लगातार भारी बारिश के कारण निचले इलाकों में भूस्खलन और बाढ़ आ गई है, जिससे निवासियों में चिंता है। पी-वीएस की दुकानें, साथ ही पडिल और बाजल के इलाके भी जलमग्न हो गए। जोकाटे पंचायत के पास एक बड़ा भूस्खलन हुआ, जहां पहाड़ी ढह गई, जिससे आस-पास के घर खतरनाक स्थिति में आ गए। स्थानीय निवासी मिट्टी के और अधिक खिसकने को लेकर चिंतित हैं, खासकर अगर बारिश जारी रही। जेप्पिनामोगारू समेत कई इलाकों में लगातार हो रही बारिश के कारण जलभराव हो गया है। जिले भर के निचले इलाकों में पानी भर गया है, जिससे आवाजाही मुश्किल हो गई है और संपत्ति और सुरक्षा दोनों के लिए खतरा पैदा हो गया है।

मेंगलूरु के बाहरी इलाके कुम्पाला में एक महिंद्रा थार और एक मारुत सुजुकी स्विफ्ट कार बाढ़ के पानी में तैरती हुई देखी गई, जो बीच सड़क पर आकर रुक गई। इस घटना ने लोगों का ध्यान खींचा और वे उत्सुकता से मौके पर एकत्र हो गए। बताया जा रहा है कि ये वाहन कुम्पाला के साजिद नामक एक स्थानीय निवासी के हैं।

सरकार मेडिकल माफिया के आगे झुकी : एस. हरीश

जन औषधि केंद्र बंद करने जा रही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु उत्तर जिला अध्यक्ष एस. हरीश ने आरोप लगाया कि मेडिकल माफिया के प्रभाव के कारण राज्य सरकार जन औषधि केंद्र बंद करने जा रही है। शहर में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने आपत्ति जताई कि गरीब विरोधी, जन विरोधी कांग्रेस सरकार ने सभी सरकारी अस्प-तालों में जन औषधि केंद्र बंद करने का परिपत्र जारी किया है। केंद्र सरकार द्वारा लागू किए गए जन औषधि केंद्र पूरे देश में लोगों के लिए दवाओं की कीमतों में 85 प्रतिशत की कमी कर रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि राज्य सरकार इन केंद्रों को क्यों बंद करने जा रही है। हर दिन बड़ी संख्या में गरीब लोग जन औषधि केंद्रों पर जाकर दवाएं खरीद रहे हैं। लोगों को मुफ्त दवाएं नहीं दी जा रही हैं, इसलिए आम लोग जन औषधि दुकानों पर जाकर दवाएं खरीद रहे हैं। उन्होंने बताया कि जन औषधि केंद्रों में खूब कारोबार हो रहा है। राज्य सरकार मुफ्त में दवाएं नहीं देती, लोगों को जन औषधि केंद्रों से दवाएं लेने भी नहीं देती। उनका कहना है कि उन्हें अस्पताल के बाहर ही एमआरआई स्कैनर करवाना है और उसे साथ लेकर आना है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार की नीति का विरोध करने के लिए मौन विरोध प्रदर्शन किया गया, जो लोगों को कोई सुविधा दिए बिना ऐसी सुविधाओं को बंद करने जा रही है और केंद्र सरकार के खिलाफ है। यह सरकार कांग्रेस सरकार के खिलाफ मौन विरोध भी नहीं करने दे रही है, जो जन औषधि केंद्र बंद करने जा रही है। इसके बजाय, उन्हें पुलिस हिरासत में लिया जा रहा है।

अगर मुख्यमंत्री केआर सर्किल से चिन्नास्वामी स्टेडियम जाते हैं, तो यह कानून के खिलाफ नहीं है। लेकिन राज्य सरकार आम लोगों और राजनीतिक दलों के विरोध को दबाने का काम कर रही है। हम इसकी कड़ी निंदा करते हैं। उन्होंने मांग की कि राज्य में जन औषधि केंद्र बंद नहीं किए जाने चाहिए। बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष और विधायक सी.के. राममूर्ति ने कांग्रेस सरकार के जन औषधि केंद्रों को बंद करने के आदेश को गरीबों की मौत का फरमान बताया। उन्होंने सवाल किया कि सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवाइयां देने का दावा करने वाली कांग्रेस सरकार अस्पतालों में किस हद तक दवाइयां उपलब्ध करा रही है। सरकारी अस्पतालों में लोगों को समय पर जरूरत की दवाइयां नहीं मिल रही हैं। वे निजी अस्पतालों में अधिक पैसे देकर दवाइयां खरीद रहे हैं। उन्होंने राज्य के स्वास्थ्य मंत्री पर मेडिकल माफिया का शिकार होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम आज प्रधानमंत्री द्वारा लाई गई जन औषधि केंद्र योजना को मौका देने के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने मांग की कि सरकार द्वारा जन औषधि केंद्रों को बंद करने के फैसले को वापस लिया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर राज्य सरकार जन औषधि केंद्रों को बंद करने के अपने फैसले को नहीं छोड़ती है, तो हम इस बारे में विधानसभा में भी लड़ाई लड़ेंगे।

सिद्धरामैया ने विकास निगरानी के लिए वास्तविक समय का सीएम डैशबोर्ड किया लॉन्च

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड (सीएम डैशबोर्ड), एक ऐसा प्लेटफ़ॉर्म जो कर्नाटक में प्रमुख विकास संकेतकों में वास्तविक समय, एकीकृत अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, शुक्रवार को लॉन्च किया गया। इसे मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने विधान सौधा में सभी जिलों के उपायुक्तों और सभी जिला पंचायतों के सीईओ के साथ समीक्षा बैठक के दौरान लॉन्च किया, जो राज्य विधानमंडल और सचिवालय की सीट है। सेंटर फॉर ई-गवर्नेंस (सीईजी) द्वारा इन-हाउस विकसित किया गया डैशबोर्ड अब कार्यात्मक रूप से पूरा हो गया है और इसे डोमेन के तहत होस्ट किया गया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया यह प्लेटफ़ॉर्म कर्नाटक में प्रमुख विकास संकेतकों में वास्तविक समय, एकीकृत अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जिससे डेटा-संचालित शासन और उच्चतम स्तर पर निर्णय लेने में सक्षम होता है। डैशबोर्ड को माइक्रोसर्विस-आधारित आर्किटेक्चर का उपयोग करके बनाया गया है, जो स्केलेबिलिटी और एकीकरण में आसानी सुनिश्चित करता है, और डेटा को विभिन्न विभागों से एप-आई (एप्लीकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस) के माध्यम से एकीकृत किया जाता है, जिससे मैन्युअल प्रविष्टि समाप्त हो जाती है। अधिकारियों के अनुसार, डैशबोर्ड राज्य के प्रदर्शन डेटा को चार प्राथमिक क्षेत्रों में वर्गीकृत करता है, जिसमें आर्थिक विकास (जैसे, निवेश, लाभार्थी), कानूनी/न्यायपालिका प्रबंधन (जैसे, आरटीआई, सकला केस निपटान), बुनियादी ढांचा विकास (जैसे, सड़क, सिंचाई, नवीकरणीय ऊर्जा), और नागरिक-केंद्रित शासन (जैसे, गारंटी योजनाएँ, जनस्पंदन) शामिल है।

उन्होंने कहा पारदर्शिता को बढ़ावा देने के लिए डिजाइन किया गया, पोर्टल वास्तविक समय की प्रगति मीट्रिक प्रदर्शित करता है और प्रमुख योजनाओं और सेवा परिणामों तक जनता की पहुँच को सक्षम बनाता है।

हरिराम शंकर, डॉ अरुण ने उडुपी, दक्षिण कन्नड़ जिलों के एसपी के रूप में कार्यभार संभाला

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

आईपीएस हरिराम शंकर ने शुक्रवार को आधिकारिक तौर पर उडुपी जिले के पुलिस अधीक्षक का पदभार ग्रहण किया। उडुपी जिले के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक ने दृढ़ और सक्रिय पुलिसिंग का आश्वासन दिया है, तथा गंभीर और त्वरित कार्रवाई के साथ सभी आपराधिक और अवैध गतिविधियों पर नकेल कसने की कसम खाई है। कार्यभार संभालने के बाद मीडिया को संबोधित करते हुए एसपी हरिराम शंकर ने कहा मैंने पहले कुंडापुरा में सहायक पुलिस अधीक्षक के रूप में काम किया था, इसलिए मैं उडुपी जिले से परिचित हूं। मैंने हासन और मंगलूरु में भी काम किया है, जिससे मुझे कानून और व्यवस्था के प्रबंधन में व्यापक अनुभव प्राप्त हुआ है। उन्होंने जनता से शांति बनाए रखने और हाल ही में हुई किसी भी तरह की झड़प या गड़बड़ी में शामिल होने से बचने की अपील की। उन्होंने कहा उडुपी जिले के लोगों से मेरा अनुरोध है कि वे पुलिस के साथ सहयोग करें और हाथ से हाथ मिलाकर काम करें। किसी भी आपात स्थिति या जरूरी सूचना के मामले में, लोग मुझसे सीधे संपर्क कर सकते हैं या पुलिस नियंत्रण कक्ष से संपर्क कर सकते हैं। मेरा संपर्क नंबर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है। उन्होंने आगे कहा लोगों को सांप्रदायिक तनाव या इससे संबंधित किसी भी मुद्दे की सूचना तुरंत पुलिस विभाग को देनी चाहिए। पूर्व एसपी अरुण के ने अथक परिश्रम और बहुत अनुशासन और समर्पण के साथ काम किया है। मेरा लक्ष्य उसी समर्पण और प्रयास के साथ आगे बढ़ना है। हम अवैध गतिविधियों को बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं करते हैं।

गुंडागर्दी से आम नागरिकों की शांति भंग नहीं होनी चाहिए। एसपी अरुण के नेतृत्व में विभाग में जो अनुशासन और संगठन स्थापित किया गया है, उसे बनाए रखा जाएगा। एएसपी के रूप में, मैं रात की गश्त पर था और कई छापे मारे थे। ये पिछले अनुभव अब एसपी के रूप में मेरी नई भूमिका में मेरी मदद करेंगे। मैं सभी के लिए सुलभ रहूंगा। हम उडुपी के लोगों में विश्वास करते हैं और यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि कानून प्रवर्तन में उनका भरोसा मजबूत रहे। डिजिटल दुरुपयोग में वृद्धि के मद्देनजर, एसपी ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म की गहन निगरानी पर जोर दिया। प्रत्येक पुलिस स्टेशन में अब दो अधिकारी ऑनलाइन गतिविधि की निगरानी कर रहे हैं। हम न केवल संवेदनशील या भड़काऊ सामग्री पोस्ट करने वालों पर नजर रख रहे हैं, बल्कि उन पर भी नजर रख रहे हैं जो ऐसी पोस्ट को शेयर या उनसे जुड़ते हैं। यहाँ तक कि नफरत फैलाने या तनाव भड़काने के लिए इस्तेमाल किए गए फर्जी खातों का भी पता लगाया जाएगा और कार्रवाई की जाएगी। कोई भी पहुँच से परे नहीं है। साइबर धोखाधड़ी के बढ़ते मुद्दे पर उन्होंने कहा, उडुपी के निवासी ऑनलाइन घोटालों में बड़ी रकम खो रहे हैं। हम सक्रिय रूप से जागरूकता बढ़ा रहे हैं और लोगों को आकर्षक ऑनलाइन जाल में न फंसने की सलाह दे रहे हैं। हमारा साइबर आर्थिक और नारकोटिक्स पुलिस स्टेशन हमेशा सतर्क और उत्तरदायी रहता है। हमने पहले ही चोरी हुए मोबाइल फोन का 35 प्रतिशत हिस्सा बरामद कर लिया है - जो देश में सबसे अधिक रिकवरी दरों में से एक है। एसपी ने खुलासा किया कि हाल ही में कई चोरी के मामलों को सुलझाया गया है, लेकिन व्यापक सुरक्षा पहल की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। कई अपराधी सीसीटीवी कैमरे नष्ट कर देते हैं। इसलिए अकेले जागरूकता पर्याप्त नहीं है। हम प्रमुख क्षेत्रों में निजी-सार्वजनिक सुरक्षा गश्ती तैनात करने पर विचार कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य आउटरीच में सुधार करके नागरिकों को पुलिस स्टेशन आने की आवश्यकता को कम करना है। साथ ही, हमारी उपस्थिति से आपराधिक कृत्यों की योजना बनाने वालों में डर पैदा होना चाहिए। जिले में यातायात की समस्याओं को समझते हुए एसपी ने कहा हमारे डीआईजी और आईजी, जिन्होंने यातायात का गहन अध्ययन किया है, के सहयोग से हम प्रौद्योगिकी-संचालित समाधान पेश करने की योजना बना रहे हैं। इससे हमें स्टाफ की कमी को प्रबंधित करने और दैनिक यातायात चुनौतियों का अधिक प्रभावी ढंग से विश्लेषण करने में भी मदद मिलेगी। इस बीच, मेंगलूरु में, डॉ. अरुण के, आईपीएस ने राज्य सरकार और पुलिस मुख्यालय के आदेशों के बाद आधिकारिक तौर पर दक्षिण कन्नड़ जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) के रूप में कार्यभार संभाला। पदभार ग्रहण करने के बाद एसपी डॉ. अरुण के ने कहा कि उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता जिले भर में कानून और व्यवस्था बनाए रखना और साथ ही आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना होगा। उन्होंने आश्वासन दिया कि पुलिस विभाग सांप्रदायिक तनाव और नैतिक पुलिसिंग से संबंधित घटनाओं पर गंभीरता से ध्यान देगा। उन्होंने कहा धार्मिक मुद्दों और नैतिक पुलिसिंग से जुड़े मामलों को अत्यंत गंभीरता से लिया जाएगा।

ऑनलाइन गलत सूचनाओं की निगरानी पर विशेष ध्यान

उन्होंने यह भी बताया कि उपद्रवी तत्वों और ऑनलाइन गलत सूचनाओं की निगरानी पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। डॉ. अरुण के ने कहा उपद्रवी तत्वों की गतिविधियों पर निगरानी बढ़ाई जाएगी, साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से गलत सूचना फैलाने वाले व्यक्तियों पर भी निगरानी बढ़ाई जाएगी। शून्य सहनशीलता नीति के प्रति विभाग की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए, उन्होंने गैरकानूनी गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। उन्होंने कहा अवैध खनन, जुआ, सट्टा और किसी भी अन्य प्रकार की गैरकानूनी गतिविधि के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। डॉ. अरुण के ने लोगों को किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना देकर पुलिस के साथ सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा नागरिक किसी भी महत्वपूर्ण जानकारी को साझा करने के लिए स्वतंत्र रूप से और सीधे मुझसे 9480805301 पर संपर्क कर सकते हैं, या 0824-2220503 पर कार्यालय पहुंच सकते हैं।

भाजपा ने कार्यकर्ताओं से अपने नेताओं को 'निशाना' बनाए जाने का विरोध करने को कहा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में कांग्रेस सरकार पर भाजपा नेताओं और हिंदुत्व कार्यकर्ताओं को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए भाजपा की राज्य कोर कमेटी ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से कहा है कि अगर जरूरत पड़े तो वे इसका विरोध करने के लिए सड़कों पर उतरें। कोर कमेटी की बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए भाजपा के राज्य अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि समिति ने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को कथित तौर पर निशाना बनाए जाने पर आपत्ति जताई है, जिसमें कलबुर्गी जिले में अवैध रूप से हिरासत में लिए गए चलवादी नारायणस्वामी, एन. रविकुमार, जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और हाल ही में मेंगलूरु में हत्या किए गए हिंदुत्व कार्यकर्ता सुहास शेट्टी शामिल हैं। कोर कमेटी ने राज्य इकाई से कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच यह स्पष्ट करके विश्वास पैदा करने को कहा है कि डर के आगे झुकने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि पार्टी नेता जल्द ही कर्नाटक के दौरे पर जाएंगे और कार्यक्रम को जल्द ही अंतिम रूप दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोर कमेटी ने राज्य के विभिन्न राजस्व संभागों के लिए वरिष्ठ नेताओं की टीमें गठित करने का निर्णय लिया है, जो जिला पंचायत और तालुक पंचायत चुनावों से पहले पार्टी को मजबूत करने के लिए अपने संभागों के जिलों का दौरा करेंगी तथा स्थानीय निकाय चुनावों की तैयारियों की निगरानी भी करेंगी।

अब पूर्ण क्षमता से काम करेगा सुप्रीम कोर्ट

तीन नए जज हुए शामिल, जस्टिस विजय बिश्नोई ने हिन्दी में ली शपथ

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। अंग्रेजी बोलने और सुनने के आदी सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को हिन्दी चली। सुप्रीम कोर्ट के नवनियुक्त न्यायाधीश विजय बिश्नोई ने हिंदी में शपथ ली। गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश पद की शपथ हिन्दी में ली।

जस्टिस बिश्नोई गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश पद से प्रोन्नत होकर सुप्रीम कोर्ट आएं है लेकिन वे मूलत: राजस्थान के रहने वाले हैं और राजस्थान हाई कोर्ट ही उनका मूल हाई कोर्ट है। राजस्थान हिन्दी भाषी प्रदेश है। जस्टिस विजय बिश्नोई को प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) बीआर गवई ने शपथ दिलाई और जस्टिस गवई ने भी गत 14 मई को सीजेआइ पद की शपथ हिन्दी में ली थी।

सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को तीन नये न्यायाधीशों जस्टिस एनवी अंजारिया, जस्टिस विजय बिश्नोई और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर ने सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश पद की शपथ ली। सीजेआइ बीआर गवई ने तीनों न्यायाधीशों को पद की शपथ दिलाई। तीन में से दो न्यायाधीशों एनवी अंजारिया और अतुल एस चंदुरकर ने अंग्रेजी में पद की शपथ ली जबकि जस्टिस विजय बिश्नोई ने हिन्दी में शपथ ली। तीन नये न्यायाधीशों के पद गृहण करने के बाद सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की कुल संख्या बढ़ कर 34 हो गई है जो सुप्रीम कोर्ट की पूर्ण कार्यक्षमता है। सुप्रीम कोर्ट में सीजेआइ को मिला कर न्यायाधीशों के कुल मंजूर पद 34 हैं। तीन नये न्यायाधीशों के आने के बाद सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश का कोई भी पद रिक्त नहीं है। हालांकि नौ जून को जस्टिस बेला त्रिवेदी सेवानिवृत होंगी और उसके बाद एक रिक्ति फिर हो जाएगी।

पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, जस्टिस अभय एस. ओका और जस्टिस हृषिकेश राय की सेवानिवृत्ति के बाद सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों के तीन पद रिक्त हो गए थे। जिन्हें भरने के लिए प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम की 26 मई को बैठक हुई जिसमें कोलेजियम ने कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एनवी अंजारिया, गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश विजय बिश्नोई और बांबे हाई कोर्ट के न्यायाधीश अतुल एस चंदुरकर को सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीश के रूप में पदोन्नति करने की सिफारिश की थी।

इसके बाद सरकार ने कोलेजियम की सिफारिश स्वीकार करते हुए तीनों न्यायाधीशों की सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश पद पर नियुक्ति की अधिसूचना जारी की थी और आज शुक्रवार को तीनों न्यायाधीशों ने पद की शपथ लेकर कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

जब कोलेजियम ने इनके नामों की सिफारिश की थी उस समय जस्टिस अंजारिया कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे, उनका मूल हाई कोर्ट गुजरात हाई कोर्ट है, जस्टिस विजय बिश्नोई गुवाहाटी हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश थे, उनका मूल हाई कोर्ट राजस्थान हाई कोर्ट है और जस्टिस अतुल एस चंदुरकर बांबे हाई कोर्ट के न्यायाधीश थे।

जस्टिस अंजारिया 21 नवंबर 2011 को गुजरात हाई कोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त हुए थे जिसके बाद छह सितंबर 2013 को वह स्थाई न्यायाधीश बने और 25 फरवरी 2024 को वह कर्नाटक हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बने।

जस्टिस विजय बिश्नोई आठ जनवरी 2013 को राजस्थान हाई कोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्ति हुए जिसके बाद सात जनवरी 2015 को स्थाई न्यायाधीश बने और पांच फरवरी 2024 को वह गुवाहाटी हाई कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश नियुक्त हुए। जस्टिस अतुल एस चंदुरकर 1988 में अधिवक्ता के रूप में पंजीकृत हुए बांबे हाई कोर्ट और नागपुर में उन्होंने वकालत की। 21 जून 2013 को वह बांबे हाई कोर्ट में अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्ति हुए।

पूर्व न्यायाधीश पर आपत्तिजनक टिप्पणी वाले वीडियो पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

नयी दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। उच्चतम न्यायालय ने पूर्व न्यायाधीश बेला एम त्रिवेदी पर कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में स्वत: संज्ञान लेते हुए संबंधित वीडियो दिखाने पर रोक लगाने के साथ ही उसे यूट्यूब चैनल से तत्काल हटाने का निर्देश दिया है।

मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई, न्यायमूर्ति ऑगस्टाइन जॉर्ज मसीह और न्यायमूर्ति ए एस चंद्रूकर की पीठ ने शुक्रवार को अपने आदेश में 'वरप्रैड मीडिया इंडिया प्राइवेट लिमिटेड' के एडिटर इन चीफ अजय शुक्ला को वीडियो को अपने चैनल से हटाने का निर्देश दिया।

शीर्ष न्यायालय ने अपने आदेश में कहा,हम रजिस्ट्री (सुप्रीम कोर्ट की) को अजय शुक्ला के खिलाफ स्वत: संज्ञान अवमानना का मामला दर्ज करने का निर्देश देते हैं। यूट्यूब चैनल को प्रतिवादी पक्ष बनाया जाएगा। अटॉर्नी जनरल और सॉलिसिटर जनरल से अनुरोध है कि वे इस मामले में अदालत की सहायता करें। अंतरिम आदेश के तहत हम यूट्यूब चैनल को वीडियो के प्रसारण को रोकने और तत्काल इसे हटाने का निर्देश देते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वीडियो में शीर्ष अदालत की एक पूर्व न्यायाधीश के खिलाफ अपमानजनक आरोप हैं।

पीठ ने कहा,श्री शुक्ला ने उक्त वीडियो क्लिप में इस न्यायालय की एक वरिष्ठ न्यायाधीश के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां की हैं। यूट्यूब पर व्यापक रूप से प्रसारित इस तरह के अपमानजनक आरोपों से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुंचने की आशंका है।

शीर्ष अदालत ने स्वत: संज्ञान लेकर न्यायालय की अवमानना का आपराधिक मामला शुरू किया। पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि भारत का संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है, लेकिन इस अधिकार का दुरुपयोग न्यायाधीशों के खिलाफ अपमानजनक आरोप लगाने के लिए नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने कहा,इसमें कोई संदेह नहीं है कि संविधान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की गारंटी देता है। इस तरह के अधिकार पर उचित प्रतिबंध हैं और इस न्यायालय के न्यायाधीश के बारे में अपमानजनक आरोप लगाने या न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचाने वाले अपमानजनक आरोप लगाने की अनुमति नहीं दी जा सकती।

पाक हमले का शिकार बने घरों को मात्र 6500 का मुआवजा

जम्मू में पाकिस्तानी ड्रोन से हुआ था लाखों का नुकसान

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 30 मई।

रिहाड़ी इलाके के निवासी इसे मुआवजा नहीं बल्कि एक क्रूर मजाक कह रहे हैं, सरकार ने जम्मू शहर में पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराए जाने के बाद जिन लोगों के घर क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें प्रति घर मात्र 6,500 रुपए दिए हैं।

भारतीय सेना द्वारा रोके गए ड्रोन ने घनी आबादी वाले इलाके में मलबा फैला दिया, जिससे कई घर क्षतिग्रस्त हो गए और कई निवासी घायल हो गए। घटना के तुरंत बाद, जिला प्रशासन और मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घटनास्थल का दौरा किया और पीड़ितों को पर्याप्त मुआवजा देने का आश्वासन दिया। पर हफ्तों बाद, मुआवजा आया मरम्मत दल या पुनर्निर्माण निधि के साथ नहीं, बल्कि 6,500 रुपए के मामूली चेक के साथ। रिहाड़ी के कई लोगों के लिए, यह विडंबना और भी तीखी हो सकती है। प्रभावित निवासियों में से एक रंजीत कुमार कहते थे कि वे मेरे घर के बाकी हिस्सों को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं, शायद इस तरह से कम से कम यह राशि तर्कसंगत लगेगी।

यह मुआवजा नहीं है। यह मजाक है, साफ और स्पष्ट। इसी घर में रहने वाले नीरज गुप्ता ने इस राशि को बेतुका बताया और कहा, टूटी हुई खिड़कियों के शीशे बदलने में भी 30,000 रुपए खर्च होते हैं।

6,500 रुपए का हम क्या करेंगे? इसे फ्रेम करके दीवार पर टांग दें, ताकि सरकार की चिंता का एहसास हो? दरअसल सरकार द्वारा सभी प्रभावित परिवारों के लिए एक समान मुआवजा दिया गया, लेकिन हर मामले में नुकसान की वास्तविक सीमा का हिसाब नहीं लगाया गया।

चाहे घर की कुछ टाइलें टूटी हों या छत गिर गई हो, सरकार ने मुआवजे की एक ही झाड़ू चलाई, 6,500 रुपए की।

यह सिर्फ पैसे की बात नहीं है, यह सम्मान की बात है। एक अन्य निवासी ने नाराजगी में कहा, हमें मदद की उम्मीद थी। इसके बजाय हमें सरकारी मुहरों के साथ अपमान मिला। सरकार के इस क्रूर मजाक के प्रति इलाके में गुस्सा और अविश्वास का माहौल है।

जबकि सरकार मुआवजा जारी करने के साथ मामले को बंद मान सकती है, निवासी अब मांग कर रहे हैं कि प्रशासन मरम्मत के काम की जिम्मेदारी ले। कई लोगों ने यह भी कहा कि सरकार अपना पैसा वापस ले ले और हमें हमारे घर वापस दे दो। एक ऐसे शहर में जो अक्सर सीमा पार तनाव की अग्रिम पंक्ति में रहता है, इस घटना ने आपदा प्रतिक्रिया तंत्र के साथ बढ़ते मोहभंग में एक और परत जोड़ दी है। फिलहाल, रिहाड़ी में, घरों से ज्यादा टूटी हुई एकमात्र चीज शासन में भरोसा हो सकता है।

हालांकि रिहाड़ी में पाक गोलाबारी के दौरान क्षतिग्रस्त हुए घरों को केवल 6,500 प्रदान किए जाने की कुछ रिपोर्टों के जवाब में, जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि निर्धारित मानदंडों के अनुसार, गोलाबारी से सीधे प्रभावित होने वाले मुख्य घर को 1,20,000 की सहायता राशि स्वीकृत की गई है। आस-पास के घरों, जिन्हें मामूली क्षति हुई है, लेकिन वे सीधे प्रभावित नहीं हुए हैं, को मामूली संरचनात्मक क्षति के मुआवजे के लिए मौजूदा दिशानिर्देशों के अनुसार प्रत्येक को 6,500 प्राप्त हुए हैं। इसके अलावा, गोलाबारी के कारण मामूली रूप से घायल हुए व्यक्तियों को जिला प्रशासन द्वारा तत्काल राहत के रूप में प्रत्येक को 10,000 की राशि दी गई है, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को प्रत्येक को 35,000 की सहायता दी गई है।

जिला प्रशासन सभी प्रभावित परिवारों की चिंताओं को दूर करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से उत्पन्न होने वाली हर वास्तविक आवश्यकता को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जा रहा है। हम प्रभावित निवासियों के साथ एकजुटता में खड़े हैं और हर संभव तरीके से उनका समर्थन करने के अपने संकल्प की पुष्टि करते हैं।

एलओसी और इंटरनेशनल बॉर्डर पर बिछेगा बंकरों का जाल

जम्मू, 30 मई (ब्यूरो)। पाकिस्तान से सटी 814 किमी लंबी एलओसी और 264 किमी लंबे इंटरनेशनल बॉर्डर पर अब बंकरों के जाल नजर आएंगे। केंद्र सरकार ने पाकिस्तान के इरादों को भांपते हुए सीमा पर बंकरों की संख्या दोगुनी करने का फैसला लिया है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज पुंछ में एक सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही।

दरअसल आपरेशन सिंदूर के आरंभ होते ही पाक सेना ने जम्मू कश्मीर की पाकिस्तान से सटी सीमाओं पर जबरदस्त गोलों की बरसात कर दी जिस कारण 21 लोगों की मौत हो गई। सैकड़ों मकान ढह गए। ड्रोन व मिसाइल हमलों के शिकार जम्मू शहर के लोग भी हुए तो चारों ओर से बंकरों के निर्माण की मांग की जाने लगी। आधिकारिक तौर पर अभी तक सीमाओं पर 90 हजार के करीब बंकर बनाए जा चुके हैं जिनकी संख्या अब दोगुनी की जाएगी।

याद रहे करगिल युद्ध के दौरान करगिल भारत का पहला अपने किस्म का प्रथम कस्बा था जहां लोग रातों को अपने मेहनत मजदूरी कर, पेट काट कर, धन जोड़ कर बनाए गए घरों में नहीं बल्कि पत्थरों के बिछौने रूपी बंकरों में काटते थे।

करगिल युद्ध के बाद करगिल कस्बे समेत एलओसी के कई कस्बों में शायद ही कोई घर होगा जहां बरामदे में बंकर का निर्माण न किया गया होगा। देखा जाए तो आज यह बंकर इन परिवारों के लिए जीवन का एक अभिन्न अंग हो गया है जिसके बिना मौत तो पूरी है जिन्दगी अधूरी है।

करगिल कस्बे के लोगों को बंकरों की आवश्यकता करगिल युद्ध के दो साल पहले तक नहीं थी।

ऐसा इसलिए था क्योंकि तब पाक तोपें किसी प्रकार की मौत की बरसात नहीं करती थीं लेकिन न जाने क्यों फिर उनका रुख परिवर्तन हो गया और अब वे समय-असमय बस इसी ताक में रहते हैं कि किसी प्रकार एलओसी से सटे कस्बों को भूतहा बना दिया जाए।

ऐसी ही हालत एलओसी पर 1947 से ही थी।

पर बंकरों की कमी के चलते सीमावासियों को मौत को गले लगाने पर मजबूर होना पड़ रहा था। फिर 1995 में तारबंदी के कार्य के शुरू होने के साथ ही तब अपनी जान बचाने के लिए बंकरों की सहायता लेने के लिए जब बंकरों का निर्माण आरंभ किया गया था तो यह कार्य जितना आसान लगा था उतना था नहीं।

खुदाई के लिए एक चोट अगर गांव वालों द्वारा जमीन पर डाली जाती थी तो पाकिस्तानी तोपों की ओर से एक गोला उनके पास दागा जाता था। जिस कठिनाई से कस्बे वालों ने बंकरों का निर्माण किया था वे ही जानते हैं। हमेशा आग उगलने वाली भारत-पाक नियंत्रण रेखा से सटे इन खतरनाक हो चुके कस्बों में जीवन भी अब बंकरों तक सीमित हो गया है। जो कोई घर से बाहर कार्य के लिए निकलता है वह भी बंकरों के करीब ही कार्य करना पसंद करता है।

ऐसा इसलिए है क्योंकि जैसे ही आसमान में वे धुएं का सफेद गुबार देखते हैं तो बंकरों की ओर दौड़ पड़ते हैं। यह सफेद गुबार असल में वह धुआं होता है जो पाकिस्तानी तोपों के गोलों के छोड़ने से पैदा होता है।

हालांकि पाकिस्तानी गोलाबारी की आशंका को पहचानने के लिए करगिल कस्बे के लोगों ने और भी निशानियां रखी हुई हैं। लेकिन ऐसा भी नहीं है कि यह बंकर सभी को बचा पाते हों बल्कि वे कई इन गोलों की बरसात का शिकार हो जाते हैं जो बंकरों तक नहीं पहुंच पाते हैं और वे भी अपने आप को नहीं बचा पाते हैं जिनके बंकरों को कभी कभी तोप के गोल उड़ा देते हैं।

महाराष्ट्र की राजनीति में नया मोड़

एनसीपी के दोनों गुटों के विलय के बीच अहम भूमिकाओं को लेकर टकराव की आशंका

मुंबई, 30 मई (एजेंसियां)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन-सीपी) के दो धड़ों के बीच विलय को लेकर अटकलों के बढ़ने के साथ ही अजित पवार के खेमे के सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल जैसे प्रमुख नेता कथित तौर पर विलय के खिलाफ हैं। सूत्रों के अनुसार, दोनों नेताओं ने विलय होने की स्थिति में सत्ता के बंटवारे और पार्टी के प्रमुख पदों को लेकर अपनी चिंताएँ व्यक्त की हैं। विलय से प्रफुल्ल पटेल और सुप्रिया सुले के बीच प्रमुख केंद्रीय मंत्री पदों के लिए प्रतिद्वंद्विता शुरू हो सकती है, जबकि इस बात को लेकर सवाल उठ रहे हैं कि क्या जयंत पाटिल को मंत्री पद मिलेगा या वे राज्य अध्यक्ष के पद पर बने रहेंगे। आंतरिक मतभेदों के कारण प्रगति में बाधा उत्पन्न होने के

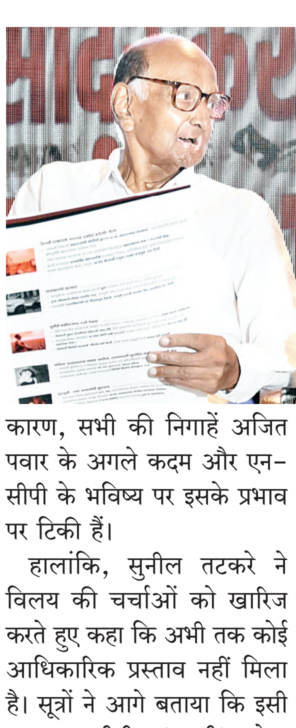

कारण, सभी की निगाहें अजित पवार के अगले कदम और एन-सीपी के भविष्य पर इसके प्रभाव पर टिकी हैं।

हालांकि, सुनील तटकरे ने विलय की चर्चाओं को खारिज करते हुए कहा कि अभी तक कोई आधिकारिक प्रस्ताव नहीं मिला है। सूत्रों ने आगे बताया कि इसी तरह एनसीपी (एसपी) नेता अनिल देशमुख ने भी स्पष्ट किया है कि विलय की चर्चाएं महज मीडिया की अटकलें हैं और पार्टी के भीतर इस पर विचार-विमर्श नहीं हुआ है। हाल ही में शरद पवार ने अपने खेमे में विभाजन को स्वीकार किया, जिसमें एक समूह विलय के पक्ष में था और दूसरा दक्षिणपंथी ताकतों से लड़ने के लिए इसका विरोध कर रहा था। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि अंतिम निर्णय सुप्रिया सुले जैसे युवा नेताओं के हाथ में होगा। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने अजित पवार गुट पर कटाक्ष करते हुए उनके विरोधाभासी रुख की ओर इशारा किया। उन्होंने टिप्पणी की कि वे शरद पवार को अपना नेता मानते हैं और एकता में रुचि दिखाते हैं, लेकिन वे विलय का विरोध करते हैं और मोदी की मुख्य दुकान के साथ-साथ अपनी छोटी दुकान को बनाए रखना पसंद करते हैं।

हाल ही में एक साक्षात्कार में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शरद पवार की दृढ़ता और कार्य नैतिकता की प्रशंसा की, जिससे यह अटकलें लगाई जा रही हैं कि एनसीपी के दो धड़ों के बीच विलय की बातचीत के बीच भाजपा वरिष्ठ पवार के प्रति अपना रुख नरम कर सकती है। हालांकि, महाराष्ट्र के महायुति गठबंधन में भी दरार देखी जा सकती है, जहां भाजपा विधायकों और मंत्रियों ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हालिया राज्य दौरे के दौरान कथित तौर पर उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के खिलाफ शिकायतें उठाई हैं। अपने गठबंधन के बावजूद, भाजपा नेताओं को इस बात की चिंता बढ़ रही है कि पवार का गुट पुणे, सांगली, पिंपरी-चिंचवाड़, परभणी, जालना और बीड जैसे प्रमुख जिलों में वर्तमान में भाजपा के वर्चस्व वाले स्थानीय स्वशासन निकायों पर नियंत्रण करने के लिए रणनीतिक रूप से पैंतरेबाज़ी कर रहा है।

'पहले आतंकवाद का खात्मा करो'

पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की 'शांति वार्ता' की इच्छा पर भारत की खरी-खरी

नई दिल्ली, 30 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर से जवाब के बाद पाकिस्तान के सुर बदले नजर आ रहे हैं। पाकिस्तानी पीएम शाहबाज शरीफ ने हाल ही में भारत के साथ शांति वार्ता की इच्छा जाहिर की है। इस मामले में भारत की तरफ से दो टूक जवाब सामने आया है। इस्लामाबाद को कड़ा संदेश देते हुए भारत ने गुरुवार को दोहराया कि पाकिस्तान के साथ बातचीत तभी संभव होगी जब वह सीमा पार आतंकवाद को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएगा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने हाल ही में कश्मीर, आतंकवाद, जल और व्यापार सहित सभी लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए भारत के

साथ शांति वार्ता करने की अपनी इच्छा व्यक्त की थी। इस पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को अपनी साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते।

जायसवाल ने यह बात तब कही जब उनसे तेहरान में शरीफ की भारत के साथ शांतिपूर्ण समझौता सुनिश्चित करने के संबंध में हाल की टिप्पणियों के बारे में पूछा गया था। बता दें कि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शरीफ ने इस सप्ताह की शुरुआत में तेहरान की यात्रा के दौरान कहा था कि वह कश्मीर, आतंकवाद, जल और व्यापार सहित कई विवादास्पद मुद्दों पर भारत के साथ बातचीत फिर से शुरू करना चाहेंगे।

जायसवाल ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत पाकिस्तान के साथ केवल पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को सौंपने और आतंकवाद के मुद्दे पर ही बातचीत करेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को उन आतंकवादियों को भारत को सौंपना होगा, जिनकी सूची हमने कुछ साल पहले उन्हें सौंपी थी।

सिंधु जल संधि की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर जायसवाल ने कहा कि जहां तक सिंधु जल संधि का सवाल है, यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन नहीं छोड़ देता। इससे पहले पीएम मोदी ने कहा था कि आतंकवाद और वार्ता एक साथ नहीं चल सकते। आतंक और व्यापार एक साथ नहीं चल सकते, साथ ही पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।

उत्तर प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में ऐतिहासिक सौगात मिली

बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा प्रदेश

कानपुर, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में शुक्रवार को एक नया इतिहास रचा गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कानपुर में प्रदेश को 44,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली तापीय विद्युत परियोजनाओं की सौगात दी। इन परियोजनाओं से प्रदेश में न सिर्फ 24.89 प्रतिशत उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी, बल्कि इससे औद्योगिक, कृषि और सामाजिक विकास को नई ऊर्जा मिलेगी। इन परियोजनाओं से प्रदेश की उत्पादन क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी, जो प्रदेश की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति में अहम योगदान देगा। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश अब ऊर्जा उत्पादन के क्षेत्र में केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि उत्पादक राज्य के रूप में उभर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की सौगात और योगी सरकार की सतत ऊर्जा नीति ने प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों की ओर अग्रसर किया है। आने वाले वर्षों में यह ऊर्जा विस्तार हर घर में रोशनी, हर खेत में बिजली और हर युवा को अवसर देने का आधार बनेगा।

इन तापीय परियोजनाओं के शुभारंभ से प्रदेश को बड़े लाभ होंगे। सबसे महत्वपूर्ण लाभ बिजली के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को लेकर होगा। 2017 तक उत्तर प्रदेश की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 15,916 मेगावाट थी। योगी सरकार ने इसे बढ़ाकर 24,868 मेगावॉट तक पहुंचा दिया है और इस वर्ष के अंत तक यह क्षमता 27,184 मेगावॉट हो जाएगी। सभी नई परियोजनाओं में सुपरक्रिटिकल तकनीक का उपयोग किया गया है, जिससे कम कोयले में ज्यादा बिजली बनती है। इससे कार्बन उत्सर्जन में उल्लेखनीय कमी आई है और पर्यावरण संरक्षण को बल मिला है।

इन परियोजनाओं से प्रदेश के राजस्व में भी उल्लेखनीय वृद्धि होगी। नई परियोजनाओं से उत्पादित बिजली का 75.11 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश में और 24.89 प्रतिशत असम को भेजा जाएगा। इससे प्रदेश को राजस्व प्राप्त होगा और ऊर्जा वितरण में संतुलन बनेगा। इसका लाभ हर वर्ग को मिलेगा। बिजली आपूर्ति की मजबूती से कृषि कार्यों, घरेलू उपभोक्ताओं और औद्योगिक इकाइयों को सीधा लाभ मिलेगा। सिंचाई सस्ती होगी, फैक्ट्रियों का उत्पादन बढ़ेगा और घरों में निर्बाध बिजली उपलब्ध होगी।

इन परियोजनाओं के निर्माण और संचालन से हजारों युवाओं को रोजगार मिला है। साथ ही इन परियोजना क्षेत्रों में सड़क, जल, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे आधारभूत ढांचे का भी विकास हो रहा है। आगामी 10 वर्षों के लिए योगी सरकार ने 10,795 मेगावाट तापीय ऊर्जा और 28,000 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन की व्यापक योजना बनाई है। इससे न केवल प्रदेश ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा, बल्कि यह राष्ट्रीय ऊर्जा आपूर्ति का एक मजबूत स्तंभ भी बनेगा।

दूसरी तरफ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कानपुरवासियों को मेट्रो परियोजना के विस्तार का भी बड़ा तोहफा दिया। 2,100 करोड़ से अधिक की लागत वाली यह परियोजना अब मोतीझील से कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन तक के 7 किलोमीटर लंबे नए कॉरिडोर को जोड़ेगी। इस मेट्रो विस्तार से नगर के प्रमुख बाजारों, कार्यालयों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में आवागमन सुगम हो जाएगा। इस नए सेक्शन में कुल 5 भूमिग मेट्रो स्टेशन शामिल होंगे जिनमें चुन्नीगंज, नवीन मार्केट, बड़ा चौराहा, नयागंज और कानपुर सेंट्रल हैं। यह रूट शहर के दिल से जुड़ते हुए व्यापारिक और परिवहन गतिविधियों के प्रमुख केंद्रों को जोड़ेगा। इनमें लाल इमली, जेड स्कायर मॉल, ग्रीनपार्क स्टेडियम, परेड मैदान, बुक मार्केट और सोमदत्त प्लाजा जैसे महत्वपूर्ण स्थान सीधे मेट्रो से जुड़ जाएंगे। मेट्रो के विस्तार से हजारों यात्रियों को ट्रैफिक जाम से मुक्ति मिलेगी और उनकी यात्रा अधिक आरामदायक, सुरक्षित और समयबचाऊ होगी। इसके साथ ही, मेट्रो संचालन से निजी वाहनों पर निर्भरता घटेगी, जिससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और वायु प्रदूषण नियंत्रित होगा। मेट्रो की तेज और नियमित सेवा से लोग कम समय में अधिक दूरी तय कर सकेंगे, जिससे ईंधन और खर्च में उल्लेखनीय बचत होगी। परियोजना से शहर की यातायात व्यवस्था को मजबूती मिलेगी और कानपुर को एक स्मार्ट शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में यह अहम भूमिका निभाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी से मिलकर भावुक हो गईं ऐशन्या

ऐसा लगा कि किसी बड़े ने सिर पर हाथ रख दिया

कानपुर, 30 मई (एजेंसियां)। पहलगाम हमले में शहीद शुभम द्विवेदी के परिजनों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुलाकात की। शहीद शुभम द्विवेदी की पत्नी ऐशन्या ने कहा, ऐसा लगा जैसे किसी बड़े ने सिर पर हाथ रख दिया हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करके मैं बहुत भावुक हो गई। मुलाकात के दौरान शुभम के पिता संजय द्विवेदी और मां सीमा भी मौजूद थीं। यह मुलाकात भावुक माहौल में हुई, जहां प्रधानमंत्री ने शहीद के परिवार को ढांढस बंधाया और उनके साहस और बलिदान को श्रद्धांजलि दी।

प्रधानमंत्री ने ऐशन्या से बातचीत करते हुए उनका हालचाल जाना और कहा कि देश को आपके पति पर गर्व है, उनका बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा। सरकार आपके साथ है। उन्होंने घटना पर गहरा दुःख भी जताया। मुलाकात के वक्त माहौल गमगीन हो गया और मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। परिजनों ने प्रधानमंत्री का आभार जताया और अपनी बात साझा की। प्रधानमंत्री से हुई इस मुलाकात को ऐशन्या ने एक आत्मीय और संबल देने वाला क्षण बताया। उन्होंने कहा कि देश के सबसे बड़े नेता का इस तरह आकर हालचाल पूछना उनके लिए गर्व और भावुकता से भरा पल था। ऐशन्या ने बताया कि पीएम मोदी ने आपरेशन सिंदूर अभी जारी रखने की बात कहीं है। साथ ही, आतंक के खिलाफ लड़ाई जारी रहने के लिए भी कहा।

डिफेंस कॉरिडोर के लिए आगरा, अलीगढ़ नोड को आगे ले जाने की तैयारी

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में डिफेंस कॉरिडोर परियोजना (यूपीडीआईसी) के अंतर्गत डिफेंस मैनुफैक्चरिंग फ्रेमवर्क स्थापित करने का काम जारी है। यूपीडीआईसी के आगरा और अलीगढ़ नोड में आंतरिक संरचनाओं के विकास की प्रक्रिया को धरातल पर उतारने का काम चल रहा है। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वेज औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) ने खाका तैयार किया है।

यूपीडा द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार, आगरा में 120.98 करोड़ की लागत से 123.13 हेक्टेयर तथा अलीगढ़ में फेज-2 के तहत 87.89 हेक्टेयर में 64.31 करोड़ रुपए खर्च कर आंतरिक संरचना का निर्माण व विकास किया जाएगा। इस प्रकार, दोनों नोड्स में कुल मिलाकर 12 महीने में 211.02 हेक्टेयर क्षेत्र में लगभग 185.30 करोड़ रुपए की लागत से निर्माण व विकास कार्यों को पूरा किया जाएगा। यूपीडा द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार, आगरा व अलीगढ़ में होने वाले आंतरिक संरचनाओं से जुड़े निर्माण व विकास कार्यों को ईपीसी मोड पर पूरा किया जाएगा।

प्रक्रिया के अंतर्गत आगरा में बड़े स्तर पर कार्य तो प्रस्तावित हैं ही, साथ ही अलीगढ़ में फेज-2 के कार्यों की भी शुरुआत होगी। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर (यूपीडीआईसी) डबल इंजन की सरकार की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जिसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है।

यह कॉरिडोर छह प्रमुख नोड्स-लखनऊ, कानपुर, झांसी, आगरा, अलीगढ़ और चित्रकूट में फैला हुआ है, जिन्हें उत्कृष्ट परिवहन नेटवर्क से जोड़ा गया है।

हाल ही में, लखनऊ में ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण इकाई का उद्घाटन हुआ है, जो 300 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित की गई है। इसके अलावा, अलीगढ़ नोड में भी हजारों करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव आकर्षित किए हैं, जिसमें ड्रोन और एडवांस्ड वारफेयर सिस्टम के निर्माण की परियोजनाएं शामिल हैं।

यूपीडा द्वारा तैयार की गई कार्ययोजना के अनुसार आगरा में तथा अलीगढ़ में फेज-2 के तहत होने वाले कार्यों में आंतरिक सड़कों, कई खंड की इमारतों समेत विभिन्न सुविधाओं का निर्माण व विकास होगा। इसमें 24 मीटर व 18 मीटर चौड़ी सड़कें, पुलिया, सड़क यातायात के साइन बोर्ड की स्थापना, फायर स्टेशन, गार्ड रूम, एंट्री गेट्स का निर्माण, पंप रूम, ओवरहेड टैंक, बोरवेल, जल निकासी प्रणाली, बाउंड्री वॉल के निर्माण, उत्तम प्रकाश व्यवस्था, विद्युतीकरण समेत विभिन्न प्रक्रियाओं को पूरा किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में औद्योगिक भूखंडों के आवंटन की स्कीम लाई यूपी सरकार

ग्रेटर नोएडा, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार ग्रेटर नोएडा में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए नई स्कीम लेकर आई है। सीएम योगी के विजन को मिशन मानकर ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण ने प्रक्रिया शुरू कर दी है। स्कीम के अंतर्गत गौतमबुद्ध नगर के ग्रेटर नोएडा स्थित इकोटेक, उद्योग केंद्र और उद्योग विहार समेत विभिन्न सेक्टर्स में कुल मिलाकर 40 औद्योगिक भूखंडों के आवंटन का मार्ग प्रशस्त होगा। इस स्कीम के अंतर्गत ग्रेटर नोएडा में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए भूखंड तलाश रहे आवेदनकर्ताओं के लिए 450 से लेकर 8000 स्क्वेयर मीटर के प्लॉट उपलब्ध होंगे। इनका रिजर्व प्राइस प्रति स्क्वेयर मीटर 28,600 से 33,950 के बीच निर्धारित है।

खास बात यह है कि इस स्कीम के अंतर्गत आवेदन करने वाले आवेदनकर्ता 242 केटेगरी के अंतर्गत औद्योगिक इकाई लगा सकेंगे। वहीं, डिस्टिलरी, पेट्रोकेमिकल्स, उर्वरक समेत 27 कैटेगरी के उद्योग इस स्कीम के पात्र नहीं होंगे। जबकि, डाई, ब्लीचिंग समेत 5 प्रकार के उद्योग को रिस्ट्रिक्टिव बेसिस पर औद्योगिक इकाई लगाने की स्वीकृति दी जा सकती है। इसके अतिरिक्त, एक अन्य स्कीम के अंतर्गत दादरी के पास मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना के लिए बल्क लैंड अलॉटमेंट प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा जिन 40 औद्योगिक प्लॉटों के आवंटन की स्कीम लायी गई है उनके अंतर्गत अगरबत्ती, हैंडीक्राफ्ट प्रोडक्ट से लेकर इलेक्ट्रिक कॉम्पोनेंट्स मैनुफैक्चरिंग इकाइयों की स्थापना होगी। इस स्कीम के अंतर्गत ब्रोशर डाउनलोड की प्रक्रिया शुरू हो गई है। रजिस्ट्रेशन दाखिल करने की अंतिम तिथि 16 जून, रजिस्ट्रेशन, ईएमडी व प्रोसेसिंग फीस जमा करने की अंतिम तिथि 18 जून तथा फाइनल सबमिशन की अंतिम तिथि 20 जून निर्धारित है। प्रक्रिया के अंतर्गत, ग्रेटर नोएडा के इकोटेक-11, इकोटेक-3, उद्योग केंद्र एक्सटेंशन-1, इकोटेक-1 एक्सटेंशन, इकोटेक-2, उद्योग विहार एक्सटेंशन, इकोटेक-6 ब्लॉक बी तथा इकोटेक-10 में औद्योगिक भूखंड आवंटन के लिए उपलब्ध हैं। भू-आवंटन को ई-ऑक्शन प्रक्रिया के जरिए पूरा किया जाएगा। अधिक जानकारी के लिए ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण तथा निवेश मित्र की साइट को देखा जा सकता है।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा गौतमबुद्ध नगर में दादरी के समीप मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना के लिए बल्क लैंड अलॉटमेंट प्रक्रिया शुरू की गई है। इसके लिए स्कीम लायी गई है जिसके अंतर्गत इंटर मोडल कंटेनर टर्मिनल, कार्गो हैंडलिंग यार्ड, मैकेनाज्ड वेयरहाउस, स्पेशलाइज्ड कोल्ड स्टोरेज, लॉजिस्टिक्स और कार्गो टर्मिनल बिजनेस, कस्टम क्लियरेंस, फ्रेट फॉर्वर्डिंग सर्विस और ट्रांसपोर्टेशन जैसी सर्विसेस की स्थापना हो सकेगी। सेक्टर कप्पा-2 के प्लॉट नंबर-1 पर इन सर्विसेस की स्थापना के लिए स्कीम लायी गई है। इसके अंतर्गत 174.12 एकड़ क्षेत्र में विभिन्न सुविधाओं की स्थापना का मार्ग प्रशस्त होगा। उल्लेखनीय है कि यह जेवर एयरपोर्ट के समीप है तथा ईस्टर्न व वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जुड़ा हुआ है जिससे यह उत्तम रोड व एयर कनेक्टिविटी को सुनिश्चित करता है।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना के लिए स्कीम के अंतर्गत 11 हजार रुपए प्रति स्क्वेयर मीटर लैंड अलॉटमेंट रेट निर्धारित किया गया है।

यहां लॉजिस्टिक्स पार्क की स्थापना करने वाली पात्र इकाइयों को मल्टी मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क (एमएमएलपी) पॉलिसी-2024 के अंतर्गत विशेष लाभ मिलेंगे। यहां इकाई स्थापना के लिए प्रक्रिया शुरू हो चुकी है जो 23 जून 2025 तक जारी रहेगी। 1200 करोड़ का निवेश करने के साथ ही लॉजिस्टिक्स सेक्टर में कार्य करने के विए 10 वर्षों का अनुभव रखने वाले डेवलपर ही स्कीम के अंतर्गत पात्र होंगे

मुरादाबाद में यूपी निर्यात वृद्धि अभियान का शुभारंभ

निर्यातकों के लिए सुनहरा अध्याय बनेगा अभियान

मुरादाबाद, 30 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम (यूपीएसआईसी) और इंडिया एसएमई फोरम के संयुक्त प्रयास से उत्तर प्रदेश निर्यात वृद्धि अभियान की शुरुआत की गई। यह अभियान राइजिंग एंड एक्सलरेटिंग एएसएमई परफर्मेंस योजना के तहत क्रियान्वित किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य राज्य के 500 सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सशक्त बनाना है। यह विशेष रूप से हस्तशिल्प, हथकरघा और होम डेकोर क्षेत्रों में पहली बार निर्यातक बनने में सहायता प्रदान करने पर केंद्रित है।

यह अभियान एक समग्र क्षमतावर्धन कार्यक्रम है, जो एमएसएमई की निर्यात क्षमता को साकार करने के लिए एक तीन-चरणीय संरचित प्रक्रिया अपनाता है। इसमें व्यावहारिक प्रशिक्षण

और व्यक्तिगत मेंटरशिप, उत्पाद विकास, पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन, अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़ाव और खरीदार डाटा तक पहुंच, ई-कॉमर्स मंचों का उपयोग और वैश्विक प्रदर्शनियों में भागीदारी तथा पहली बार निर्यातकों के लिए सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने में सहायता प्रमुख हैं। उत्तर प्रदेश निर्यात वृद्धि अभियान का लक्ष्य नवाचार, स्थिरता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार एक एमएसएमई इकोसिस्टम तैयार करना है। यह कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय व्यापार का गहन समझ देने के साथ-साथ एक मजबूत बायर-सेलर नेटवर्क तैयार करने में मदद करेगा, जिससे राज्य में आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बल मिलेगा।

कार्यक्रम में प्रमुख सचिव (एमएसएमई) आलोक कुमार ने एमएसएमई क्षेत्र को मिल रही अभूतपूर्व प्राथमिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आप किसी भी ऐसे विकसित देश को देखेंगे जिसने 25-30 वर्षों में तेज़ी से प्रगति की है, वहां दो मुख्य स्तंभ देखने को मिलते हैं- पहला, उन्होंने निर्यात के क्षेत्र में अद्भुत प्रगति की है, और दूसरा, उनका एमएसएमई क्षेत्र अत्यंत सक्रिय और जीवंत रहा है। ये दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। वहीं, यूपीएसआईसी के प्रबंध निदेशक राज कमल यादव ने कहा कि हम एक मजबूत और सहायक इकोसिस्टम बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि हमारे उद्यमी वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा कर सकें। इस अवसर पर इंडिया एसएमई फोरम के अध्यक्ष विनोद कुमार ने कहा कि एमएसएमई राज्य के कुल निर्यात में लगभग 45 प्रतिशत का योगदान करते हैं। जैसे ही डी2सी और ई-कॉमर्स निर्यात के नए अवसर खुलते हैं, यूपी के एमएसएमई को दुनिया के सामने अपनी रचनात्मकता दिखाने का अवसर मिलता है।

मुरादाबाद के होटल हॉलिडे रिजेंसी में आयोजित इस शुभारंभ कार्यक्रम में निर्यात को बढ़ावा देने हेतु इकोसिस्टम और वैश्विक प्रतिस्पर्धी निर्यात को सक्षम बनाना, विषय पर पैनल सत्र आयोजित किए गए, जिनमें डीजीएफटी, एक्जिम बैंक, इंडिया पोस्ट, ईपीसीएच और शिप ग्लोबल के विशेषज्ञों ने उपयोगी जानकारी साझा की। यह लॉन्च कार्यक्रम एमएसएमई को विशेषज्ञों और सरकारी प्रतिनिधियों से संवाद, नेटवर्किंग और हैंड होल्डिंग सहायता प्रदान करने का एक उत्कृष्ट मंच रहा। कार्यक्रम में प्रमुख सचिव (एमएसएमई एवं निर्यात विभाग) आलोक कुमार तथा उत्तर प्रदेश लघु उद्योग निगम के प्रबंध निदेशक राज कमल यादव समेत अन्य वरिष्ठ अधिकारी व पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

शहरों में श्रमिकों के लिए बनेंगे सुविधा केंद्र और श्रमिक सराय

लखनऊ, 30 मई (एजेंसियां)। श्रमिकों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने की दिशा में योगी योगी सरकार ने एक और बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में राज्य सरकार डॉ. भीमराव अंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र और विश्वकर्मा श्रमिक सराय योजना जैसी अभिनव योजनाओं के माध्यम से न सिर्फ श्रमिकों की दैनिक समस्याओं को हल करने जा रही है, बल्कि उन्हें गरिमा और सुविधा के साथ जीने का अवसर भी प्रदान कर रही है।

योगी सरकार ने तय किया है कि प्रथम चरण में राज्य के 17 नगर निगम क्षेत्रों और नोएडा व ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण क्षेत्र में डॉ. भीमराव अंबेडकर श्रमिक सुविधा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इन केंद्रों को श्रमिकों के लिए एक वन-स्टॉप समाधान केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां उन्हें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, पंजीकरण सुविधा, सरकारी योजनाओं की जानकारी, और आवश्यक सेवाएं मिलेंगी। बीते दिनों श्रम विभाग ने सीएम योगी के समक्ष इन योजनाओं का विस्तृत खाका पेश किया। इन केंद्रों के माध्यम से योगी सरकार का लक्ष्य है कि असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को योजनाओं से जोड़ने में तेजी लाई जाए, ताकि कोई भी श्रमिक सरकारी लाभों से वंचित न रहे।

प्रदेश में प्रवासी निर्माण श्रमिकों की संख्या बड़ी है जो काम की तलाश में एक शहर से दूसरे शहर जाते रहते हैं। इनकी रातें अक्सर फुटपाथ या असुरक्षित स्थानों पर गुजरती हैं। ऐसे में योगी सरकार की विश्वकर्मा श्रमिक सराय योजना प्रवासी श्रमिकों के लिए ट्रांजिट हॉस्टल के रूप में राहत लेकर आ रही है। इन सरायों में स्वच्छ शौचालय, स्नानगृह, क्लॉक रूम और अस्थायी आवास की सुविधा होगी, जिससे श्रमिक न केवल सुरक्षित रह सकेंगे बल्कि अगली सुबह नए काम की तलाश में बेहतर ढंग से निकल सकेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ श्रमिक कल्याण को लेकर गंभीर हैं और कई मौकों पर उन्होंने कहा है कि राज्य का निर्माण करने वाले श्रमिकों को सुविधाएं देना हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। उनकी इसी सोच का परिणाम है कि यूपी में पहली बार श्रमिकों के लिए इस तरह के स्थाई ढांचे की योजना बनाई जा रही है, जो श्रमिकों के जीवन में वास्तविक परिवर्तन ला सके। राज्य सरकार का लक्ष्य है कि भविष्य में इन योजनाओं का विस्तार हर नगर क्षेत्र और बड़े औद्योगिक क्षेत्रों तक किया जाए, ताकि कोई भी श्रमिक सुविधाओं से वंचित न रहे।

संपादकीय

'सिंदूर' की सियासत

पाक परस्त आतंकवाद और 'ऑपरेशन सिंदूर' पर खूब सियासत हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी शहर-शहर जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। खूब तालियां और नारेबाजी बटोर रहे हैं। विपक्ष और खासकर कांग्रेस साररूप में 'ऑपरेशन सिंदूर' और मोदी सरकार की विदेश नीति को नाकाम करार दे रही है। विपक्ष की व्याख्या है कि मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत अकेला रहा, जबकि पाकिस्तान के साथ चीन, तुर्किये, अजरबैजान आदि देश सक्रिय रूप से जुड़े रहे। विपक्ष सेना के शौर्य, पराक्रम और प्रहारों की प्रशंसा कर रहा है, लेकिन सरकार को हर स्तर पर नाकाम आंक रहा है। सरकार और सेना को विभाजित कैसे किया जा सकता है? सेना भी सरकार का ही हिस्सा है और राजनीतिक नेतृत्व के निर्देश पर ही काम करती है। क्या कांग्रेस, तृणमूल, सपा, शिवसेना (उद्धव) और वामपंथी दल इसीलिए संसद के विशेष सत्र की मांग कर रहे हैं, ताकि उनके सवालों पर विमर्श को केंद्रित किया जा सके और वे शब्द संसदीय रिकॉर्ड में दर्ज किए जा सकें? ताकि विपक्ष प्रधानमंत्री समेत सत्ता-पक्ष की घेराबंदी कर सके? बेशक हम संसद के आपातकालीन सत्र के खिलाफ नहीं हैं, संसद लोकतंत्र का अंतिम और निर्णायक मंच है, लेकिन उस सत्र से देश को हासिल क्या होगा? विपक्ष वही सवाल संसद में भी दोहरा सकता है, जो अब भी कर रहा है और मीडिया में खूब छप रहे हैं और टीवी चैनलों पर चिल्ल-पौं भी जारी है। ऐसी ही सियासत के लिए संसद सत्र हररोज नहीं बुलाए जा सकते। मॉनसून सत्र एक माह दूर ही है। संसद सत्र की कार्यवाही पर करोड़ों रुपए खर्च होते हैं। 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी जारी है। बहुत से निष्कर्ष अभी हासिल किए जाने हैं। बेशक विपक्ष के विरोध का केंद्र प्रधानमंत्री मोदी ही हैं और विरोध के मद्देनजर फर्जी नेरेटिव भी गढ़े जा रहे हैं। सत्ता-पक्ष 1947-48 के दौर में तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरु की ऐतिहासिक गलतियों को दोहराएगा और बाद में प्रधानमंत्री रहीं इंदिरा गांधी की नाकामियों को भी गिनाएगा। आखिर इतिहास पर रोने-धोने से देश को हासिल क्या होगा? देश के सामने अर्द्धसत्य ही आएंगे, क्योंकि उस दौर की पीढ़ी तो लगभग दिवंगत हो चुकी है। इतिहास पूर्वाग्रहों पर आधारित हैं। दरअसल आज नेहरु-इंदिरा के नाम पर वोट भी नहीं मिलते। सवाल है कि एक सशस्त्र ऑपरेशन चलाने, आतंकियों के 9 प्रमुख अड्डे मिट्टी-मलबा कर देने और 172 आतंकियों को ढेर कर देने के निष्कर्ष के तौर पर चंद सवाल ही पूछे जा रहे हैं कि देश को क्या मिला? क्या आतंकवाद खत्म हो गया? क्या हाफिज सईद, मसूद अजहर सरीखे खूंखार आतंकी सरगनाओं को भारत को सौंपने की शर्त तय हुई है? यह सब कुछ अनर्गल है। बहरहाल सियासत के प्रतीक के तौर पर अब 'सिंदूर' मिल गया है। भाजपा भी घर-घर जाकर महिलाओं को उपहार के तौर पर 'सिंदूर' बांटेगी। क्या सिंदूर कोई भी, किसी भी समय, बांट सकता है अथवा यह वैवाहिक रस्मों की एक पवित्र प्रक्रिया है? भाजपा ने 9 जून से एक माह का राष्ट्रीय अभियान शुरू करना तय किया है। इस तारीख पर, बीते वर्ष 2024 को, प्रधानमंत्री मोदी ने लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। उसी की सालगिरह मनाई जा रही है। मोदी पहली बार 26 मई, 2014 को देश के प्रधानमंत्री बने थे। उन्होंने यह तारीख गुजरात की जनता के साथ साझा की है। अब 'सिंदूर' ऐसा प्रतीक भाजपा के हाथ लगा है कि वह देश की जनता को सेना, युद्ध और आतंकवाद के आधार पर भावुक बना सकती है, लिहाजा पार्टी के पक्ष में एक राजनीतिक ध्रुवीकरण भी हो सकता है। भाजपा का नया जनाधार भी तैयार हो सकता है।

विपक्ष की व्याख्या है कि मोदी सरकार के नेतृत्व में भारत अकेला रहा, जबकि पाकिस्तान के साथ चीन, तुर्किये, अजरबैजान आदि देश सक्रिय रूप से जुड़े रहे। विपक्ष सेना के शौर्य, पराक्रम और प्रहारों की प्रशंसा कर रहा है, लेकिन सरकार को हर स्तर पर नाकाम आंक रहा है। सरकार और सेना को विभाजित कैसे किया जा सकता है? सेना भी सरकार का ही हिस्सा है और राजनीतिक नेतृत्व के निर्देश पर ही काम करती है। क्या कांग्रेस, तृणमूल, सपा, शिवसेना (उद्धव) और वामपंथी दल इसीलिए संसद के विशेष सत्र की मांग कर रहे हैं, ताकि उनके सवालों पर विमर्श को केंद्रित किया जा सके और वे शब्द संसदीय रिकॉर्ड में दर्ज किए जा सकें? ताकि विपक्ष प्रधानमंत्री समेत सत्ता-पक्ष की घेराबंदी कर सके? बेशक हम संसद के आपातकालीन सत्र के खिलाफ नहीं हैं, संसद लोकतंत्र का अंतिम और निर्णायक मंच है, लेकिन उस सत्र से देश को हासिल क्या होगा? विपक्ष वही सवाल संसद में भी दोहरा सकता है

आप का नजरिया

जबरिया छुट्टी पर

विचित्र परिस्थितियों में आहूत हिमाचली व्यवस्था का चरित्र, तीन वरिष्ठ अधिकारियों पर हुई कार्रवाई से समझा जा सकता है। यह असाधारण परिदृश्य है जहां कानून व्यवस्था के जिम्मेदार ओहदे प्रश्नांकित होकर मंच से हटाए जा रहे हैं। कारण ढूंढे नहीं गए, खुद इन अधिकारियों ने पैदा किए और अगर कसूर को इंगित किया जा रहा है, तो सभी ने नौकरी के शपथपत्र, दायित्व की आचार संहिता और सरकार की परिपाटी को नजरअंदाज किया है। आश्चर्य यह कि संपूर्ण व्यवस्था के नाम पर तीनों अधिकारियों ने अपने व्यवहार को निचली पायदान पर लाकर नेगी मौत प्रकरण को ही खड़ा नहीं किया, बल्कि सरकार के लिए भी छवि के प्रश्न और मंशा के उत्तरदायित्व को आशंकित किया। न ओंकार शर्मा इतने भोले थे कि सीधे अदालत तक अपनी रिपोर्ट का परचम ले गए और न ही डीजीपी अतुल वर्मा उस रिपोर्ट में अगंभीर दिखे जो अपने ही विभाग के दूसरे अधिकारी से भिन्न दस्तावेज पेश कर रहे थे। अदालत के बाहर मीडिया की कचहरी सजा देने का तात्पर्य और निष्कर्ष जिस भूमिका तक पहुंच गए, वहां आदर्शों की होली जलाकर रावण कहां जला। जाहिर है पुलिस विभाग को गुल्ली-डंडा बनाने वालों को परिदृश्य से हटाया गया और यह भी कि सरकार और गृह सचिव के बीच बिगड़ते अर्थों की जांच ने, एक आला अधिकारी के नाम कार्रवाई लिख दी। सभी अधिकारी करियर के शानदार दौर में या तो किसी मुगालते में थे या विमल नेगी मौत प्रकरण की जांच के खुद ही कसूरवार बन गए। फिलहाल अवकाश पत्र पर इन्हें मौजूदा पद से चलता किया जा रहा, लेकिन इस अस्थायी एक्शन को स्थायी परिमाण में आते ही पता चलेगा कि किसे कितनी सजा मिली। हम एक नए डीजीपी के रूप में इंतजार की कसौटी को किसी नए पुरुषार्थ में देख पाएंगे या जाते हुए अतुल वर्मा एक खराब अध्याय बनकर रह जाएंगे। यहां सवाल 'बिल्लो के बदनाम' होने का न हो, लेकिन इससे पहले भी डीजीपी रहे शख्स की विदाई में भी आरोपों के कांटे रहे हैं। ओंकार शर्मा क्या जबरिया अवकाश के बाद वही ओंकार शर्मा रहेंगे या सचिवालय की सीढियां उनके लिए बदल जाएंगी। संजीव गांधी की पृष्ठभूमि के उजाले क्या प्रेस कान्फ्रेंस के अंधेरों से बाहर आएंगे या यह पुलिस अधिकारी अब बाबू बन जाएगा। जो भी हो, सरकार ने कानून व्यवस्था की अपनी व्याख्या में तीनों अधिकारियों को तो तहखाने में डाल दिया, लेकिन नेगी मौत प्रकरण के रहस्यों की खान में छुपे कुछ अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की प्रतीक्षा जारी है। मसला जांच के तरीके व अदालत के निर्देश के बाद सीबीआई तक क्यों पहुंचा, इससे भी आगे अब नई तफ्तीश के हर पहलू में संज्ञान बताएगा कि नेगी मौत प्रकरण से जुड़े विषय आदमखोर क्यों बने। सीबीआई अपनी फाइलों में जांच भरने से पहले दिल्ली में एफआईआर दर्ज करके, इसकी व्यापकता के अर्थ बता रही है। इधर हिमाचल में पुलिस के मनोबल को फिर से आकाशीय पारी तक ले जाने की जिम्मेदारी सरकार की है। आश्चर्य यह कि पावर कारपोरेशन की गलियों में फंसी बदनामी के भूत पुलिस ने ओढ़ लिए और एक अनावश्यक खींचतान में मामला कहीं और घूम गया। आरोपों की नुमाइश में खड़े ये तीनों अधिकारी अपनी प्रतिभा, संभावना और दक्षता क्यों गंवा बैठे, इसके ऊपर भी गंभीरता से विचार करना होगा। क्यों शिमला में पुलिस मुख्यालय या सचिवालय बदनाम होने लगा है। क्या राजधानी की संस्कृति में विभागीय निष्पक्षता, मौलिकता, प्रतिबद्धता, अनुशासन और पारदर्शिता पर आंच आने की वजह से ये अधिकारी शहीद हो गए या नौकरशाही से अफसरशाही तक नकेल डालने की अनिवार्यता नजरअंदाज होने लगी है। अंततः मुन्नी बदनाम हुई है, तो किसकी खातिर।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस- 30 मई, 2025

हिन्दी पत्रकारिता को व्यवसाय नहीं, मिशन बनाना होगा

ललित गर्ग

पत्रकारिता की न केवल आजादी के संघर्ष में बल्कि उससे पूर्व के गुलामी की बेड़ियों में जकड़े राष्ट्र की संकटपूर्ण स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, नये बनते भारत में यह भूमिका अधिक महसूस की जा रही है, क्योंकि तब से आज तक समाज की आवाज़ उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसका योगदान अविस्मरणीय रहा है। हिंदी पत्रकारिता या स्थानीय पत्रकारिता, लोगों को उनकी भाषा में जानकारी उन तक पहुँचाता है और देश भर में ज्ञान के व्यापक प्रसार को सुगम बनाता है।

भारत में हिन्दी पत्रकारिता की न केवल आजादी के संघर्ष में बल्कि उससे पूर्व के गुलामी की बेड़ियों में जकड़े राष्ट्र की संकटपूर्ण स्थितियों में महत्वपूर्ण भूमिका रही है, नये बनते भारत में यह भूमिका अधिक महसूस की जा रही है, क्योंकि तब से आज तक समाज की आवाज़ उठाने, सत्ता से सवाल पूछने और जनभावनाओं को मंच देने में इसका योगदान अविस्मरणीय रहा है। हिंदी पत्रकारिता या स्थानीय पत्रकारिता, लोगों को उनकी भाषा में जानकारी उन तक पहुँचाता है और देश भर में ज्ञान के व्यापक प्रसार को सुगम बनाता है। हर साल 30 मई को हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है, दरअसल दो शताब्दी पूर्व ब्रिटिशकालीन भारत में जब तत्कालीन हिन्दुस्तान में दूर दूर तक मात्र अंग्रेजी, फ़ारसी, उर्दू एवं बांग्ला भाषा में अखबार छपते थे, तब देश की राजधानी "कलकत्ता" से हिन्दी भाषा में 'उदन्त मार्तण्ड' के नाम से पहला हिन्दी समाचार पत्र वर्ष 1826 को छपा था। पंडित जुगल किशोर शुक्ल ने इसे साप्ताहिक के तौर पर शुरू किया था। इसके प्रकाशक और संपादक भी वे खुद थे। भले ही अब यह समाचार पत्र बंद हो गया है, लेकिन इसने हिंदी पत्रकारिता के सूर्य को उदित कर दिया था जो आज भी देदीप्यमान है। उन्नीसवीं शताब्दी के अंत और बीसवीं शताब्दी के प्रारंभ में हिंदी के अनेक दैनिक समाचार पत्र निकले जिनमें हिन्दुस्तान, भारतोदय, भारतमित्र, भारत जीवन, अभ्युदय, विश्वमित्र, आज, प्रताप, विजय, वीर अर्जुन आदि प्रमुख हैं। बीसवीं शताब्दी के चौथे-पांचवें दशकों में अमर उजाला, आर्यावर्त, नवभारत टाइम्स, नई दुनिया, जागरण, पंजाब केसरी, नव भारत आदि प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र सामने आए। लोकतंत्र में मीडिया चौथे स्तंभ के रूप में खड़ा है, पत्रकारिता एक ऐसा माध्यम है जिसके माध्यम से हम देश की वर्तमान स्थिति से अवगत रहते हैं। पत्रकार अथक परिश्रम करते हैं, ताकि समाचार हमारे घर तक तुरंत पहुंचे। चाहे अखबारों के जरिए हो, टीवी चैनलों के जरिए हो या सोशल मीडिया के व्यापक प्रभाव के जरिए, नित-नये बनते एवं बदलते समाज में पत्रकारिता की शक्ति को कम करके नहीं आंका जा सकता। यह हमारे दृष्टिकोण को व्यापक बनाने और सूचित संवाद को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हिन्दी पत्रकारिता में क्रांतिकारिता का रंग गणेश शंकर विद्यार्थी ने भरा था। उन्होंने उत्तर प्रदेश के कानपुर शहर से 9 नवंबर 1913 को 16 पृष्ठ का 'प्रताप' समाचार पत्र शुरू किया था। यह काम शिव नारायण मिश्र, गणेश शंकर विद्यार्थी, नारायण प्रसाद अरोड़ा और कोरोनेशन प्रेस के मालिक यशोदा नंदन ने मिलकर किया था। शिव नारायण मिश्र और गणेश शंकर विद्यार्थी ने 'प्रताप' को अपनी कर्मभूमि बना लिया। विद्यार्थीजी के समाचार पत्र प्रताप से क्रांतिकारियों को काफी बल मिला। मुंशी प्रेमचंद महान लेखक-कहानीकार होने के साथ-साथ हिन्दी के क्रांतिकारी एवं जुझारू पत्रकार थे, उनकी पत्रकारिता भी क्रांतिकारी थी, लेकिन उनके पत्रकारीय योगदान को लगभग भूला ही दिया गया है। जंगे-आजादी के दौर में उनकी पत्रकारिता

ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध ललकार की पत्रकारिता थी। वे समाज की कुरीतियों एवं आडम्बरों पर प्रहार करते थे तो नैतिक मूल्यों की वकालत भी करते थे। मेरा सौभाग्य है कि मैं राजस्थान के यशस्वी पत्रकार स्व. श्रीरामस्वरूप गर्ग के पुत्र होने के नाते विरासत में पत्रकारिता के मूल्यों को आत्मसात करने का मौका मिला। उन्होंने 1936 एवं उसके बाद के दौर में 'राष्ट्रवाणी' एवं 'परिवर्तन' जैसी पत्रिकाओं का प्रकाशन एवं सम्पादन किया। वे राजस्थान के प्रतिष्ठित दैनिक नवज्योति के साप्ताहिक रूप में निकले प्रारंभिक अंकों के सम्पादक रहे। इसका प्रारंभ पण्डित जवाहरलाल नेहरू के निजी सचिव रहे श्री रामनारायण चौधरी ने किया था। आज जबकि हिन्दी देश एवं दुनिया में सर्वाधिक बोली एवं प्रयोग की जाने वाली तीसरी भाषा बन चुकी है, ऐसे में सहज ही हिन्दी पत्रकारिता का मूल्य बढ़ा है। निस्संदेह, सजग, सतर्क और निर्भीक हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाकर सत्ताधीशों को राह ही दिखाता है। अकबर इलाहाबादी ने इसकी ताकत एवं महत्व को इन शब्दों में अभिव्यक्ति दी है कि 'न खींचो कमान, न तलवार निकालो, जब तोप हो मुकाबिल तब अखबार निकालो।' उन्होंने इन पंक्तियों के जरिए हिन्दी पत्रकारिता को तोप और तलवार से भी शक्तिशाली बता कर इनके इस्तेमाल की बात कह गए हैं। अर्थात कलम को हथियार से भी ताकतवर बताया गया है। पर खबरनवीसों की कलम को तोड़ने, उन्हें कमजोर करने एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को निस्तेज करने के लिए बुरी एवं स्वार्थी ताकतें सत्ता, तलवार और तोप का इस्तेमाल कर रही हैं। लेकिन तलवार से भी धारदार कलम इसीलिये इतनी प्रभावी है कि इसकी वजह से बड़े-बड़े राजनेता, उद्योगपतियों और सितारों को अर्श से फर्श पर आना पड़ा। हिन्दी पत्रकार एवं पत्रकारिता कई संकटों का सामना कर रहे हैं- संघर्ष और हिंसा, आतंक एवं अलगाव, साम्प्रदायिकता एवं अंधधार्मिकता, युद्ध एवं राजनीतिक वर्चस्व, गरीबी एवं बेरोजगारी, लगातार सामाजिक-आर्थिक असमानताएँ, पर्यावरणीय संकट और लोगों के स्वास्थ्य और भलाई के लिए चुनौतियाँ आदि जटिलतर स्थितियों के बीच हिन्दी पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका है। लोकतंत्र, कानून के शासन और मानवाधिकारों को आधार देने वाली संस्थाओं पर गंभीर प्रभाव के कारण ही यह भूमिका महत्वपूर्ण है। बावजूद इसके हिन्दी पत्रकारिता की स्वतंत्रता, पत्रकारों की सुरक्षा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर लगातार हमले हो रहे हैं। कभी-कभी भारत में हिन्दी पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर सख्त पहरे जैसा भी प्रतीत होता है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। जबकि बड़ी सचाई है कि इन्हीं पत्रकारों के बल पर हमें आजादी मिली है। पत्रकारिता लोकहित में सरकार को कदम उठाने का रास्ता सुझाती रहती है, इसीलिए उसकी विश्वसनीयता होती है। मगर सरकारें जब उसके मूल स्वभाव को ही बदलने का प्रयास करती हैं, तो उसकी विश्वसनीयता पर प्रहार करती हैं। ऐसे में पत्रकारिता लोकतंत्र का चौथा स्तंभ न होकर प्रचारतंत्र में तब्दील होने लगती है। पत्रकारिता आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक विसंगतियों को दूर करने में मदद करती है। उसका लाभ उठाने के बजाय अगर उसका गला घोटने का प्रयास होगा, तो सही अर्थों में विकास का दावा नहीं किया जा सकता, नया भारत-सशक्त भारत निर्मित नहीं किया जा सकता। अगर कोई सरकार सचमुच उदारवादी और लोकतांत्रिक होगी, तो वह आलोचना से कुछ सीखने का प्रयास करेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी हिन्दी पत्रकारिता के प्रति हमारे अविश्वसनीय समर्थन को दोहराने की बात कही है जो लोकतंत्र के लिए बेहद जरूरी है।' हिन्दी पत्रकारिता कभी मिशन था, आज व्यवसाय बन गया है। आजादी के आंदोलन तक मिशन रहा। धीरे-धीरे इसमें व्यापारी आने लगे। औद्योगिक घराने उतर गए। इनका उद्देश्य समाज सेवा नही रहा, व्यापार हो गया। ये व्यापार करने लगे। वह छापने लगे जिससे इन्हें लाभ हो। डिजिटल युग में टीआरपी और व्यूज़ ही सफलता का पैमाना बन गए हैं। गंभीर पत्रकारिता की जगह सनसनीखेज खबरें, गॉसिप, और 'डिबेट तमाशों' ने ले ली है। तथ्य की जगह धारणा, विश्लेषण की जगह उत्तेजना, और संवाद की जगह शोर ने कब्जा कर लिया है। एंकर शोर मचाकर चीखकर पाठकों को आकर्षित करन में लगे हैं। हिन्दी पत्रकारिता ऐसी अनेक चुनौतियों एवं विसंगतियों का सामना कर रही है। बीते कुछ वर्षों में पत्रकारिता का स्तर चिंताजनक रूप से गिरा है, जबकि पत्रकारों की प्रसिद्धि, प्रभाव और पहुंच पहले से कहीं अधिक बढ़ी है। यह विरोधाभास क्यों? पत्रकार बड़े होते जा रहे हैं, पर पत्रकारिता एवं उसके मूल्य-मानक क्यों सिकुड़ रहे है? आज फेसबुक पत्रकार, न्यूज पोर्टल चलाने वाले पत्रकार, यूट्यूब चैनल चलाने वाले पत्रकारों की देश में बाढ़ सी आ गई है। टीवी पत्रकारिता का वर्चस्व बढ़ रहा है, बड़े एवं बहु-संस्करणों के दैनिक अखबार भी तेजी से बढ़ रहे हैं। आन लाइन समाचार पत्रों की रोज गिनती बढ़ती जा रही है। जिसे देखो पत्रकारिता कर रहा है। इतना सब होने के बावजूद पिछले कुछ साल में खबर एवं हिन्दी पत्रकारिता की विश्वसनीय घटी है। पत्रकारिता का स्तर गिरा है। पत्रकार का सम्मान घटा है। पहले माना जाता कि अखबार में छपा है तो सही होगा, किंतु मीडिया में आई खबर की आज कोई गारंटी देने को तैयार नहीं। पहले हिन्दी पत्रकारिता वैचारिक-क्रांति होती थी, आज खबर प्रधान बन गयी है, विचार लुप्त है। हिन्दी पत्रकारिता दिवस मनाना तभी सार्थक होगा जब उसे व्यवसाय नहीं, मिशन के तौर पर नये व्यक्ति, नये समाज, नये राष्ट्र का प्रेरक बनायेंगे।

देश दुनिया से

जीवन हो सतरंगा

आज का जमाना शुद्ध मार्केटिंग का जमाना है। हर कंपनी कुछ न कुछ बेचने के प्रयास में लगी है। न कंपनी होना गलत है और न अपना माल बेचना। समस्या यह है कि लगभग हर जगह अधूरा सच बताकर, गलत सूचना देकर, या जानबूझकर जानकारी छुपाकर बेचने की कोशिश नजर आती है। भावनाओं का दोहन करके अनावश्यक रूप से आवश्यकताएं गढ़कर सामान बेचा जा रहा है। हमें वो वस्तुएं और सेवाएं खरीदने के लिए ललचाया जा रहा है जिनकी हमें आवश्यकता ही नहीं है। बच्चों, किशोरों और युवाओं को ही नहीं, महिलाओं तक को इस कमजोरी का शिकार बनाया जा रहा है। परिणाम यह है कि हमारा खर्च बढ़ता जा रहा है, घरों के बजट गड़बड़ा रहे हैं और बजट का संतुलन बनाए रखने के लिए हम या तो अत्यधिक व्यस्त और भागदौड़ वाला जीवन जी रहे हैं या फिर मानसिक परेशानियां झेलने के लिए विवश हैं। इन सबका परिणाम है कि हम अक्सर अवसर चूक जाने के डर, पीछे रह जाने के डर, अपराधबोध, पछतावा, तनाव, चिंता और अवसाद आदि के शिकार होकर जीवन बर्बाद कर रहे हैं। भारतीय समाज का सामान्य वातावरण ऐसा है कि यहां मानसिक समस्याओं के बारे में ज्यादा बातचीत नहीं होती, इस मामले में हम पश्चिमी समाज की तरह जागरूक नहीं हैं। अक्सर तो लोगों का पता ही नहीं होता कि वे मानसिक समस्याओं से जूझ रहे हैं और अगर कुछ महसूस भी होता हो तो इस बारे में किसी को बताने का कोई लाभ नहीं नजर आता क्योंकि समस्या की जड़ तक जाए बिना फालतू की सलाहें या ताने मिलने शुरू हो जाते हैं। ऐसे में व्यक्ति चुप्पी साधकर खुद में ही सीमित हो जाता है, परिवार से भी कट जाता है और नशे का शिकार हो जाता है, अपराध की दुनिया में चला जाता है या अपने जीवन को समाप्त करने का कदम उठा लेता है। मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का यही महत्व है। मानसिक स्वास्थ्य, दरअसल, मानसिक कल्याण की एक स्थिति है, जो लोगों को जीवन की मुश्किलों से निपटने, अपनी क्षमताओं का एहसास करने, हालात से सबक लेने, अच्छी तरह से काम करने और अपने समुदाय के लिए योगदान करने में सक्षम बनाती है। यही कारण है कि मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिए सतत प्रयत्न की आवश्यकता है। मानसिक समस्याएं और विकार हमें कई तरीकों से कमजोर बना देते हैं, इसलिए मानसिक समस्याओं पर बात करना आज की अनिवार्य आवश्यकता हो गया है। सच्चाई यह है कि कुछ सामान्य नियमों का पालन करें तो एक भी पैसा खर्चे बिना हम अपने मानसिक विकारों से छुटकारा पा सकते हैं। प्रकृति ने हमारे शरीर को एक संपूर्ण आत्मनिर्भर यंत्र बनाया है, लेकिन इसकी खूबियों से परिचित न होने के कारण ही हम आधा-अधूरा जीवन जीने पर विवश हैं। जिस प्रकार एक बीज में पूरा वृक्ष छिपा होता है, वैसे ही हमारा शरीर भी संभावनाओं का खजाना है। इन संभावनाओं को समझना और उन्हें पल्लवित-विकसित होने का अवसर देना ही हमारे जीवन का उद्देश्य है। अगर हम इतनी सी बात समझ लें और उस पर अमल करें तो हमारा जीवन सतरंगा हो जाता है, खुशी के रंगों से भर जाता है, जीवन संगीत हो जाता है, सार्थक हो जाता है। इसमें जो सबसे बड़ी खूबी है वो यह है कि जीवन को सतरंगा बनाने के लिए विशेष भागदौड़ की आवश्यकता नहीं है, दिन-रात परेशान रहने की आवश्यकता नहीं है। दरअसल मामूली सी समझ, मामूली से अनुशासन और मामूली से प्रयत्न से ही यह संभव हो जाता है कि हम मनचाहा जीवन जी सकें, स्वास्थ्य का, समृद्धि का और खुशियों का आनंद ले सकें। जब संवेदनशीलता, सहृदयता और प्रेम की भावना हमारे स्वभाव की प्रकृति बन जाए, जब यह किसी रिश्ते तक ही सीमित न हो, जब यह हमारा व्यक्तित्व हो जाए तो हम पेड़ों के प्रति, पशु-पक्षियों के प्रति, कीट-पतंगों के प्रति और मानव मात्र के प्रति सहृदय हो जाते हैं, हमारा मन हर किसी के लिए प्रेम से भर जाता है, और तब हम अपनी सहृदयता के बदले में या अपने प्रेम के बदले में कुछ नहीं चाहते। जब ऐसा हो जाता है तो जीवन स्वर्ग हो जाता है। दरअसल, हमें अपनी सफलता के पैमाने को फिर से परिभाषित करने की आवश्यकता है। हमने अपने पद और वेतन को सफलता का पैमाना मान लिया है, हमने अपने पद या समृद्धि के कारण आई ताकत को सफलता का पैमाना मान लिया है, जबकि हमारी सफलता हमारे स्वास्थ्य, हमारी समृद्धि, हमारे रिश्तों, हमारे खाली समय, अपनी नौकरी या व्यवसाय के प्रति हमारे नजरिये, सीखते रहने की आदत और समाज में हमारे योगदान पर निर्भर करती है। प्रकृति में झांकें तो हम पाते हैं कि मछली को तैरने के लिए प्रयत्न नहीं करना पड़ता, वह अनायास तैरती रहती है। उसी तरह हमारी इच्छाओं की पूर्ति सहज में अनायास ही हो जाना संभव है, अगर हम प्रकृति के इस नियम को समझ लें कि जीवन में जो हो रहा है हम उसे बिना किसी शिकायत के स्वीकार करें और अपनी स्थिति के लिए, अपने हालात के लिए खुद को जिम्मेदार मानें, खुद जिम्मेदारी लें और बात-बेबात बहस में पड़े बिना हर स्थिति और घटना का निष्पक्ष होकर अवलोकन करें।

कुछ अलग

तरक्की से भूख की ओर

लोग खुश थे कि देश तरक्की कर गया है। यहां इस खुशी को बढ़ाने वाले बहुत से बाजार थे। एक बाजार में तो शेयर बेचे और खरीदे जाते हैं। उन बाजारों में खुशी खुलती है। सरकार की पैसा लगाने वाली नीतियों के बारे में कोई और टैक्स छूट या राहत की घोषणा के साथ उनका दिल बल्लियों उछलने का सामां हो जाता है। ऐसे बाजारों की खबर अखबारों में छपती है। रोज सुबह वे अगर आसमां छू लें, तो अट्टालिकायें आकाश छूने लगती हैं। गिर कर धराशायी हो जायें तो इन प्रासादों की बत्तियां बुझ जाती हैं। लेकिन इन आंकड़ों का कोई संबंध फुटपाथी लोगों से नहीं होता। उनसे पूछने जाओ तो वे शायद इन शेयर प्रमाणपत्रों को पहचानें भी नहीं। वे तो अपने राशन कार्डों को पहचानते हैं, जिनका रंग कभी बदल कर पीला और फिर बढ़ती भीड़ के कारण न चलने पर काला हो जाता है। इन लोगों की जिंदगी आधार कार्ड की पहचान और खैराती कार्ड के एहसास के बीच लटकी रहती है। उन्हें भला इन शेयर प्रमाणपत्रों से क्या लेना? गांवों से शहरों में पेट की आग बुझाने और अपने परिवारों को जिंदा रखने के लिए आए कामगारों के हुजूम वापस अपने गांवों का रुख करते हैं, दूसरे शहरों का नहीं। जी हां, वही कामगार जो अच्छे दिनों की तलाश में कभी इन शहरों में आए थे, कि यहां उन्हें भरा हुआ टिफिन मिलेगा, और उनके बच्चे को भरी हुई पुस्तकों का बस्ता। यही उनके वे 'अच्छे दिन' थे कि जिनका वायदा उनसे हर वर्ष तिरंगा फहराने के साथ लाल किले की प्राचीर से किया जाता था। तिरंगा फहराता रहा, लोग भावुक होकर चिल्लाते रहे, 'झंडा ऊंचा रहे हमारा।' आंकड़ा शास्त्रियों ने सदा इस देश भक्त भाषण को दुलराया। देश जागरूकता और विकास की राह पर लौट गया है, सरकारी विज्ञप्तियों ने हमें बताया है। शेयर मार्किटों के सूचकांक उछल कर नए शिखर छूने लगे हैं। गोता लगाती हुई विकास दर न केवल तल पर लौटी बल्कि एक नए ज्वार का शुबहा पैदा कर रही है। सूचकांक कहते हैं, विकास दर की उछाल सम्पन्न पुराने दिनों को वापस ला रही है। इंटरनेट के रोजगारों को देखो, नौकरियां अधिक और काम करने वाले कम हैं। कार बाजारों में जाकर देख लो, छोटी कारों की बिक्री आशातीत बढ़ रही है। बेकारी की वृद्धि दर में कमी आई है। महंगाई का शोर मचाने वालो, तनिक देखो तो। अब न तो परचून कीमतों के सूचकांक, और न ही थोक कीमतों का उछाल इतना भयावह लगता है। लगता है तरक्की के आंकड़े गिरावट मुक्त हो गए। जल्द ही आर्थिक तोडफ़ोड़ की मरम्मत कर दी जाएगी। देश अच्छे दिन आने के सपनों की लीक पर लौट आएगा। स्वप्नजीवी लोग उत्सवधर्मी हो रहे हैं।

दृष्टि कोण

सरकारी टूरिज्म को प्रोफेशनल बनना पड़ेगा

हिमाचल प्रदेश में पर्यटन आकर्षण की दृष्टि से आने वाले घरेलु और विदेशी सैलानियों/पर्यटकों का आंकड़ा साल दर साल बढ़ रहा है। वैसे भी इंडियन हैप्पीनेस इंडेक्स-2025 के अनुसार हिमाचल प्रदेश को भारत का सबसे खुशहाल राज्य घोषित किया गया है तो दूसरे राज्यों के लोग क्यों नहीं खुशहाल हिमाचल को नजदीक से देखना पसंद करेंगे। अधिकतर पर्यटक हिमाचल में आध्यात्मिक, प्राकृतिक, धरोहर (हेरिटेज) और साहसिक गतिविधियों में शामिल होकर आनंदित होते हैं तो अनेकों भक्तजन अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति हेतु शक्तिपीठों, देवस्थलों, प्राचीन मंदिरों में दर्शन की भावना लेकर नतमस्तक होते हैं। हिमाचल के चप्पे-चप्पे पर प्रकृति की अनुपम छटा बिखेरे यहां की नदियां, खड्डें, पहाड़, जंगल और दर्रे पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। साहसिक क्रियाकलापों में रुचि रखने वाले पर्यटकों के लिये रॉक क्लाइंबिंग, माउंटेन बाइकिंग, पैराग्लाइडिंग, आइस स्केटिंग, ट्रेकिंग, रीवर राफ्टिंग और हेली-स्कीइंग आदि जैसी गतिविधियों में काफी गुंजाइश है। ऐसी संभावना है कि इस वित्तीय वर्ष में हिमाचल घूमने आने वाले घरेलु पर्यटकों का आंकड़ा 2 करोड़ के आंकड़े को पार कर लेगा। लिहाजा ये अनिवार्य हो जाता है कि इतनी बड़ी संख्या में आने वाले पर्यटकों को ठहरने, खाने और घूमने के लिए पर्याप्त सुविधाएं मिलें। हिमाचल प्रदेश में पर्यटन विकास को गति देने के लिए हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास निगम का गठन साल 1972 में एक उत्प्रेरक, ट्रेंडसेटर और प्रमुख प्रेरक के रूप में कार्य करने वाली एजेंसी के रूप में किया गया था। पर्यटन विकास निगम की राज्य में होटलों और रेस्टोरेंट की एक बड़ी श्रृंखला है। वर्तमान में एचपीटीडीसी के पास 55 होटल हैं और इन होटलों में 1 हजार 111 कमरे हैं जिनमें बढ़ोत्तरी की आवश्यकता है। हिमाचल पर्यटन विकास निगम 64 रेस्टोरेंट और कैफे भी संचालित कर रहा है। इतना सब होने के बावजूद पिछले लंबे समय से निगम को हो रहा आर्थिक नुकसान सरकार के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। निगम के 35 होटल घाटे में चल रहे हैं। पर्यटन विकास निगम के सिर्फ 20 होटल ही फायदा दर्शा रहे हैं। हाल ही में पर्यटन निगम ने अपने होटलों के रेनोवेशन के साथ ही अब टेक्निकल स्टाफ और शेफ की तैनाती करने की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। लेकिन अधिकांश पदों पर आउटसोर्स एजेंसियों से मामूली मानदेय/वेतन पर कर्मचारियों की नियुक्तियां/भर्तियां ऐसे कर्मचारियों का शोषण ही मानी जानी चाहिए, क्योंकि महंगाई के इस दौर में भला 10-12 हजार रुपयों में कोई कैसे अपना और अपने परिवार का पालन पोषण कर सकता है। मैंने स्वयं देखा है कि किस प्रकार से एचपीटीडीसी का मेहनती स्टाफ कर्मचारियों की कमी के बावजूद निगम की साख को बनाए रखने के लिए दिनरात पर्यटकों की आवभगत में तत्पर रहता है। ऐसे कर्मचारियों को सम्मानित करना निगम का कत्तव्य बनता है, वहीं सरकार को चाहिए कि एचपीटीडीसी में अनुत्पादक सेवाओं में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों की फौज की छंटनी करे। यह खुशी की बात है कि हिमाचल पर्यटन निगम ने पिछले ढाई साल में अपने टर्नओवर में वृद्धि की है। 2021-22 में निगम का टर्नओवर 78 करोड़ था जो वित्तीय वर्ष 2024-25 में बढक़र 107 करोड़ पहुंच गया है। दूसरे अब सेंट्रल बाइंग यूनिट (सीवीयु) के तहत खरीददारी करने का निर्णय लिया गया है। चूंकि हर साल 30 से 40 करोड़ की खरीददारी होती है और पहले यही खरीददारी होटल के मैनेजर करते थे, लिहाजा बल्क परचेज से भी विभाग को कुछ बचत होगी। इसे लेकर पर्यटन निगम और खाद्य आपूर्ति विभाग के बीच समझौता भी हुआ है। हिमाचल प्रदेश पर्यटन निगम ऑफ सीजन में अपने होटलों में 20 फीसदी से लेकर 40 फीसदी तक डिस्काउंट भी देता है ताकि निगम के होटल पर्यटकों को आकर्षित कर सकें। सरकार को चाहिए कि वह शिमला स्थित होटल पीटर हॉफ की सेवाओं को भी पर्यटकों के लिए उपलब्ध करवाए और होटल हॉलिडे होम के कमरों के किराए में कुछ कमी लाए। इसमें कोई दो राय नहीं हो सकती है कि पर्यटन निगम के होटलों में अच्छा खाना परोसा जाता है। यह प्रसन्नता का विषय है कि हमारी सरकारों ने अपनी नीतियों और निर्णयों के जरिए हिमाचल प्रदेश को पर्यटन के क्षेत्र में प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में सतत प्रयास किए हैं। पर्यटकों की सुविधाओं को बढ़ाने और युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए सरकार ने फूड वैन की खरीद पर 30 फीसदी उपदान देने का निर्णय लिया है। साथ ही, मुख्यमंत्री पर्यटन स्टार्टअप योजना के तहत होम स्टे इकाइयों को प्रोत्साहित करने के लिए एक नई योजना भी शुरू की गई है। इस पहल से स्थानीय युवाओं को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे।

रूस बोला-रूस-भारत-चीन को मिलकर फिर से शुरू करना होगा त्रिगुट

मॉस्को, 30 मई (एजेंसियां)।

दुनिया की बड़ी और प्रमुख ताकतों में रूस-भारत और चीन को गिना जाता है। ये तीनों देश मिलकर दुनिया में अपनी ताकत दिखा सकते हैं। शायद इसी के मद्देनजर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने रूस-भारत-चीन (आरआईसी) प्रारूप के ढांचे के भीतर गतिविधियों को फिर से शुरू करने में रुचि दिखाई है। उन्होंने कहा कि यूराल पर्वतों के पर्म शहर (जहां यूरोप की सीमा एशिया से लगती है) में यूरेशिया में सुरक्षा और सहयोग की एक समान और समतापूर्ण प्रणाली बनाने पर एक अंतरराष्ट्रीय सामाजिक और राजनीतिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए लावरोव ने ये बातें कहीं। उन्होंने ये बातें ऐसे वक्त पर कही हैं, जब ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को सैन्य समर्थन देने की वजह से भारत और चीन के संबंधों में एक बार फिर से तल्खी देखने को मिल रही है। लावरोव ने कहा, मैं त्रिमूर्ति - रूस, भारत, चीन - के प्रारूप के भीतर जल्द से जल्द काम को फिर से शुरू करने में वास्तविक रुचि की पुष्टि करना चाहता हूं। इस त्रिगुट को कई साल पहले (पूर्व रूसी प्रधान मंत्री) येवगेनी प्रिमाकोव की पहल पर स्थापित किया गया था और जिसने तब से 20 से अधिक बार मंत्रिस्तरीय स्तर पर बैठकें आयोजित की हैं। ये बैठकें न केवल विदेश नीति प्रमुखों के स्तर पर, बल्कि तीनों देशों की आर्थिक, व्यापार और वित्तीय एजेंसियों के प्रमुखों के स्तर पर भी हो चुकी हैं। पर्म में लावरोव ने जोर देकर कहा, आज तक, जैसा कि मैं समझता हूं, भारत और चीन के बीच सीमा पर स्थिति को कैसे आसान बनाया जाए, इस पर एक समझ बन गई है, और मुझे लगता है कि इस आरआईसी तिकड़ी के पुनरुद्धार का समय आ गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि नाटो भारत को चीन विरोधी साज़िशों में फंसाने की खुलेआम कोशिश कर रहा है। लावरोव ने कहा, मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है कि हमारे भारतीय मित्र, और मैं यह उनके साथ गोपनीय बातचीत के आधार पर कह रहा हूं, स्पष्ट रूप से इस प्रवृत्ति को देखते हैं जिसे वास्तव में एक बड़ी उकसावे के रूप में माना जा सकता है। जून 2020 में गलवान संकट के बाद पहली बार आरआईसी तिकड़ी एक जगह जमी हुई थी। हालांकि, अक्टूबर 2024 में रूस के कज़ान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच द्विपक्षीय बैठक को एक नरमी के रूप में देखा गया था, जब दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने की जरूरतों को रेखांकित किया था।

पश्चिम की नीति लड़ाने वाली रही है - कुछ दिनों पहले भी लावरोव ने कहा था कि पश्चिमी देश भारत और चीन को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा कर रहे हैं। उन्होंने कहा था, एशिया-प्रशांत क्षेत्र के हालिया घटनाक्रमों पर गौर करें, जिसे पश्चिम ने अपनी नीति को स्पष्ट रूप से चीन विरोधी रुझान देने के लिए हिंद-प्रशांत क्षेत्र कहना शुरू कर दिया है-इस उम्मीद के साथ भी कि इससे हमारे महान मित्रों और पड़ोसी देशों भारत व चीन के बीच टकराव पैदा किया जा सकेगा। चीन के बढ़ते प्रभाव से निपटने के लिए स्थापित चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) के मुखर आलोचक लावरोव ने ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका के सैन्य गठबंधन एयूकेयूएस के गठन के बाद इसकी आलोचना कम कर दी है। क्वाड में भारत, अमेरिका, जापान और अमेरिका शामिल हैं। लावरोव ने कहा कि पश्चिमी देश एशिया में आसियान (दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) की भूमिका को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। उन्होंने कहा कि पश्चिमी सहयोगी दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह यहां भी प्रभावशाली भूमिका में आना चाहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

रेत के तूफान में फंसी पाकिस्तानी फ्लाइट, बाल-बाल बची

करांची। बीती 24 मई को कराची से लाहौर जा रहा एक विमान रेत के तूफान में फंस गया। यह विमान दुर्घटना का शिकार होने से बाल-बाल बचा। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। लाहौर के अल्लामा इकबाल अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की कोशिश के दौरान विमान के अंदर भारी उथल-पुथल मच गई। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ये विमान निजी एयरलाइन फ्लाई जिन्ना का था। लाहौर में उतरने की कोशिश करते समय यह तेज हवाओं में फंस गया, जिससे इसकी दृश्यता कम हो गई और विमान में उथल-पुथल मच गई। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने कराची से लाहौर जा रही फ्लाइट के पायलट से लैंडिंग की कोशिशें रोकने को कहा। पायलट को मजबूरन वापस लौटकर कराची की ओर उड़ान भरनी पड़ी। ऑनलाइन शेयर की गई फुटेज में दिखाया गया है कि कैसे फ्लाइट एफएल 842 के यात्रियों को विमान के रेत के तूफान में फंसने के बाद लोग घबरा गए और तनाव में आ गए। कुछ लोग अपनी सीटों पर टिके हुए थे, जबकि कुछ लोग प्रार्थना करते हुए नजर आए।

कैंसर से बचाव में किस तरह महत्वपूर्ण साबित हो सकते टेलोमेयर

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने कैंसर से बचाव से जुड़ी एक नई प्रक्रिया खोजी है, जो टेलोमेयर नामक

संरचनाओं पर केंद्रित है। टेलोमेयर गुणसूत्रों (क्रोमोसोम) के सिरे पर मौजूद सुरक्षात्मक आवरण होते हैं, जो कोशिकाओं को कैंसर से बचाने में मदद कर सकते हैं। टेलोमेयर उम्र बढ़ने और कैंसर रोकने में महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं। उम्र बढ़ने के साथ, ये धीरे-धीरे छोटे होते हैं। जब टेलोमेयर बहुत छोटे हो जाते हैं, वे कोशिकाओं को विभाजन रोकने का संकेत देते हैं। यह एक प्राकृतिक सुरक्षा प्रक्रिया है, जो कैंसर को फैलने से रोकती है। रिपोर्ट के अनुसार, यह जानकारी एक अध्ययन में सामने आई है। शोधकर्ता वैज्ञानिक के अनुसार, हमारे डेटा से पता चलता है कि टेलोमेयर बहुत ज्यादा सक्रिय होते हैं। वे स्ट्रेस पर तुरंत प्रतिक्रिया दे सकते हैं और उम्र बढ़ने जैसी दिखने वाली सेलुलर प्रतिक्रिया को शुरू कर देते हैं। वे ऐसा कैंसर से बचने के लिए करते हैं। शोध में, यह समझने का प्रयास किया कि टेलोमेयर कैंसर से बचाव में सक्रिय भूमिका कैसे निभाते हैं। यह अध्ययन एक पत्रिका में प्रकाशित हुआ है। अधिकतर लोग मानते हैं कि टेलोमेयर सिर्फ निष्क्रिय रूप से छोटे होते जाते हैं। लेकिन हमारा शोध बताता है कि वे सक्रिय रूप से कोशिकाओं की सुरक्षा भी करते हैं। टेलोमेयर कोशिका चक्र को रोककर या कोशिकाओं को खुद से मरने के लिए प्रेरित करके, उन कोशिकाओं को नष्ट करने में मदद करते हैं, जिसमें गुणसूत्र क्षतिग्रस्त हो जाते हैं। खोज से टेलोमेयर का एक नया कैंसर-रोधी कार्य सामने आया है, जो पहले ज्ञात नहीं था। इस खोज से कैंसर के नए उपचारों की राह खुल सकती है। यदि टेलोमेयर को लक्षित कर कैंसर कोशिकाओं को नष्ट कराया जाए, तब यह एक प्रभावी उपचार रणनीति बन सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2022 में करीब 2 करोड़ नए कैंसर मामलों का पता चला और 97 लाख लोगों की इस बीमारी से मृत्यु हुई।

भारत की ब्रह्मोस मिसाइल का करिश्मा देख आश्चर्यचकित हुई दुनिया, बढ़ी मांग

कीव। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत ने अपनी ब्रह्मोस मिसाइल का करिश्मा दिखाया है। ब्रह्मोस ने जो कहर

पाकिस्तान में बरपाया, उसकी ताकत देखकर भारत ही नहीं, रूस के दुश्मन भी डरे हुए हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ब्रह्मोस मिसाइल को भारत और रूस ने मिलकर डेवलप किया था। यूक्रेन के पास पहले से ही अमेरिका की एटीएसीएमएस, ब्रिटेन और फ्रांस की स्टॉर्म शैडो जैसी लंबी दूरी की मिसाइलें हैं। इनका इस्तेमाल अब तक सिर्फ यूक्रेन की सीमा में रूसी ठिकानों पर हो रहा था। लेकिन जर्मनी के ताजा फैसले ने यूक्रेन को रूस के अंदर हमला करने की ताकत दी है। एटीएसीएमएस मिसाइलें 300 किलोमीटर तक मार कर सकती हैं, जबकि स्टॉर्म शैडो 250 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक सटीक निशाना लगाती हैं। टॉरस मिसाइल, जो यूक्रेन को नहीं मिली, वह 481 किलो ग्राम के वॉरहेड के साथ दुश्मन के बंकरों और रडार स्टेशनों को तबाह कर सकती है। रूस में इसे पी-800 ओनिक्स के नाम से जाना जाता है। सटीक हमलों से ब्रह्मोस मिसाइल गेम चेंजर साबित हुआ है। यही कारण है कि यूक्रेन और उसका समर्थन करने वाले पश्चिमी देशों की सांसें अटक गई हैं। यूक्रेन को डर है कि रूस भी ब्रह्मोस जैसी ताकत से वैसी ही तबाही मचा सकता है, जैसी पाकिस्तान में हुई है। पिछले तीन साल से रूस के साथ जंग में उलझा यूक्रेन अपने सहयोगियों से हथियारों के लिए गिड़गिड़ा रहा है।

न्यूयॉर्क में 9/11आतंकी हमले के नायक पूर्व पुलिस कमिश्नर बर्नार्ड केरिक का 69 वर्ष की आयु में निधन

न्यूयॉर्क , 30 मई (एजेंसियां)।

संयुक्त राज्य अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में 9/11(11 सितंबर, 2001) के आतंकवादी हमले के समय के नायक पूर्व पुलिस कमिश्नर बर्नार्ड बी. केरिक नहीं रहे। उन्होंने गुरुवार को 69 वर्ष की आयु में अंतिम सांस ली। उनके जीवन का कुछ हिस्सा विवादों में रहा। इस वजह से उन्हें जेल की हवा भी खानी पड़ी। उन्हें 11 सितंबर को वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमलों के समय की गई जवाबी कार्रवाई के लिए नायक के रूप में सम्मानित किया गया। बाद में संघीय भ्रष्टाचार और कर अपराधों में दोषी ठहराए जाने के बाद उनकी प्रतिष्ठा पर आंच आई। खबर के अनुसार, एफबीआई के निदेशक काश पटेल ने एक्स पोस्ट में केरिक की मृत्यु की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूर्व पुलिस अधिकारी कुछ समय से बीमार थे। कराटे में ब्लैक बेल्ट, मुंडा सिर और उभरी हुई बाइसेप्स वाले एक आत्मविश्वासी हाई स्कूल ड्रॉपआउट, केरिक ने 1993 के मेयरल अभियान के दौरान गिउलिआनी के अंगरक्षक रहे। इसके बाद रुडोल्फ डब्ल्यू. गिउलिआनी के शिष्य के रूप में वरिष्ठ सार्वजनिक पदों पर पहुंचे।

साल अगस्त 2000 में उन्हें न्यूयॉर्क शहर का पुलिस कमिश्नर नियुक्त किया गया। तब उनके पास कॉलेज की डिग्री नहीं थी। इस वजह से उनकी नियुक्ति के लिए प्रशासन की आलोचना भी ही। बाद में उन्होंने 2002 में डिग्री हासिल की। केरिक की न्यूयॉर्क पर आतंकी हमले के समय की भूमिका से प्रभावित होकर महारानी

एलिजाबेथ द्वितीय ने ब्रिटिश साम्राज्य के कमांडर के रूप में नियुक्ति दी।

पुलिस विभाग से विदा होने के बाद केरिक ने पूर्व मेयर की फर्म गिउलियानी पार्टनर्स के लिए सुरक्षा सलाहकार के रूप में काम करके लाखों डॉलर कमाए। बाद में केरिक ने अपनी खुद की परामर्श फर्म स्थापित की। उन्होंने जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय, गुयाना के राष्ट्रपति भरत जगदेव और संयुक्त अरब अमीरात के शासक परिवार को सलाह दी। हाल ही में वह कतर में राजशाही के सुरक्षा सलाहकार थे।

2003 में इराक पर आक्रमण के बाद तत्कालीन राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश ने केरिक को उस देश के अंतरिम प्राधिकरण के लिए आंतरिक मंत्री नियुक्त किया। उन्होंने हजारों पुलिस अधिकारियों की भर्ती की और अपहरणकर्ताओं और विद्रोहियों का पीछा करने के लिए एक स्वाट टीम का गठन किया। 2004 में राष्ट्रपति ने उन्हें होमलैंड सुरक्षा विभाग का प्रमुख नियुक्त किया था, लेकिन एक सप्ताह बाद ही उन्हें हटा दिया गया।

साल 2020 में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने केरिक को पूर्ण क्षमा प्रदान किया। केरिक ट्रंप के आखिर तक कट्टर समर्थक बने रहे। पिछले महीने ही केरिक ने शिकायत की थी कि राष्ट्रपति ट्रंप के राजनीतिक दुश्मन उन पर हमला करने और उन्हें चुप कराने के लिए कानून और उसे लागू करने वाली एजेंसियों का बार-बार इस्तेमाल कर रहे हैं।

बर्नार्ड बेली केरिक का जन्म 04 सितंबर, 1955 को नेवार्क में हुआ था। वह फोर्ड मोटर कंपनी के मशीनिस्ट डोनाल्ड आर. केरिक के ज्येष्ठ पुत्र थे। उनके दादा यूक्रेन से पेंसिल्वेनिया आए थे। यहां वह कोयला खनिक बन गए।

उनकी मां पेट्रीसिया जोआन (बेली) केरिक, आयरिश-अमेरिकी थीं। केरिक का पालन-पोषण पैटरसन एन.जे. में हुआ। उन्होंने ईस्ट साइड हाई स्कूल में पढ़ाई की, लेकिन 1972 में पढ़ाई छोड़ दी। 1974 में वे सेना में भर्ती हुए और दक्षिण कोरिया में सैन्य पुलिस में सेवा की।

राजतंत्र वापसी की मांग को लेकर काठमांडू में दूसरे दिन भी प्रदर्शन

काठमांडू,30 मई (एजेंसियां)।

नेपाल में राजतंत्र की पुनर्स्थापना को लेकर शुरू हुआ प्रदर्शन आज शुक्रवार को दूसरे दिन भी जारी है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के नेतृत्व में काठमांडू के माइतीघर में प्रदर्शन किया गया।

गणतंत्र दिवस के दिन से ही देश में गणतंत्र व्यवस्था के विरोध में आरपीपी का अनिश्चितकालीन प्रदर्शन शुरू हुआ है। गुरुवार को काठमांडू के रत्नपार्क में हुआ था। आज यह प्रदर्शन माइतीघर में हो रहा है। इस प्रदर्शन आरपीपी के अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन सहित सभी बड़े नेता सहभागी हो रहे हैं। प्रदर्शन के दौरान लोग राजसंस्था की पुनर्बहाली और हिन्दू राष्ट्र घोषित करने को लेकर नाराबाजी कर रहे हैं। प्रदर्शन के कारण उस क्षेत्र में ट्रैफिक व्यवस्था पर प्रभाव पड़ा है। जिला प्रशासन ने प्रदर्शन को देखते हुए **सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।**

गुरुवार के प्रदर्शन में 10 हजार से अधिक समर्थकों के उपस्थिति से राजतंत्र समर्थक काफी उत्साहित हैं। वहीं इनके प्रदर्शन के विरोध में सत्तारूढ़ दल नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के तरफ से भी उसी स्थान पर, लेकिन अलग समय में प्रदर्शन किया गया, जिसमें महज कुछ सौ लोग ही मौजूद थे।

इसे लेकर प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने राजतंत्र समर्थकों के प्रदर्शन का विरोध करने के लिए एक सार्वजनिक अपील की थी। पूरी पार्टी ने काठमांडू की सड़कों पर अपने समर्थक उतरने के लिए जोड़ लगाया, लेकिन राजा समर्थकों की भीड़ के आगे सतारूढ़ दल के नेताओं की एक न चल पाई। आरपीपी की प्रवक्ता खुशबू ओली ने कहा कि सतारूढ़ दल के तरफ से भिड़ंत करने की पूरी तैयारी थी, लेकिन हमारी संख्या के आगे वो टिक नहीं पाए और खुद ही सड़क छोड़ कर चले गए। उनका कहना है कि शुक्रवार के प्रदर्शन के दौरान कल से भी अधिक भीड़ जमा होने वाली है।

विदेशी एजेंडा और सेना के प्रहार के बीच मिलने लगे बांग्लादेश में तख्तापलट के संकेत

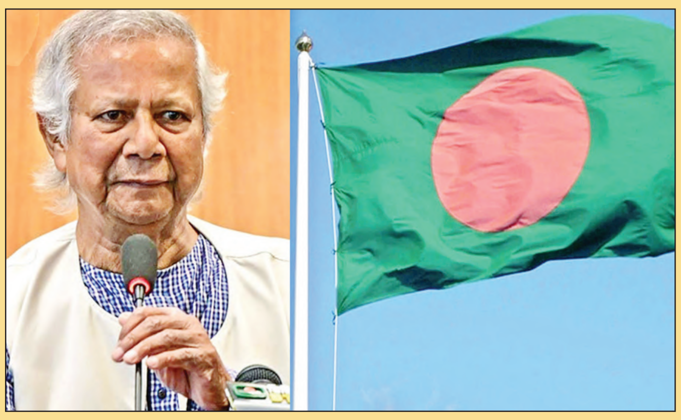

क्या बांग्लादेश में तख्तापलट होने वाला है शेख हसीना का अचानक एक्टिव होना क्या मैसेज दे रहा है अंतरिम सरकार चला रहे मोहम्मद यूनुस पर सत्ता छोड़ना नहीं चाहते। अमेरिका-चीन रोज नई चालें चल रहे हैं। इस बीच बांग्लादेश के आर्मी चीफ जनरल वाकर-उज-जमान ने यूनुस को अल्टीमेटम दे दिया है, 2025 के अंत तक चुनाव कराओ या सत्ता छोड़ो। आखिर भारत की चेतावनी सच साबित हो रही है। इस टकराव की जड़ में है युनुस का प्रस्तावित रखाइन कॉरिडोर, एक गलियारा जो कॉक्स बाजार से म्यांमार के राखाइन प्रांत तक जाता है। अमेरिका इस कॉरिडोर को मानवीय मदद का रास्ता बता रहा है, लेकिन सेना इसे 'ब्लडी कॉरिडोर' कह रही है। जनरल वाकर के अनुसार, यह बांग्लादेश की संप्रभुता पर हमला है और देश को म्यांमार के सैन्य शासन व उग्रवादी संगठनों के साथ संघर्ष में झोंक सकता है। सूत्रों के मुताबिक, बिना जनता के जनादेश के सरकार चला रहे युनुस चीन, पाकिस्तान और अमेरिका के साथ गहरे सामरिक समझौते करना चाहते हैं। यहां तक कि उन्होंने भारत के संवेदनशील सिलीगुड़ी कॉरिडोर के पास लालमनिरहाट एयरबेस चीन को सौंपने का संकेत भी दिया है।

ट्रंप का टैरिफ बहाल, ट्रेड कोर्ट के फैसले पर संघीय अपील न्यायालय ने रोक लगाई

वाशिंगटन, 30 मई (एजेंसियां)।

वाशिंगटन डीसी की एक संघीय अपील न्यायालय ने गुरुवार को यूएस कोर्ट ऑफ इंटरनेशनल ट्रेड के तीन जजों के पैनल के फैसले पर रोक लगा दी। संघीय अपील न्यायालय के आदेश से ट्रंप के प्रशासन को फिलहाल राहत मिल गई। तीन जजों के पैनल ने ट्रंप को झटका देते हुए उनके कुछ देशों के खिलाफ लगाए गए अत्यधिक टैरिफ को रोक दिया था। फैसले में कहा गया था कि राष्ट्रपति ने संघीय कानून के तहत इस तरह का टैरिफ जारी करने में अपने अधिकारों का अतिक्रमण किया। यह टैरिफ अवैध है।

खबर के अनुसार, संघीय अपील न्यायालय ने राष्ट्रपति ट्रंप के व्यापक टैरिफ के अधिकांश भाग को अवरुद्ध करने वाले फैसले को अस्थायी रूप से रोकते हुए आपातकालीन शक्तियों के कानून के तहत लगाए टैरिफ को फिलहाल बहाल कर दिया। संघीय सर्किट के लिए यूएस अपील न्यायालय ने संक्षिप्त आदेश जारी किया। न्याय विभाग ने तीन जजों के पैनल के फैसले के खिलाफ संघीय अपील न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था।

ट्रंप प्रशासन ने 1977 के अंतरराष्ट्रीय आपात आर्थिक शक्ति अधिनियम का हवाला देते हुए टैरिफ को उचित ठहराया था। मगर जजों के पैनल ने इस तर्क को खारिज कर दिया था। ट्रंप प्रशासन ने कल ही संकेत दिया था कि वह इस फैसले को

संघीय सर्किट अपील न्यायालय में चुनौती देगा। व्हाइट हाउस के प्रवक्ता कुश देसाई ने टैरिफ के कारणों का बचाव करते हुए फैसले पर प्रतिक्रिया दी थी कि अन्य देशों के साथ अमेरिका के व्यापार घाटे ने राष्ट्रीय आपातकाल पैदा कर दिया है। इससे अमेरिकी समुदाय को काफी नुकसान हुआ है।

देसाई ने कहा था कि इन जजों को यह तय नहीं करना चाहिए कि राष्ट्रीय आपातकाल को कैसे ठीक से परिभाषित किया जाए। राष्ट्रपति ट्रंप ने अमेरिका को प्राथमिकता देने का वचन दिया है। वह इसके लिए प्रतिबद्ध हैं। टैरिफ ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के एजेंडे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

पाकिस्तान के पीएम का कबूलनामा

हमले की तैयारी में थे हम, लेकिन भारत ने पहले ही दाग दिया ब्रह्मोस

कराची, 30 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई सैन्य एयरबेस को तबाह कर दिया था। पहले तो पाकिस्तान इस चीज को नकारता रहा। लेकिन अब पाकिस्तान ने इस बात को स्वीकार कर लिया है। दरअसल इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बड़ी बात को स्वीकार करते हुए कहा है कि 9 से 10 मई की रात को भारत के हमले के दौरान पाकिस्तानी सेना अचानक फंस गई। भारत ने रावलपिंडी के हवाई अड्डे सहित प्रमुख सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए ब्रह्मोस मिसाइल का इस्तेमाल

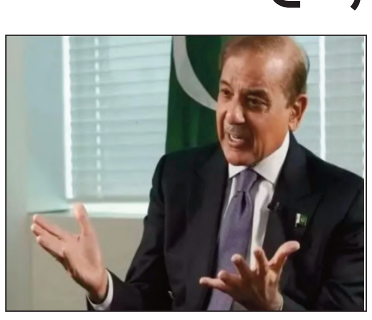

किया।शहबाज शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान ने 10 मई को सुबह की नमाज के बाद भारत पर हमला करने की योजना बनाई थी। शरीफ ने कहा कि पाकिस्तान के कुछ करने से पहले ही भारत की लंबी दूरी की सुपरसोनिक ब्रह्मोस क्रूज मिसाइलों ने पाकिस्तान के कई प्रांतों में कई ठिकानों को निशाना बनाया। शरीफ ने कहा कि उन्हें सुबह-सुबह हुए हमले की जानकारी मुनीर ने दी, जिन्हें अब फील्ड मार्शल के पद पर पदोन्नत किया गया है। इंडिया टुडे ने पाक पीएम के हवाले से कहा, हमारे सशस्त्र बल फज्र की नमाज के बाद सुबह 4.30 बजे कार्रवाई करने के लिए तैयार थे। लेकिन उन्हें उस समय तक का वक्त ही नहीं मिल सका। उससे पहले ही भारत ने एक बार फिर ब्रह्मोस का इस्तेमाल करते हुए रावलपिंडी के हवाई अड्डे सहित पाकिस्तान के कई प्रांतों को निशाना बनाया।पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। बता दें कि पहलगाम आतंकी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी। इसके बाद ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने 9 और 10 मई की रात को बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान में 9 आतंकवादी ठिकानों पर हमला कर उन्हें तबाह कर दिया। इस हमले में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। इसके बाद पाकिस्तान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए भारत पर ड्रोन और मिसाइल हमले किए, हालांकि भारतीय एयर डिफेंस सिस्टम ने इन हमलों को नाकाम कर दिया। इसके बाद भारत ने फिर कार्रवाई की और ब्रह्मोस से हमले कर पाकिस्तान के कई एयरबेस को तबाह कर दिया, जिसके बाद पाकिस्तान घुटनों के बल आ गया।

ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायुसेना की भूमिक बेहद अहम रही है। दरअसल भारतीय वायुसेना के हमलों में पाकिस्तान के कई एयरबेस और रडार सिस्टम बर्बाद हो गए। इन हमलों ने पाकिस्तान की सेना और सरकार को घुटनों के बल ला दिया। यही कारण था कि पाकिस्तान की सेना पाकिस्तान से यात्री विमानों को उडने दे रही थी, ताकि भारतीय सेना के हमलों को रोका या टाला जा सके। वहीं भारतीय सेना नहीं चाहती थी कि गलती से भी किसी यात्री विमान को नुकसान पहुंचाया जाए।

पटना में युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी से मिले प्रधानमंत्री मोदी

पटना,30 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पटना एयरपोर्ट पर भारत के युवा क्रिकेटिंग सितारे वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से मुलाकात की। इस विशेष भेंट के दौरान प्रधानमंत्री ने वैभव को आशीर्वाद दिया और उनके उज्ज्वल क्रिकेट भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

संक्षिप्त बातचीत में प्रधानमंत्री मोदी ने वैभव की क्रिकेट प्रतिभा की सराहना की और कहा कि देशभर में उनके खेल की खूब तारीफ हो रही है। प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर लिखा, पटना एयरपोर्ट पर भारत के युवा क्रिकेट सितारे वैभव सूर्यवंशी और उनके परिवार से मुलाकात हुई। उनकी क्रिकेट प्रतिभा को पूरे देश में सराहा जा रहा है! उन्हें भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएँ।

बीसीए अध्यक्ष की पहल से हुई खास मुलाकात

इस मुलाकात को संभव बनाने का श्रेय बिहार क्रिकेट संघ (बीसीए) के अध्यक्ष राकेश तिवारी को जाता है। उन्होंने राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) और बीसीसीआई से विशेष अनुमति लेकर वैभव को गुरुवार को पटना बुलाया और प्रधानमंत्री से भेंट करवाई।

बीसीए अध्यक्ष ने कहा, यह सिर्फ वैभव के लिए नहीं, बल्कि पूरे बिहार क्रिकेट के लिए एक उपलब्धि है। इससे साबित होता है कि बिहार में प्रतिभा की कमी नहीं है, बस ज़रूरत है सही मंच, अवसर और मार्गदर्शन की।

आईपीएल में धमाल मचा चुके हैं वैभव

बिहार से ताल्लुक रखने वाले वैभव सूर्यवंशी ने इस साल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए जबरदस्त प्रदर्शन किया था। उन्होंने 7 मैचों में 206.56 की स्ट्राइक रेट से 252 रन बनाए थे और सबका ध्यान खींचा था। पिछले साल वह आईपीएल नीलामी में खरीदे जाने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने थे, जब राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें 1.1 करोड़ में टीम में शामिल किया था।

घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चमके

वैभव ने विजय हजारे ट्रॉफी 2024-25 में बड़ौदा के खिलाफ 42 गेंदों में 71 रन की पारी खेलकर लिस्ट-ए में अर्धशतक लगाने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बनने का रिकॉर्ड अपने नाम किया था। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चेन्नई में खेले गए यूथ टेस्ट मैच में सिर्फ 58 गेंदों में शतक जड़कर भारत की ओर से सबसे तेज़ यूथ टेस्ट सेंचुरी बनाने का कारनामा किया। इसके अलावा एसीसी अंडर-19 एशिया कप में भी दो अहम अर्धशतकों के साथ भारत को फाइनल तक पहुंचाने में बड़ी भूमिका निभाई थी। वैभव की यह मुलाकात उनके करियर के लिए प्रेरणास्रोत साबित हो सकती है और बिहार क्रिकेट के उज्ज्वल भविष्य की एक नई उम्मीद भी।

न्यूज ब्रीफ

सिंगापुर ओपन 2025: सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष डबल्स जोड़ी सात्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने शुक्रवार को सिंगापुर इंडोर स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में जीत दर्ज कर सिंगापुर ओपन 2025 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने मलेशिया की जोड़ी गोह से फेई और नूर इज्जुद्दीन को सीधे गेमों में 21-17, 21-15 से हराया। यह मुकाबला 39 मिनट तक चला। इस सीजन बीडब्ल्यूएफ टूर पर भारतीय जोड़ी इंडिया ओपन और मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में हार चुकी है। खास बात यह है कि इंडिया ओपन में सात्विक-चिराग को हराने वाली जोड़ी भी गोह और इज्जुद्दीन ही थी, जिनसे इस बार उन्होंने बदला लिया। अब सात्विक और चिराग की नजर इस सीजन के अपने पहले फाइनल में जगह बनाने पर होगी। इसके लिए उन्हें मलेशिया की एक और जोड़ी से भिड़ना होगा। इनमें मान वेई चोंग-काई वुन टी या फिर आरोन चिया-सोह वूई यिक की जोड़ी हो सकती है। दोनों ही जोड़ियां टूर्नामेंट में सीडेड हैं। गौरतलब है कि सात्विक-चिराग इस टूर्नामेंट में भारत की इकलौती चुनौती बचे हैं। पीवी सिंधु, एचएस प्रणय और ट्रीसा जॉली-गायत्री गोपीचंद समेत अन्य खिलाड़ी पहले ही बाहर हो चुके हैं।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप : भारत की पुरुष 4×100 मीटर रिले टीम हीट में अयोग्य घोषित

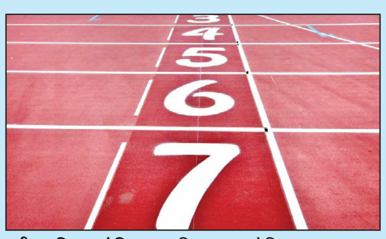

गुमी (दक्षिण कोरिया)। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत की पुरुष 4×100 मीटर रिले टीम को हीट्स के दौरान अयोग्य (डिसक्वालिफाई) घोषित कर दिया गया। यह घटना शुक्रवार को गुमी में आयोजित प्रतियोगिता के दौरान हुई। मणिकंता होब्लिदार, अम्लान बोर्गोहेन, राहुल कुमार और प्रणव गुरव की चौकड़ी ने हीट रेस में दूसरा स्थान हासिल किया था, जो सामान्यतः फाइनल में जगह बनाने के लिए पर्याप्त होता है, लेकिन टाइमिंग डिस्प्ले के दौरान टीम के नाम के आगे डिसक्वालिफाई लिखा नजर आया। बाद में पुष्टि हुई कि भारतीय टीम ने बैटन एक्सचेंज टेकओवर ज़ोन से बाहर किया, जो वर्ल्ड एथलेटिक्स के तकनीकी नियम 24.7 का उल्लंघन है। इसी कारण उन्हें रेस से बाहर कर दिया गया। भारत ही नहीं, मलेशिया की टीम भी इसी गलती के चलते अयोग्य घोषित कर दी गई। सूत्रों के अनुसार, भारत ने इस फैसले के खिलाफ अपील नहीं करने का निर्णय लिया है। गौरतलब है कि भारतीय टीम में इस रेस के दौरान दो नियमित धावक गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजुर नहीं खेले, जिनकी जगह प्रणव और राहुल को मौका दिया गया था। यही बदलाव भी टीम के तालमेल में कमी का कारण माना जा रहा है।

फोर नेशंस हॉकी टूर्नामेंट: भारतीय जूनियर महिला टीम को चिली ने शूटआउट में हराया

नई दिल्ली। अर्जेंटीना के रोसारियो में चल रहे फ्रेंडली फोर नेशंस हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम को चिली के खिलाफ शूटआउट में 1-3 से हार का सामना करना पड़ा। निर्धारित समय तक दोनों टीमों के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर रहा। सुखवीर कौर और कनिका सिवाच ने भारत के लिए किए गोल भारत के लिए सुखवीर कौर (35) और कनिका सिवाच (47) ने गोल किए, जबकि चिली की ओर से जासिंटा सोलारी (27) और कप्तान लॉरा म्यूलर (42) ने गोल दागे। चिली ने दूसरे क्वार्टर में जासिंटा सोलारी के पेनल्टी कॉर्नर गोल की मदद से 27वें मिनट में बढ़त हासिल की। इसके जवाब में भारत ने तीसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही वापसी की और सुखवीर कौर ने 35वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। इसके बाद चिली ने एक बार फिर बढ़त बनाई, जब कप्तान लॉरा म्यूलर ने 42वें मिनट में शानदार फील्ड गोल किया। लेकिन भारत ने चौथे क्वार्टर की जोरदार शुरुआत की और कनिका सिवाच ने 47वें मिनट में बराबरी का गोल कर मैच को रोमांचक बना दिया। निर्धारित समय तक स्कोर बराबरी पर रहने के कारण मुकाबला शूटआउट में गया, जहां चिली ने 3-1 से जीत दर्ज की। चिली के लिए जोसेफिना कॉन्सटांज़ा गुटिरेज, इसाबेल लियोनोर मेसेन, और ट्रिनिडैड एंटोनिया बारियोज़ ने शूटआउट में गोल किए, जबकि भारत की ओर से केवल सोनम ही स्कोर कर सकीं। भारतीय टीम अब 1 जून 2025 (भारतीय समयानुसार) को अपने अगले मुकाबले में उरुग्वे से भिड़ेगी।

आखिरी 12 गेंदों में मुंबई इंडियंस ने यूं पलट दी बाजी

रोमांचक एलिमिनेटर में गुजरात को रौंदा, क्वालिफायर-2 में पंजाब से भिड़ंत

मुल्लांपुर, 30 मई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 के रोमांचक एलिमिनेटर में मुंबई इंडियंस ने गुजरात टाइटंस को हराते हुए अपने छठे खिताब की ओर कदम बढ़ा दिए हैं। गुजरात टाइटंस को आखिरी ओवर में 24 रनों की जरूरत थी और राहुल तेवतिया मैदान पर थे, लेकिन ग्लीसन ने शुरुआती 3 गेंदों में सिर्फ 3 रन दिए, जबकि आखिरी 3 गेंदें अश्वनी कुमार ने कीं और मैच बचा लिया। उन्होंने शाहरुख खान को आउट भी किया। मैच में मुंबई इंडियंस ने पहले बैटिंग करते हुए 228 रनों का पहाड़ जैसा स्कोर खड़ा किया था। जवाब में गुजरात टाइटंस की टीम 6 विकेट पर 208 रनों तक ही पहुंच सकी। उसके लिए सबसे अधिक साई सुदर्शन ने 49 गेंदों में 10 चौके और एक छक्का के दम पर 80 रनों की पारी खेली, जबकि ट्रेंट बोल्ट ने 2 विकेट झटके, हालांकि जसप्रीत बुमराह 4 ओवरों में 27 रन देकर एक विकेट झटकने के साथ ही सबसे किफायती रहे। अब क्वालिफायर-2 में मुंबई इंडियंस की भिड़ंत एक जून को पंजाब किंग्स के साथ अहमदाबाद में होगी, जिसकी विनर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ 3 जून को फाइनल खेलेगी।

229 रनों के पहाड़ सरीखे लक्ष्य का पीछा करने उतरी गुजरात टाइटंस की शुरुआती अच्छी नहीं रही। कप्तान शुभमन गिल पहले ही ओवर की चौथी गेंद पर ट्रेंट बोल्ट के शिकार बने। वह एक रन पर डइथ आउट दिए गए, जबकि तुरंत उछड लिया लेकिन काम नहीं बना। अगले ओवर में जसप्रीत बुमराह ने सिर्फ 4 रन देकर दबाव बनाया तो तीसरे ओवर में साई सुदर्शन ने ट्रेंट बोल्ट को दूसरी गेंद पर छक्का लगाया, जबकि कुसल मेंडिस ने दो और छक्के जड़ते हुए इस ओवर में कुल 21 रन कूट डाले। इन दोनों ने रनों के बहाव को कम नहीं होने दिया और यही वजह है कि गुजरात ने कप्तान का विकेट गंवाने के बावजूद 50 रन 5 ओवरों में पूरे कर लिए।

गुजरात की पारी संभलते दिख रही थी कि बड़ी हिट लगाने के चक्कर में अपना बैलेंस खोने वाले कुसल मेंडिस ने पिछला पैर स्टंप्स पर दे मारा। सेंटनर की गेंद पर अजीब तरीके से आउट होने वाले कुसल ने 10 गेंदों में 2 छक्के और एक चौका के दम पर 20 रन बनाए। उनके आउट होने के बाद गुजरात के खेमे में सन्नाटा पसर गया। हर किसी को इस विकेट की कीमत पता थी। कप्तान शुभमन गिल और हेड कोच आशीष नेहरा का चेहरा पीला पड़ गया था। इस तरह से 64 रनों की साझेदारी टूट गई।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

भारत ने मारी ज़ोरदार छलांग, पदक तालिका में पहुंचा दूसरे स्थान पर

गुमी (दक्षिण कोरिया),30 मई (एजेंसियां)। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत ने तीसरे दिन गुरुवार को दमदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। अविनाश साबले, ज्योति याराजी और महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम की स्वर्णिम जीत ने भारत को यह बड़ी उपलब्धि दिलाई।

तीन गोल्ड से बदली तस्वीर, जापान को छोड़ा पीछे

तीसरे दिन भारत ने तीन गोल्ड मेडल जीतकर पदक तालिका में बड़ा उलटफेर कर दिया। अविनाश साबले ने पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज़ में अपनी श्रेष्ठता साबित की, वहीं ज्योति याराजी ने महिलाओं की 100 मीटर बाधा दौड़ में शानदार फिनिश करते हुए गोल्ड अपने नाम किया। इसके अलावा, महिलाओं की 4×400 मीटर रिले टीम ने देश को तीसरा स्वर्ण पदक दिलाकर सभी को गर्व से भर दिया। चीन शीर्ष पर, भारत ने बनाई कड़ी चुनौती अब तक के आंकड़ों के अनुसार चीन 21 पदकों (12 स्वर्ण, 6 रजत, 3 कांस्य) के साथ पदक तालिका में पहले स्थान पर बना हुआ है। भारत 5 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य पदकों के साथ कुल 14 मेडल जीतकर दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। जापान भी चीन जितने ही (21) पदक जीत चुका है, लेकिन उसके पास केवल 4 स्वर्ण हैं, इसी वजह से वह तीसरे स्थान पर है। कतर और ईरान भी दौड़ में शामिल चौथे स्थान पर कतर है, जिसने अब तक 2 स्वर्ण और 1 कांस्य पदक अपने नाम किए हैं। ईरान 2 स्वर्ण पदकों के साथ पांचवें स्थान पर है, हालांकि उसके खाते में अभी तक कोई रजत या कांस्य पदक नहीं आया। अब सबकी निगाहें 31 मई पर एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप का समापन 31 मई को होगा और उम्मीद की जा रही है कि भारत अपनी पदकों की संख्या में और इज़ाफा कर सकेगा। मौजूदा प्रदर्शन ने यह साबित कर दिया है कि भारतीय एथलीट अब एशिया में शीर्ष स्थान के लिए सशक्त दावेदार बन चुके हैं।

नॉर्वे शतरंज में मैग्नस कार्लसन की दमदार वापसी, चौथे राउंड के बाद ली बढ़त

विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने भारतीय नंबर 2 अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ एंडगेम में शानदार जीत दर्ज कर यह दिखा दिया कि वह क्यों विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में गिने जाते हैं। पिछले दो राउंड में आर्मागेडन गेम हारने के बाद कार्लसन ने अपने घरेलू मैदान पर जोरदार वापसी की है। विश्व चैंपियन डी गुकेश और विश्व नंबर 3 फाबियानो कारुआना के बीच मुकाबले में कारुआना लगभग पूरे खेल में बेहतर स्थिति में थे और जीत के प्रबल दावेदार दिख रहे थे। लेकिन गुकेश की बेहतरीन डिफेंसिव क्षमता के चलते वे अपनी बढ़त को जीत में नहीं बदल सके। इसके बाद गुकेश ने आर्मागेडन मुकाबला आसानी से जीत लिया। विश्व नंबर 2 हिकारु नाकामुरा और चीनी खिलाड़ी वे यी के बीच क्लासिकल मुकाबला रोमांचक ड्रॉ पर खत्म हुआ। हालांकि आर्मागेडन टाईब्रेकर में वे यी ने जीत दर्ज कर अतिरिक्त अंक हासिल किए। नॉर्वे शतरंज महिला स्पर्धा में अन्ना मुझ्यचुक और कोनेरु हम्पी संयुक्त बढ़त पर नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट के चौथे दिन भी मुकाबले बेहद रोमांचक रहे। टूर्नामेंट में पहली बार खेल रही सारा खदेमालशरीह ने तिंगजी लेई के खिलाफ आक्रामक अंदाज में जीत दर्ज करते हुए अपना खाता खोला।

न्यूजीलैंड के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का निधन, 77 वर्ष की उम्र में ली अंतिम सांस

नई दिल्ली ,30 मई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का गुरुवार को 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के जरिए उक्त जानकारी दी। ट्रिस्ट ने न्यूजीलैंड को साल 2000 में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी (अब चैंपियंस ट्रॉफी) जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। यह न्यूजीलैंड पुरुष टीम का पहला वैश्विक खिताब था।

14 साल तक खेले घरेलू क्रिकेट, फिर बने सफल कोच

डेविड ट्रिस्ट ने अपने करियर में 14 वर्षों तक कैंटरबरी के लिए तेज गेंदबाज के रूप में क्रिकेट खेला। इसके बाद उन्होंने कोचिंग की दुनिया में कदम रखा। उन्होंने कैंटरबरी के अलावा दक्षिण अफ्रीका, हांगकांग और नीदरलैंड्स की टीमों के साथ भी काम किया। साल 1999 में उन्होंने स्टीव रिक्सन की जगह न्यूजीलैंड की राष्ट्रीय टीम के कोच का पद संभाला।

2000 में भारत को हराकर दिलाई खिताबी जीत

डेविड ट्रिस्ट के कार्यकाल में न्यूजीलैंड ने नैरोबी में खेले गए फाइनल में भारत को चार विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया था। इस मुकाबले में क्रिस केयर्न्स ने नाबाद शतक जड़ा था और टीम को ऐतिहासिक जीत दिलाई थी। ट्रिस्ट का कार्यकाल भले ही केवल दो साल का रहा, लेकिन उन्होंने टीम को पहली बार वैश्विक स्तर पर विजयी बनाया।

कोचिंग के बाद भी जुड़े रहे क्रिकेट से

न्यूजीलैंड टीम से विदा लेने के बाद ट्रिस्ट क्राइस्टचर्च के ओल्ड कोलेजियंस क्रिकेट क्लब के कोचिंग डायरेक्टर बने। इसके अलावा उन्होंने भारत और इंग्लैंड में भी कोचिंग के क्षेत्र में काम किया।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने दी श्रद्धांजलि

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करते हुए कहा, न्यूजीलैंड क्रिकेट को यह पुष्टि करते हुए गहरा दुख हो रहा है कि पूर्व ब्लैककैप्स कोच डेविड ट्रिस्ट का क्राइस्टचर्च में निधन हो गया है। वह 77 वर्ष के थे। न्यूजीलैंड क्रिकेट, डेविड के परिवार और मित्रों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता है।

आईपीएल 2025 के फाइनल में पहुंचने पर कप्तान पाटीदार ने कहा-हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे

मुल्लांपुर,30 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) ने गुरुवार को पंजाब किंग्स को आठ विकेट से हराकर आईपीएल 2025 के फाइनल में जगह बना ली है। यह चौथा मौका है जब बैंगलोर की टीम फाइनल में पहुंची है। इस जीत के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा कि टीम जहां खेलती है, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर हों। कृपया ऐसे ही समर्थन करते रहिए।

मैच के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने गेंदबाजों की तारीफ करते हुए कहा,हम अपनी योजनाओं को लेकर स्पष्ट थे, खासकर गेंदबाजी में। तेज गेंदबाजों ने पिच का अच्छे से इस्तेमाल किया। सुयश ने भी बहुत अच्छी लाइन-लेंथ में गेंदबाजी की। मैं उसके रोल को लेकर हमेशा स्पष्ट रहता हूं- उसे सिर्फ स्टंप्स पर निशाना लगाना होता है। उसकी गूगली पढ़ना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होता। मैं उसे ज्यादा निर्देश नहीं देता, ताकि वह कंफ्यूज न हो।

पाटीदार ने आगे कहा, फिल सॉल्ट जिस अंदाज़ में शुरुआत देते हैं, वह देखने लायक होता है। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। आरसीबी फैंस का हमेशा शुक्रगुज़ार हूं - हम जहां भी खेलते हैं, ऐसा लगता है जैसे अपने होम ग्राउंड पर खेल रहे हों। कृपया इसी तरह हमारा समर्थन करते रहिए।

56 रन की नाबाद पारी खेलने वाले फिल सॉल्ट ने कहा,बहुत अच्छा महसूस हो रहा है। गेंद थोड़ी मूव हो रही थी, लेकिन ये इस सीजन की सबसे खराब पिच नहीं थी। मेरे दिमाग में एक ही बात चल रही थी - अर्शदीप से आउट मत होना। वह लीग स्टेज में दो बार मुझे अलग-अलग तरीके से आउट कर चुका है, इसलिए बस बॉल पर रिएक्ट करने पर ध्यान था।

उन्होंने आगे कहा, मैंने मैच से पहले कोच एंडी फ्लावर से कहा था कि सफर और ब्रेक शायद हमारे लिए फायदे का सौदा बनें। अब इस जीत से हमें जरूरी मोमेंटम मिल गया है, जो टूर्नामेंट के इस चरण में बेहद अहम है।

प्लेयर ऑफ द मैच रहे लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने 4 ओवर में 3 विकेट लेकर पंजाब की कमर तोड़ दी।

उन्होंने कहा,मैंने बस वही किया जो कोच ने प्लान दिया था। आज गेंदबाजी करते समय बहुत अच्छा महसूस कर रहा था। मुझे लगा कि कोई भी मेरी गूगली नहीं पढ़ पा रहा था, जिससे आत्मविश्वास बढ़ गया। हमने इसे एक सामान्य मैच की तरह लिया और सेमीफाइनल जैसा दबाव खुद पर नहीं डाला।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स चैंपियनशिप : अफ्रीकन लायंस ने जीता अपना पहला मुकाबला

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड लीग में गुरुवार रात अफ्रीकन लायंस ने एशियन किंग्स को 6 विकेट से हराकर आसान जीत दर्ज दी। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी एशियन किंग्स को तीसरे ही ओवर में सलामी बल्लेबाज परवेज अजीज (8) के रूप में पहला झटका लगा। हालांकि एक छोर पूर्व श्रीलंकाई बल्लेबाज और लायंस के कप्तान तिलकरत्ने दिलशान ने संभाले रखा, पर दूसरी तरफ से लगातार विकेट गिरते रहे। उमंग शर्मा (31) ने उनका साथ निभाने की कोशिश जरूर करी, लेकिन दबाव के चलते छठे ओवर में दिलशान को भी 26 रन के निजी स्कोर पर पवेलियन लौटना पड़ा। जिसके बाद पूरी टीम धराशाई हो गई, अंत में इम्तियाज ने बहुमूल्य 35 रन बनाकर टीम को 138 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। पूर्व अफ्रीकाई दिग्गज हर्षेल गिब्स की कप्तानी में लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफ्रीकन लायंस के सलामी बल्लेबाज राहुल यादव ने 54 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए मैच को शुरुआत में ही एकतरफा कर दिया। जिसके बाद शेखर सिरोही (22), शिवम शर्मा (21) और अंत में अली मुर्तजा ने 5 गेंद में 18 रन बनाकर टीम को 16.4 ओवर में 6 विकेट से आसान सी जीत दिला दी।

भारतीय कागज विनिर्माता संघ ने बढ़ते आयात पर चिंता व्यक्त की

वाशिंगटन, 30 मई (एजेंसियां)।

भारतीय कागज विनिर्माता संघ (आईपीएमए) ने बढ़ते आयात पर चिंता जताते हुए कहा कि चीन से आयात में 33 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2024-25 में कागज एवं पेपरबोर्ड का आयात रिकॉर्ड 20.5 लाख टन हो गया। आईपीएमए ने कहा कि आयात में यह वृद्धि घरेलू कागज उद्योग के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है।

वित्त वर्ष 2024-25 में कागज, पेपरबोर्ड का आयात 20.5 लाख टन के पार

इससे घरेलू उद्योग की वृद्धि क्षमता पर असर पड़ा है और क्षमता विस्तार में निवेश पर संकट उत्पन्न हुआ है। भारतीय कागज विनिर्माता संघ ने वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि पिछले चार वर्ष में कागज एवं पेपरबोर्ड का आयात दोगुना से अधिक होकर वित्त वर्ष 2024-25 में 20.5 लाख टन हो गया। यह वित्त वर्ष 2020-21 में 10.8 लाख टन था।

आईपीएमए ने कहा कि भारत में कुल कागज एवं पेपरबोर्ड आयात में चीन की हिस्सेदारी अब 27 प्रतिशत और आसियान समूह की 20 प्रतिशत है। मूल्य के संदर्भ में वित्त वर्ष 2024-25 में कागज एवं पेपरबोर्ड का आयात करीब 15,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

आईपीएमए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कागज के आयात में लगातार वृद्धि घरेलू कागज उद्योग के लिए चिंता का विषय है, जिसने क्षमता निर्माण और स्थिरता पहलों में काफी निवेश किया है। उन्होंने कहा कि आयात ने भारत में अधिकतर छोटी एवं मध्यम कागज मिल को व्यावसायिक रूप से अव्यवहारिक बना दिया है।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के अनुसार देश में 850-900 से अधिक कागज मिल में से केवल 550 ही अब चालू हैं। उन्होंने कहा कि हम सरकार से आग्रह करते हैं कि वह गुणवत्ता नियंत्रण के कड़े उपायों को लागू करे तथा व्यापार समझौतों की समीक्षा करे जो कागज आयात के लिए शुल्क-मुक्त या कम-शुल्क पहुंच प्रदान करते हैं। इसके साथ ही व्यापार में सुधार लाने के उपाय करें और भारतीय कागज उद्योग के लिए समान अवसर सुनिश्चित करें।

न्यूज़ ब्रीफ

ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की बिक्री पर रोक, केंद्र सरकार ने रोकथाम के लिए दिशा-निर्देश जारी किये

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की अवैध लिस्टिंग और बिक्री पर रोक लगा दी है। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने ई-कॉमर्स साइटों पर रेडियो उपकरणों की अवैध बिक्री पर अंकुश लगाने के लिए मानदंड जारी किए हैं। सीसीपीए ने ऐसे उपकरणों की 16,970 लिस्टिंग की जांच के बाद ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म को नोटिस जारी किए है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि गृह मंत्रालय और दूरसंचार विभाग के साथ अंतर-मंत्रालयी परामर्श के बाद इस दिशा-निर्देशों को अंतिम रूप दिया गया है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर वॉकी-टॉकी सहित रेडियो उपकरणों की अवैध लिस्टिंग और बिक्री की रोकथाम और विनियमन के लिए दिशा-निर्देश, 2025 का उद्देश्य उन वायरलेस उपकरणों की अनधिकृत बिक्री पर अंकुश लगाना है, जो उपभोक्ता सुरक्षा के लिए जोखिम पैदा कर सकते हैं।

अब पाकिस्तान भी कैशलेस इकॉनमी की ओर दे रहा ध्यान

नई दिल्ली। पाकिस्तान में अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए कैशलेस इकॉनमी की ओर ध्यान दिया जा रहा है। प्री-बजट चर्चा में पाकिस्तान के वित्त मंत्री ने कर का लोड हटाकर अन्य वर्गों पर डालने का वादा किया है। बजट 2025-26 के लिए 2 जून को पेश हो सकता है। कुछ सेक्टरों में कैश भुगतान को अकेले करने के भी बन रहे हैं प्रस्ताव
पाकिस्तानी सरकार डिजिटाइजेशन को बढ़ाने का निर्णय लेने के लिए कैशलेस भुगतान पर भारत की तरफ ध्यान दे रही है। इसके तहत कैश लेनदेन पर टैक्स और डिजिटल पेमेंट पर इंसेंटिव देने के साथ कुछ सेक्टोरों में कैश भुगतान को अकेले करने के प्रस्ताव भी बन रहे हैं।
पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था की दरिद्रता बढ़ रही है, जिसके लिए वह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से फिर लोन की मांग कर रही है। दूसरी ओर, भारत ने अपने पासिव डिजिटल इकोसिस्टम को पूरी तरह से विकसित किया है और यूपीआई के माध्यम से देशों रहने की लेनदेन में बढ़ोतरी की है। इस संबंध में भारत के साथ ही भूटान, मलेशिया, यूएई, और अन्य देशों में भी सुविधा उपलब्ध है। पाकिस्तान के प्रयासों का परिणाम स्थितियों में सुधार लाने में मददगार साबित हो सकता है, लेकिन स्थायी समृद्धि के लिए यह आवश्यक है कि देश अपने स्वतंत्र लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित करें।

ओयो अपनी मूल कंपनी का बदलेगी नाम, मांगे सुझाव

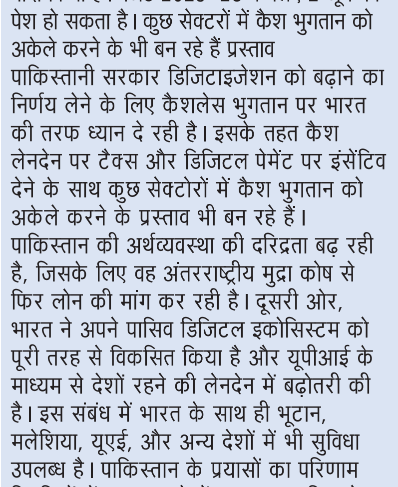

नई दिल्ली। भारतीय उद्यमी और ओयो के संस्थापक ने अपनी मूल कंपनी ऑरेवेल स्टे के लिए नए नाम के सुझाव मांगने के रूप में अपनी तरफ से एक सार्वजनिक आमंत्रण जारी किया है। ओयो जल्द ही अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम लाने की योजना बना रही है, और इसके साथ ही प्रीमियम खंड में उतारने की भी तैयारी कर रही है। विजेता को 3 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा उन्होंने एक नई पहचान बनाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर नाम के सुझाव मांगने का तरीका अपनाया है। इस प्रक्रिया के दौरान विजेता को 3 लाख रुपये का पुरस्कार दिया जाएगा और उन्हें ओयो के संस्थापक से मिलने का भी अवसर मिलेगा। उनका कहना है कि हम मूल कंपनी का नाम बदल रहे हैं। होटल श्रृंखला नहीं, उपभोक्ता उत्पाद नहीं - बल्कि शहरी नवाचार एवं आधुनिक जीवन के वैश्विक परिवेश को सशक्त बनाने वाली मूल कंपनी। ओयो अपने प्रीमियम होटल और 'मिड-मार्केट' सेगमेंट के लिए अलग ऐप की योजना बना रही है, क्योंकि इस खंड में वृद्धि का सुझाव है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

दुश्मन कहीं...

हमने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों को घर में घुसकर, सैकड़ो मील अंदर जाकर तबाह कर दिया। हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम किया कि पाकिस्तान सेना को गिड़गिड़ा कर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा। स्वतंत्रता संग्राम की धरती से सेना के शौर्य को बार-बार सैल्यूट करता हूं। मैं फिर कहना चाहता हूं ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वह किसी धोखे में न रहे, ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है।

पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में दुनिया ने भारत के स्वदेशी हथियारों और मेक इन इंडिया की ताकत भी देखी है। हमारे भारतीय हथियारों ने, ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मन के घर में घुसकर तबाही मचाई है। जहां टारगेट तय किया, वहां धमाके किए। यह ताकत हमें आत्मनिर्भर भारत के संकल्प से मिली है। एक समय था जब भारत अपनी सैन्य जरूरतों के लिए, अपनी रक्षा के लिए दूसरे देशों पर निर्भर था। हमने उन हालातों को बदलने की शुरुआत की। यह पूरे यूपी के लिए गर्व की बात है कि डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता में वह बड़ी भूमिका निभा रहा है। जैसे कानपुर में पुरानी ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियां हैं, वैसी ऑर्डिनेंस फैक्ट्रियों को हमने बड़ी आधुनिक कंपनियों में बदल दिया है। आज यूपी में देश का बड़ा डिफेंस कॉरिडोर बन रहा है। इस कॉरिडोर का कानपुर नोड रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत का बड़ा केंद्र है। एक समय यहां से पारंपरिक उद्योग पलायन कर रहे थे, वहां अब डिफेंस सेक्टर की बड़ी कंपनियां आ रही हैं। यहां पास में ही अमेठी में एके-20 राइफल का निर्माण शुरू हो चुका है। ऑपरेशन सिंदूर में जिस ब्रह्मोस मिसाइल ने दुश्मनों को सोने नहीं दिया उस ब्रह्मोस मिसाइल का नया पता है उत्तर प्रदेश। भविष्य में कानपुर और यूपी, भारत को डिफेंस का नया एक्सपोर्टर बनाने में सबसे आगे रहेंगे। यहां नई फैक्ट्रियां लगेंगी, बड़े पैमाने पर निवेश आएगा। यहां के हजारों युवाओं को रोजगार के अच्छे अवसर मिलेंगे।

पीएम मोदी ने कहा कि यूपी और कानपुर को नई ऊंचाई पर लेकर जाना डबल इंजन सरकार की पहली प्राथमिकता है। यह तभी होगा जब यहां पर उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, जब कानपुर का पुराना गौरव फिर से लौटेगा। पिछली सरकारों ने आधुनिक उद्योगों की जरूरतों को नजर अंदाज करके रखा था। कानपुर से उद्योगों का पलायन होता गया, परिवारवादी सरकारें आंख बंद करके बैठी रहीं। नतीजा, केवल कानपुर ही नहीं पूरा यूपी पीछे हो गया। राज्य की औद्योगिक प्रगति के लिए दो सबसे जरूरी शर्ते हैं, पहली ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और दूसरी इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी। आज यहां कई पावर प्लांट्स का लोकार्पण हुआ है जो यूपी की ऊर्जा जरूरत को पूरा करने के लिए बहुत बड़ा कदम है। इन पावर प्लांट्स के बाद यूपी में बिजली की उपलब्धता और बढ़ेगी। इससे यहां के उद्योगों को भी गति मिलेगी। आज 47,000 करोड रुपए से अधिक की लागत के कई और विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है। यहां बुजुर्गों को मुफ्त इलाज के लिए आयुष्मान वय वंदना कार्ड भी दिए गए हैं। अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को भी आर्थिक मदद प्रदान की गई है। यह योजनाएं, यह विकास कार्य, कानपुर और यूपी की प्रगति के लिए हमारे कमिटमेंट को दिखाते हैं।आज केंद्र और प्रदेश की सरकार आधुनिक और विकसित यूपी के निर्माण के लिए काम कर रहे हैं। इसी का परिणाम है जो इंफ्रास्ट्रक्चर, जो सुविधा, जो संसाधन, बड़ी-बड़ी मेट्रो सिटीज में होते हैं वह सब आप अपने कानपुर में भी देखने लगे हैं। कुछ साल पहले हमारी सरकार ने कानपुर को पहली मेट्रो की सौगात दी थी। आज कानपुर मेट्रो की ऑरेंज लाइन कानपुर सेंट्रल तक पहुंच गई है। पहले एलिवेटेड और अब अंडरग्राउंड, इस तरह का मेट्रो नेटवर्क कानपुर के महत्वपूर्ण इलाकों को जोड़ रहा है। कानपुर मेट्रो का यह विस्तार कोई साधारण प्रोजेक्ट नहीं है। कानपुर मेट्रो इस बात का सबूत है कि अगर सही इरादों, मजबूत इच्छा शक्ति और नेक नीयत वाली सरकार हो तो देश के विकास के लिए, प्रदेश के विकास के लिए कैसे ईमानदारी से प्रयास होते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि आज कानपुर और यूपी विकास के नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। मेट्रो सेवा से कानपुर के लोगों को कितना फायदा होने जा रहा है। कानपुर व्यापार का इतना बड़ा केंद्र है। मेट्रो के कारण आज हमारे व्यापारियों और ग्राहकों दोनों के लिए नवीन मार्केट और बड़ा चौराहा पहुंचना आसान हो गया है। कानपुर आने जाने वाले लोग, आईआईटी के स्टूडेंट्स, सामान्य मानवीय, इन सबके लिए सेंट्रल रेलवे स्टेशन पहुंचने में कितना समय बचेगा। उन्होंने कहा कि हम जानते हैं कि शहर की गति ही शहर की प्रगति बनती है। यह सुविधा, यह कनेक्टिविटी, ट्रांसपोर्ट की आधुनिक फैसिलिटी आज यूपी के आधुनिक विकास की नई तस्वीर बन रही है।पीएम मोदी बोले, आज हमारा यूपी आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और कनेक्टिविटी के मामले में बहुत आगे निकल रहा है। जिस यूपी की पहचान टूटी फूटी सड़कों और गड्ढों से होती थी, वह अब एक्सप्रेस-वे के नेटवर्क के लिए जाना जाता है। जिस यूपी में लोग शाम के समय बाहर जाने से बचते थे वहां अब हाईवे पर 24 घंटे लोग ट्रैवल करते हैं। यूपी कैसे बदला है यह कानपुर वालों से बेहतर भला कौन जानता है। कुछ ही दिनों में कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे बनकर तैयार हो जाएगा, जिससे लखनऊ का सफर सिर्फ 40 से 45 मिनट का होने वाला है। लखनऊ से पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे से सीधे कनेक्टिविटी भी मिलेगी। कानपुर लखनऊ एक्सप्रेस-वे को गंगा एक्सप्रेस-वे से भी जोड़ा जाएगा। इससे पूरब और पश्चिम दोनों तरफ जाने के लिए दूरी भी और समय भी बचेगा। कानपुर के लोगों को अब तक फरुखाबाद-अनवरगंज सेक्शन में सिंगल लाइन से दिक्कत होती रही है। एक-दो नहीं 18 रेलवे क्रॉसिंग से आपको संघर्ष करना पड़ता था। कभी यह फाटक बंद तो कभी वह फाटक बंद। आप लोग कब से परेशानी से मुक्ति की मांग कर रहे थे। अब यहां भी 1000 करोड रुपए खर्च करके एलिवेटेड रेल कॉरिडोर बनने जा रहा है। इससे यहां ट्रैफिक सुधरेगा, स्पीड बढ़ेगी और प्रदूषण भी कम होगा। सबसे बड़ी बात कानपुर के लोगों का समय बचेगा। कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन को भी अपग्रेड करके विश्व स्तरीय लुक दिया जा रहा है। थोड़े ही समय में कानपुर सेंट्रल रेलवे स्टेशन भी एयरपोर्ट की तरह आधुनिक वर्ल्ड क्लास नजर आएगा। हमारी सरकार यूपी के 150 से ज्यादा रेलवे स्टेशनों को अमृत भारत रेलवे स्टेशन के रूप में विकसित कर रही है। यूपी पहले ही देश में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल एयरपोर्ट वाला राज्य बन चुका है यानी हाईवेज, रेलवेज और एयरवेज, यूपी हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

पीएम मोदी ने कहा कि हम यूपी को औद्योगिक संभावनाओं का राज्य बना रहे हैं। इस साल के बजट में हमने मेक इन इंडिया के लिए मिशन मैनुफैक्चरिंग की घोषणा की है। इसके तहत लोकल उद्योगों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाएगा। कानपुर जैसे शहरों को इसका बहुत बड़ा लाभ मिलेगा। कानपुर के औद्योगिक सामर्थ्य में सबसे बड़ा योगदान यहां की एमएसएमई का होता था। आज हम यहां लघु उद्योगों की अपेक्षाओं को पूरा करते हुए काम कर रहे हैं। कुछ समय पहले तक हमारी एमएसएमई को इस तरह परिभाषित किया जाता था कि उन्हें विस्तार करने में भी डर लगता था। हमने उन पर पुरानी परिभाषाओं को बदला। हमने लघु उद्योगों को टर्नओवर और स्केल की सीमा को बढ़ाया। इस बजट में सरकार ने एक बार फिर एमएसएमईस के दायरे को बढ़ाते हुए उन्हें और भी छूट दी है। पहले के समय में एमएसएमई के सामने बड़ी दिक्कत क्रेडिट की भी होती थी, लेकिन पिछले 10 वर्षों में हमने क्रेडिट की समस्या को खत्म करने के लिए एक के बाद एक कई बड़े फैसले लिए हैं। आज युवा अपना उद्योग शुरू करना चाहते हैं तो उन्हें मुद्रा योजना के तहत तुरंत पूंजी मिल जाती है। छोटे और मध्य मुद्दों को आर्थिक मजबूती देने के लिए हमने क्रेडिट गारंटी स्कीम चलाई। इस साल के बजट में एमएसएमई लोन पर गारंटी को बढ़ाकर 20 करोड़ कर दिया है। एमएसएमई के लिए 5 लाख तक की लिमिट वाले क्रेडिट कार्ड भी दिए जा रहे हैं।पीएम मोदी ने कहा कि हम यहां पर नए उद्योगों खासकर एमएसएमई के लिए अनुकूल माहौल बना रहे हैं। इसके लिए प्रक्रियाओं को सरल किया जा रहा है। कानपुर के पारंपरिक चमड़ा और होजरी उद्योग को वन जिला वन प्रोडक्ट के माध्यम से सशक्त किया जा रहा है। हमारे इन प्रयासों का लाभ कानपुर के साथ-साथ यूपी के सभी जिलों को भी मिलेगा। पीएम ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में निवेश का एक अभूतपूर्व सुरक्षित माहौल बना है। गरीब कल्याण की योजनाओं को जमीन पर उतारा जा रहा है। मध्यम वर्ग के सपनों को पूरा करने के लिए भी सरकार उनके साथ खड़ी है। इस बजट में हमने 12 लाख रुपए तक की आय को पूरी तरह टैक्स से मुक्त कर दिया है। इससे करोड़ों मध्यम वर्गीय परिवारों में नया विश्वास जागा है। हम सेवा और विकास के संकल्प के साथ इसी तरह तेजी से आगे बढ़ेंगे। हम देश को, यूपी को नई ऊंचाई तक ले जाने के लिए मेहनत करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे।इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, मंत्री राकेश सचान, एके शर्मा, प्रतिभा शुक्ला, अजीत पाल, सोमेंद्र तोमर, सांसद अशोक रावत, देवेंद्र सिंह भोले, रमेश अवस्थी, महापौर प्रमिला पांडे, जिला पंचायत अध्यक्ष स्वप्निल अरुण समेत अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं अधिकारी मौजूद थे।

ऑपरेशन सिंदूर ...

यह प्रधानमंत्री मोदी के द्वारा 10 वर्ष पूर्व प्रारंभ किए गए मेड इन इंडिया की उस ताकत का भी एहसास दुनिया को करवाता है जो इस बार ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया ने देखा है। यह आत्मनिर्भर भारत की सफलता का भी एक बेहतरीन उदाहरण है।सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश को मिली 47,600 करोड़ की परियोजनाएं विकसित भारत की नींव है। सीएम योगी ने मां गंगा के पावन तट पर बसे औद्योगिक नगरी कानपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के उपरांत देश के यशस्वी प्रधानमंत्री का उत्तर प्रदेश की धरती पर यह प्रथम आगमन है। मैं प्रदेशवासियों की ओर से उनका हृदय से स्वागत करता हूं। यह धरती कभी औद्योगिक क्रांति की अग्रदूत रही है और आज विकास की नई गाथा लिखने जा रही है।सीएम योगी ने ऑपरेशन सिंदूर को भारत की सैन्य शक्ति और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बताते हुए कहा कि पहले सर्जिकल स्ट्राइक, फिर एयर स्ट्राइक और अब ऑपरेशन सिंदूर, प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत अब जवाब देने में नहीं, जवाब देने की शैली भी तय करने में यकीन रखता है। यह मेड इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत की सशक्त मिसाल है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कानपुर में 47,600 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण किए जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह कार्यक्रम उत्तर प्रदेश को विकसित भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में आगे बढ़ाने का एक बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021 में पीएम मोदी द्वारा शुरू की गई कानपुर मेट्रो के पहले चरण के बाद अब दूसरे चरण का लोकार्पण हुआ है, जिससे शहर का पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम आधुनिक और सुविधाजनक बनेगा।उत्तर प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र की उपलब्धियों का जिक्र करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पनकी, घाटमपुर, जवाहरपुर (एटा), ओबरा (सोनभद्र) और खुर्जा (बुलंदशहर) में थर्मल पावर प्लांट्स की शुरुआत से प्रदेश की विद्युत क्षमता 15,000 मेगावाट से बढ़कर 25,000 मेगावाट तक पहुंच गई है। वर्ष के अंत तक इसमें 4000 मेगावाट की और बढ़ोतरी होगी। यूपी की उपलब्धियों को गिनाते हुए सीएम योगी ने बताया कि प्रदेश के एक लाख 21 हजार मजरे तक बिजली पहुंच चुकी है और 1.78 करोड़ गरीब परिवारों को मुफ्त कनेक्शन दिए जा चुके हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत अब तक 1.31 लाख घरों में मुफ्त रूफटॉप सोलर की सुविधा पहुंचाई गई है और 11 लाख से अधिक आवेदनों का लक्ष्य जल्द ही पूर्ण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कानपुर से शुरू हुई यह विकास यात्रा सिर्फ एक शहर की नहीं, बल्कि समूचे उत्तर प्रदेश की प्रगति की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यूपी आज सुरक्षा से लेकर समृद्धि तक हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

कश्मीर में सबसे...

यह चर्चा पाकिस्तान से उत्पन्न सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाने के लिए भारत की रणनीतिक पहुंच की निरंतरता को चिह्नित करती है। यह समूह इंडोनेशिया, मलेशिया, दक्षिण कोरिया, जापान और सिंगापुर में हितधारकों को भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में जानकारी दे रहा है।

'अब सिर्फ दयालु ...

कांग्रेस नेता और ऑल पार्टी डिलगेशन ग्रुप-5 के लीडर शशि थरूर ने आगे कहा कि भारत ने इस संधि के तहत अपनी उदारता दिखाई है। उन्होंने बताया कि भारत, एक ऊपरी तटवर्ती देश होने के नाते, पाकिस्तान को संधि के तहत पानी का पूरा हक देता रहा है, जबकि भारत ने अपने हिस्से का पूरा पानी भी इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने कहा, हम एक ऊपरी तटवर्ती देश हैं। हमने पाकिस्तान को संधि के तहत पानी बहुत उदारता से दिया और अपने हिस्से का पूरा पानी भी इस्तेमाल नहीं किया। लेकिन अब केवल नेकनीयति के आधार पर चलने का वक्त नहीं रहा।

ऑपरेशन सिंदूर...

पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए हमने महज कुछ ही समय में पाकिस्तान के आतंकी अड्डे और उसके इरादों को ध्वस्त कर दिया। हमारा प्रहार इतना तगड़ा था कि पाकिस्तान पूरी दुनिया से भारत को रोकने की गुहार लगाने लग गया। अंत में हमने अपनी शर्तों पर, मैं फिर दोहरा रहा हूं कि हमने अपनी शर्तों पर अपने सैन्य एक्शन को रोका है। अभी तो हमारी सेनाओं ने अपनी आस्तीनें पूरी मोड़ी भी नहीं थी, अभी तो हमने अपना पराक्रम दिखाना शुरू भी नहीं किया था। इस पूरे एकीकृत ऑपरेशन में नौसेना की भूमिका गौरवशाली रही है।

उन्होंने कहा कि ऑपरेशन के दौरान अरब सागर में आपकी आक्रामक भूमिका, बेजोड़ समुद्री डोमेन जागरुकता और समुद्री वर्चस्व ने पाकिस्तानी नेवी को उसके ही तटों के पास सीमित कर दिया। वे खुले समुद्र में आने का साहस तक नहीं जुटा सके। समुद्र में हमारे पश्चिमी बेड़े के जहाजों ने आतंकवादी हमले के 96 घंटे के भीतर पश्चिमी और पूर्वी तट पर सतह से सतह और सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और टॉरपीडो से कई सफल फायरिंग की, जो प्लेटफॉर्म, सिस्टम और चालक दल की युद्ध तत्परता को दिखाता है। इन लंबी दूरी के सटीक हमलों ने दुश्मन के खिलाफ हमारे इरादों और तत्परता को भी दिखाया और दुश्मन इसी से रक्षात्मक मुद्रा में आ गया।ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान आईएनएस विक्रांत की तैनाती ने हमारे इरादे और क्षमता का प्रभावशाली संकेत दिया। आपकी इस मजबूत तैयारी ने दुश्मन के हौसले को पहले ही पस्त कर दिया। पाकिस्तान के लिए आपकी तैयारी मात्र ही बहुत थी। आपको तो एक्शन की जरूरत ही नहीं पड़ी, आपकी तैयारी से ही दुश्मन सकते में आ गया। पाकिस्तान ने भारतीय नौसेना की प्रचंड शक्ति, उसकी सैन्य सूझबूझ और विध्वंसक क्षमताओं को न सिर्फ महसूस किया, बल्कि वे उससे भयभीत भी हुए। आपकी मौजूदगी ने दुश्मन को शुरू होने से पहले ही रोक दिया।रक्षा मंत्री ने कहा कि आज हम गोवा के तट से कुछ ही दूरी पर हैं। आप सभी जानते होंगे कि 1961 में गोवा की आजादी के ऑपरेशन में भी भारतीय नौसेना ने दुश्मनों के युद्धपोतों और उनके सैन्य ठिकानों पर अलग-अलग ऑपरेशन किया था। उस अभियान ने भारत से उपनिवेशीकरण को खत्म कर दिया था। उस ऑपरेशन में भी पूर्ववर्ती आईएनएस विक्रांत ने भारतीय नौसेना के बेड़े की अगुवाई की थी। आज एक बार फिर आईएनएस विक्रांत अपने नए अवतार में उग्रवादियों के खिलाफ भारत के संकल्प का नेतृत्व कर रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर से...

एक ही सांस में आपने सांसदों और आतंकवादियों को समान कर दिया? सांसद घूमने नहीं गए हैं, वे भारत के पक्ष को विश्व के सामने रखने गए हैं, उसमें आपके भी सांसद हैं। अमेरिका के एक बड़े मिलिट्री एक्सपर्ट जॉन स्पेंसर के एक आलेख का हवाला देते हुए संबित पात्रा ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से हराया, बल्कि एक बड़ी तकनीकी जीत भी हासिल की, क्योंकि पाकिस्तान ने बड़े पैमाने पर चीन के प्रॉक्सी के रूप में काम किया, जो चीनी प्रणालियों पर बहुत अधिक निर्भर था। भारत के बारे में वैश्विक धारणा तेजी से सकारात्मक हुई है।

उन्होंने कहा कि कुछ राजनीतिक दल, विशेष रूप से कांग्रेस, भारतीय सशस्त्र बलों पर लगातार सवाल उठाकर राष्ट्रीय एकता का विरोध करना जारी रखते हैं। कांग्रेस ने आरंभ में कहा कि हम देश के साथ खड़े हैं मगर एक दिन भी ये भारत के साथ नहीं खड़े थे।

चाहे राहुल गांधी हों, जयराम रमेश हों या रेवंत रेड्डी, उन्होंने जिस तरह के बयान दिए हैं, उससे भारतीय सेना का मनोबल गिराने की कोशिश की गई है।

जम्मू-कश्मीर का...

जिसमें आतंकी ठिकानों को नष्ट कर दिया। उन्होंने कहा कि यह करोड़ों भारतीयों की ओर से आतंकियों को करारा जवाब था। इस ऑपरेशन में सैकड़ों आतंकी मारे गए। उन्होंने कहा कि हमने आतंकियों पर हमला किया, लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना। उन्होंने दुनिया को दिखा दिया कि वह ही आतंकियों को पनाह दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने संदेश दिया है कि भारत निर्दोष नागरिकों, भारतीय सशस्त्र बलों पर किसी भी हमले को बर्दाश्त नहीं करेगा और हर हमले का और अधिक सटीकता के साथ जवाब दिया जाएगा।

गृह मंत्री ने खानेतर में यूनिट मुख्यालय में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से भी बातचीत की और ऑपरेशन सिंदूर में उनकी भूमिका की प्रशंसा की। शाह ने गोलाबारी में क्षतिग्रस्त धार्मिक स्थलों का दौरा किया और अमरनाथ यात्रा से पहले सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का विकास जो 2014 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के तहत शुरू हुआ था। हालिया उकसावे के बावजूद जम्मू-कश्मीर का विकास न रुकेगा, न धीमा होगा। उन्होंने चेतावनी दी कि भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वालों को कड़ी और निर्णायक प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ेगा।

अंकिता भंडारी मर्डर...

24 सितंबर 2022 को अंकिता का शव चीला नहर में मिला था।कोर्ट का फैसला आने से पहले अंकिता भंडारी के पिता वीरेंद्र सिंह ने बेटी के हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग की थी। उन्होंने कहा- जिन दरिंदों ने उनकी निर्दोष बेटी को मारा, उन्हें मौत की सजा मिलनी चाहिए।

क्या फिर से...

नायडू ने कहा कि अगर किसी को पार्टी के कामों के लिए चंदा देना होता था तो हमें लिस्ट देखनी पड़ती थी, लेकिन अब सिर्फ़ एक क्यूआर कोड से कार्यकर्ता और आम जनता चंदा दे सकती है। 500, 1000 और 2000 के नोट बाँटने की ज़रूरत नहीं है। प्रस्ताव पर जनता से समर्थन का आह्वान करते हुए नायडू ने उपस्थित समर्थकों से उच्च मूल्य वाले नोटों को रद्द करने के पक्ष में हाथ उठाकर तालियां बजाने का आग्रह किया।

ऑपरेशन सिंदूर की ...

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के लड़ाकू विमानों से दागी गई ब्रह्मोस मिसाइलों ने अहम भूमिका निभाई। यह हमला 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाबी कार्रवाई में किया गया था। इसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (झेघ) में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया था।

भारतीय सेना ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर लॉन्च किया। इसके बाद, पाकिस्तानी सेना ने भारत के पश्चिमी हिस्सों पर ड्रोन और मिसाइलें दागीं, जिन्हें सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया गया। फिर, भारत ने पाकिस्तान के अंदरूनी इलाकों में कुछ सैन्य ठिकानों और खासकर एयरबेस पर हमला किया। इस दौरान, भारतीय नौसेना के युद्धपोत भी तैयार थे। पाकिस्तान के पास चीन की वायु रक्षा प्रणाली है, लेकिन वह ब्रह्मोस मिसाइलों को रोकने में नाकाम रहे। इससे उसकी मिसाइल रक्षा क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार भारत अब ब्रह्मोस मिसाइल को और भी बेहतर बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इनमें पांच योजनाएं शामिल हैं-

1. ब्रह्मोस मिसाइल की मारक क्षमता को 800 किलोमीटर तक बढ़ाने पर काम चल रहा है।
2. पनडुब्बी से लॉन्च की जा सकने वाली ब्रह्मोस मिसाइल का परीक्षण जल्द ही किया जाएगा। इसे भारत के झ75ख कार्यक्रम के तहत पनडुब्बियों पर तैनात किया जाएगा।
3. राफेल और अन्य लड़ाकू विमानों के लिए एक छोटी और हल्की ब्रह्मोस मिसाइल बनाई जा रही है।
4. एक हाइपरसोनिक ब्रह्मोस मिसाइल भी बनाई जा रही है, जो और भी तेज गति से हमला कर सकेगी।
5. भारत ने फिलीपींस को ब्रह्मोस मिसाइलें दी हैं। वियतनाम और मध्य पूर्व के कई देशों ने भी इस मिसाइल में दिलचस्पी दिखाई है। मतलब, भारत इसे बेचने की योजना पर भी तेजी से काम करने जा रहा है।

शुक्र आज करेंगे मेष राशि में गोचर

आज 31 मई 2025 को सुबह 11:42 मिनट पर शुक्र मेष राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में 29 जून तक रहेगा। इस ग्रह का शुभ-अशुभ असर लव लाइफ, पैसा, ऐश्वर्य, आनंद, मकान, वाहन, ज्वैलरी, कॉस्मेटिक सामान आदि मामलों पर होता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि 31 मई 2025 को शुक्र मेष राशि में गोचर करेंगे। इस राशि में 29 जून तक रहेगा। 29 जून को शुक्र वृषभ राशि में प्रवेश कर जाएंगे। वैवाहिक जीवन में भी शुक्र की स्थिति का असर पड़ता है, यदि कुंडली में शुक्र अच्छी स्थिति में है तो दांपत्य जीवन सुखद रहता है। वहीं शुक्र की दुर्बल स्थिति व्यक्ति के वैवाहिक जीवन को खराब कर सकती है।

शनि व बुध शुक्र के मित्र ग्रहों में आते है। शुक्र ग्रह के शत्रुओं में सूर्य व चन्द्रमा है। शुक्र के साथ गुरु व मंगल सम सम्बन्ध रखते हैं। वृषभ एवं तुला राशि के स्वामी शुक्र कन्या राशि में नीच राशिगत संज्ञक तथा मीन राशि में उच्चराशिगत संज्ञक कहे गए हैं।

शुक्र को रचनात्मकता और रोमांस का ग्रह माना जाता है। यह जातक के जीवन विलासिता की स्थिति लेकर आता है। यह जातक के जीवन में प्रेम संबंधों को प्रभावित करता है। शुक्र को विवाह के लिए प्रमुख ग्रहों में से एक माना जाता है। ज्योतिष में शुक्र का विशेष स्थान है। शुक्र देव के शुभ होने पर जातक का सुप्त भाग्य भी जाग जाता है। शुक्र के शुभ होने पर मां लक्ष्मी की भी विशेष कृपा होती है। मां लक्ष्मी को धन की देवी कहा जाता है।

मां लक्ष्मी की कृपा से व्यक्ति का जीवन सुखमय हो जाता है और दुख-दर्द हमेशा के लिए दूर हो जाते हैं। शुक्र ऐश्वर्य,विलासिता और पूर्णतः भौतिकवादी वस्तुओं के कारक हैं। शुक्र को सभी ग्रहों में सबसे चमकदार ग्रह माना जाता है। चूंकि शुक्र एक शुभ ग्रह है इसलिए कुंडली में इसकी अच्छी स्थिति से जातकों को जीवन में कई सुख सुविधाएँ मिलती हैं लेकिन मुख्य रुप से प्रेम, भौतिक सुखों में इसकी मजबूती से वृद्धि होती है।

प्रभाव

शुक्र के पास अमृत संजीवनी है और शुक्र पृथ्वी के साथ है। वस्तुओं की लागत बढ़ सकती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी शुभ असर देखने को मिलेगा। ललित कलाओं की तरफ आप का रूझान हो सकता है। यदि आप मनोरंजन के क्षेत्र से जुड़े हैं तो आपको शुभ फल प्राप्त होगा। वहीं मीडिया आदि के क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों को भी यह शुक्र लाभ कराने वाला होगा। जॉब और बिजनेस से संबंधित परेशानियां दूर होंगी। जॉब बदलने का विचार मन में है तो यह समय आपके लिए उत्तम रहेगा। व्यवहार में सौम्यता लाएगा। शुक्र का गोचर मान सम्मान में वृद्धि और

29 जून तक मेष राशि में रहेगा शुक्र

प्रमोशन का कारक भी बन सकता है। इस दौरान भटकाव की स्थिति से बचना होगा।

शुक्र के उपाय

मां लक्ष्मी अथवा मां जगदम्बा की पूजा करें। भोजन का कुछ हिस्सा गाय, कौवे और कुत्ते को दें। शुक्रवार का व्रत रखें और उस दिन खटाई न खाएं। चमकदार सफेद एवं गुलाबी रंग का प्रयोग करें। श्री सूक्त का पाठ करें। शुक्रवार के दिन सफेद वस्त्र, दही, खीर, ज्वार, इत्र, रंग-बिरंगे कपड़े, चांदी, चावल इत्यादि वस्तुएं दान करें।

पांच राशियों के लिए शुभ समय

शुक्र की चाल में बदलाव होने से मेष, मिथुन, सिंह, धनु और मकर राशि वाले लोगों के लिए अच्छा समय रहेगा। इन 3 राशियों के नौकरीपेशा और बिजनेस करने वाले लोगों को फायदा हो सकता है। कामकाज की तारीफ होगी और आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं। किस्मत का साथ मिलेगा। दुश्मनों पर जीत मिलेगी। लव लाइफ और दांपत्य जीवन में सुख मिलेगा।

तीन राशि वालों के लिए मिला जुला समय

शुक्र के राशि परिवर्तन करने से वृष, कुंभ और मीन राशि वाले लोगों के लिए मिला-जुला समय रहेगा। इन राशि वालों की सेहत में सुधार होगा लेकिन रोजमर्रा के कामों में रुकावटें आ सकती है। पैसा खर्चा हो सकता है। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। साझेदारी संबंधी मामलों में उलझनें आ सकती हैं। बिजनेस के जरूरी फैसले सोच-समझकर लेने होंगे।

चार राशि वालों के लिए अशुभ

शुक्र के राशि बदलने से कर्क, कन्या, तुला और वृश्चिक राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। इन राशियों के लोगों के फालतू खर्चे बढ़ सकते हैं। दांपत्य सुख में कमी आ सकती है। राज की बातें उजागर हो सकती है। मेहनत बढ़ेगी। अपोजिट जेंडर वालों से संबंध बिगड़ सकते हैं। विवाद और दौड़-भाग भी हो सकती है।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

इन राशियों को शुक्र गोचर से रहेना होगा सावधान

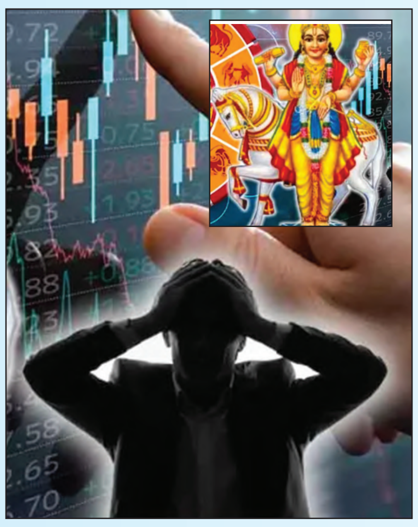

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रहों का गोचर जीवन में बड़ा असर डालता है। शुक्र को धन और वैभव का ग्रह माना जाता है। 31 मई (शनिवार) को शुक्र का मेष राशि में गोचर होगा, जो कि सभी राशियों के जीवन में असर डालेंगी।

मेष –शुक्र के गोचर से मेष राशि के जातकों को बहुत ही सावधान रहने की जरूरत है। इस दौरान हर बड़े फैसले से पहले सलाह लेने की जरूरत है। लापरवाही नुकसान दे सकती है। इस दौरान क्रोध और अहंकार आपके काम को बिगाड़ सकता है, इसलिए विनम्रता को बनाए रखें।

वृषभ–वृषभ वालों को इस गोचर में कुछ नुकसान उठाना पड़ सकता है। सेहत बिगड़ सकती है, इसलिए इसका विशेष ध्यान रखें। ऑफिस में सहकर्मियों से बहस से बचें, क्योंकि विवाद की स्तिथि बन सकती है। निवेश से पहले बहुत सावधानी बरतें, क्योंकि नुकसान की पूरी-पूरी संभावना है। अपना काम पूरी मेहनत के साथ करें।

कर्क–कर्क राशि के जातकों को नौकरी के दौरान बहुत ही काम करना पड़ सकता है। व्यवसाय करने वाले जातकों को लाभ कम मिलेगा। खर्चे बढ़ेंगे। यह आपको काफी मानसिक तनाव देने वाला होगा।

कन्या–शुक्र का गोचर कन्या राशि वालों को बहुत ही नुकसान देकर जाएगा। व्यवसाय में अचानक से नुकसान होना शुरू होगा, जिससे तनाव की स्थिति बनेगी। आपको अपने व्यवहार में विनम्रता लानी होगी, जिससे कोई विवाद पैदा न हो। किसी से भी मतभेद आपको आर्थिक रूप से तोड़ सकता है। रुपयों को उधार न दें।

शुक्र गोचर से जून में बदलेगा इन पांच राशियों का भाग्य
मेष से मीन राशियों तक पड़ेगा प्रभाव

शुक्र ग्रह 4 महीने के लंबे अंतराल के बाद अपनी उच्च राशि मीन को छोड़कर महीने के आखिरी दिन 31 मई को मेष राशि में प्रवेश करेंगे। शुक्र का यह गोचर 31 मई को सुबह 11 बजकर 17 मिनट पर होगा। मेष राशि में शुक्र का गोचर होने के बाद शुक्र के शुभ प्रभाव में कई गुना वृद्धि होगी। शुक्र गोचर के दौरान मिथुन और वृश्चिक सहित कई राशियों के जीवन में सुख सुविधाएं बढ़ेंगी और प्रेम संबंधों के मामले में आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। आपका पारिवारिक जीवन भी खुशियों से भर जाएगा और इस गोचर के शुभ प्रभाव से आपको जून के महीने में धन लाभ कमाने के कई शानदार मौके मिलेंगे।

मेष राशि – मेष राशि के जातकों के लिए शुक्र आपके पहले भाव में गोचर कर रहा है और इस गोचर के कारण आपको धन संबंधी परेशानियां हो सकती हैं। आप जितना भी पैसा कमाएंगे, उसे बचाने में मुश्किल होगी। रिश्तों में भी कुछ दिक्कतें आ सकती हैं कार्यक्षेत्र में आपको अपने वरिष्ठ अधिकारियों और सहकर्मियों के साथ संबंध बनाए रखने में परेशानी हो सकती है। काम का दबाव भी आप पर बढ़ सकता है। व्यापार में भी कुछ नुकसान हो सकता है, जिसके कारण आप अपेक्षित लाभ नहीं कमा पाएंगे। खर्चों में वृद्धि होगी और समृद्धि सीमित रहेगी। जीवनसाथी के साथ तालमेल की कमी के कारण खुशियों में कमी आ सकती है। आंखों में दर्द और जलन की समस्या हो सकती है।

वृषभ राशि –वृषभ राशि के जातकों के लिए शुक्र 12वें भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आप अपने भविष्य को लेकर चिंतित रहेंगे और आध्यात्मिक रूप से झुकाव महसूस करेंगे। इस दौरान आपको अधिक यात्राएं करनी पड़ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव बढ़ सकता है, जिसके लिए आपको अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिए योजना बनाने की आवश्यकता है। व्यापार में ध्यान और योजना की कमी के कारण लाभ में कमी आ सकती है। लापरवाही के कारण धन हानि हो सकती है और जीवनसाथी का सहयोग न मिलने से निराशा और दुख हो सकता है। पैरों और जांघों में दर्द की समस्या हो सकती है।

मिथुन राशि –मिथुन राशि के जातकों के लिए शुक्र आपके 11वें भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आपको अपने बच्चों से अधिक खुशी मिलेगी और उनका सहयोग आपको प्रसन्न रखेगा। आप अधिक लाभ कमाने में सफल रहेंगे और आपको कार्यक्षेत्र में नई नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आपको विदेश में भी नौकरी करने का अवसर मिल सकता है। सट्टा कारोबार में आपको अधिक लाभ होगा। आप अधिक धन कमाने और उसे बचाने में सक्षम होंगे। आप इस दौरान धन संचय भी कर सकते हैं और जीवनसाथी के साथ खुशी के पल बिताएंगे और उनका स्नेह प्राप्त करेंगे। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता भी मजबूत होगी।

कर्क राशि –कर्क राशि के जातकों के लिए शुक्र दसवें भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आप अपनी सुख-सुविधाओं में वृद्धि कर पाएंगे। संपत्ति में निवेश कर पाएंगे और आय और व्यय के बीच अच्छा संतुलन बनाए रखने में सक्षम होंगे। कार्यक्षेत्र में आपको काम का दबाव और नौकरी में बदलाव का सामना करना पड़ सकता है। काम का दबाव बढ़ने से तनाव भी बढ़ सकता है और व्यापार में आप अधिक लाभ नहीं कमा पाएंगे और यदि आप कमाते भी हैं, तो आप अपनी गति को बनाए रखने में सक्षम नहीं होंगे। आप अच्छा पैसा कमा सकते हैं, लेकिन आप अधिक खर्चों से नहीं बच पाएंगे, जो आपकी चिंता का कारण बन सकता है। जीवनसाथी के साथ समझ की कमी के कारण अशांति हो सकती है, जो आपको परेशान कर सकती है। आपको सिरदर्द और उच्च रक्तचाप की समस्या हो सकती है।

सिंह राशि –सिंह राशि के जातकों के लिए शुक्र नौवें भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आप अधिक गुणी और सिद्धांतवादी बनेंगे। आप तीर्थ यात्राओं पर अधिक फोकस करेंगे। आप किसी दूसरे स्थान पर भी जा सकते हैं, कार्यक्षेत्र में आपको नौकरी में अधिक लाभ और उन्नति मिलेगी। आपको नए नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। आप इस दौरान अच्छी मात्रा में धन अर्जित करने में भाग्यशाली रहेंगे। आप धन संचय भी कर पाएंगे और व्यापार में आपको नए व्यापारिक ऑर्डर मिल सकते हैं, जो आपको इस दौरान उच्च स्तर का लाभ प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। आप इस दौरान अपने जीवनसाथी के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने में सक्षम होंगे और उच्च स्तर की खुशी का आनंद लेंगे।

कन्या राशि– कन्या राशि के जातकों के लिए शुक्र आठवें भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आप असुरक्षित महसूस कर सकते हैं और खुशियों में कमी आ सकती है। कार्यक्षेत्र में आपको कुछ भी रोमांचक नहीं लगेगा और इसके बजाय आपको निराशा का सामना करना पड़ सकता है। व्यापार में आपको नुकसान हो सकता है क्योंकि आप अपने व्यवसाय को ठीक से नहीं संभाल पाएंगे। आप अपने व्यवसाय की उचित समय-सारणी नहीं बना पाएंगे। अहंकार संबंधी समस्याएं आपके जीवनसाथी के साथ आपकी खुशियों को भंग कर सकती हैं और इस वजह से आप एक स्वस्थ रिश्ते को बनाए रखने में सक्षम नहीं हो सकते। आपको आंखों में दर्द हो सकता है और यह आपकी आंखों में जलन के कारण हो सकता है।

तुला राशि –तुला राशि के जातकों के लिए शुक्र आपके सातवें भाव में गोचर कर रहा है और इस गोचर के कारण आपको नए दोस्त, सहयोगी आदि मिल सकते हैं। प्रभावी संबंध बनाए रखने में भी कुछ बाधाएं आ सकती हैं। कार्यक्षेत्र में आप पर काम का दबाव बढ़ सकता है और आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ प्रभावी संबंध बनाए रखने में भी सक्षम हो सकते हैं। व्यापार में आप इस दौरान मध्यम लाभ बनाए रखने की दिशा में आगे बढ़ सकते हैं। आपके अपने व्यापारिक भागीदारों के साथ तटस्थ संबंध हो सकते हैं। आपको अपने जीवनसाथी के साथ मध्यम संबंध बनाए रखने की सलाह है। आपको बड़ी स्वास्थ्य समस्याएं नहीं होंगी, लेकिन आपको इस दौरान खांसी और सर्दी होने की संभावना है।

वृश्चिक राशि –वृश्चिक राशि के जातकों के लिए शुक्र छठे भाव में गोचर कर रहा है और इस गोचर के कारण आपको रिश्तों में समस्याएं और अधिक लाभ प्राप्त करने में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको अपेक्षित लाभ नहीं मिलेगा क्योंकि आप पर काम का दबाव अधिक रहेगा। व्यापार में आपको प्रतिस्पर्धा के कारण परेशानी हो सकती है। आपके रिश्ते में गलतफहमी के कारण गरमागरम बहस हो सकती है। आपको इस दौरान अपने जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर अधिक खर्च करना पड़ सकता है, जिससे आपको परेशानी हो सकती है।

धनु राशि – धनु राशि के जातकों के लिए शुक्र पांचवें भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आप अपने भविष्य और उसकी प्रगति के बारे में चिंतित रहेंगे। आपको कर्ज का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आप अपनी नौकरी में अधिक दक्षता दिखाने में सक्षम नहीं हो सकते हैं और इस वजह से आपको काम में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलेंगे। व्यापार में आपको अधिक लाभ प्राप्त करने में अपेक्षित सफलता नहीं मिलेगी क्योंकि आप अपने प्रतिस्पर्धियों के साथ उलझ सकते हैं। आपको अपने जीवनसाथी के साथ अपने रिश्ते में सुरक्षित महसूस नहीं होगा, क्योंकि मतभेद होने की संभावना है। आपको अपने बच्चों के स्वास्थ्य का ध्यान रखने की आवश्यकता है क्योंकि उन्हें एनीमिया की समस्या हो सकती है।

मकर राशि – मकर राशि के जातकों के लिए शुक्र चौथे भाव में गोचर कर रहा है और इस गोचर के कारण आप असुरक्षित महसूस कर सकते हैं। आपको परिवार में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको अपने सहकर्मियों के साथ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है और इससे काम से संबंधित विकास की तीव्रता कम हो सकती है। व्यापार में आप मध्यम लाभ प्राप्त कर सकते हैं और आपको प्रतिस्पर्धियों से उच्च समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। आपको इस दौरान अपने जीवनसाथी के साथ पारिवारिक मुद्दों के कारण विवादों का सामना करना पड़ सकता है। आपको इस दौरान जांघों और पैरों में दर्द हो सकता है और यह तनाव के कारण हो सकता है।

कुंभ राशि – कुंभ राशि के जातकों के लिए शुक्र आपके तीसरे भाव में गोचर कर रहा है और इस गोचर के कारण आप इस दौरान अपना स्थान बदल सकते हैं। आप अधिक भाग्य की कामना कर सकते हैं और आपको वह मिल भी सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको नौकरी के क्षेत्र में विस्तार की अधिक गुंजाइश दिखाई दे सकती है। आप अधिक लाभ से प्रेरित हो सकते हैं। व्यापार में आप अपनी अपेक्षाओं के अनुसार अधिक लाभ कमा सकते हैं और आपको आगे नए व्यावसायिक अवसर भी मिल सकते हैं। आप अपने जीवनसाथी के साथ आसान समायोजन के कारण अधिक खुशी देख सकते हैं। आप में अधिक साहस हो सकता है।

मीन राशि – मीन राशि के जातकों के लिए शुक्र दूसरे भाव में गोचर कर रहा है। इस गोचर के कारण आपको अधिक विकास प्राप्त करने, लाभ की कमी और आत्मविश्वास की कमी का सामना करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में आपको इस दौरान अच्छे समय की कमी के कारण नौकरी बदलने की आवश्यकता हो सकती है। व्यापार में आपको इस दौरान अधिक नुकसान हो सकता है क्योंकि आप अपने वर्तमान व्यवसाय में प्रभावी रणनीतियों का पालन नहीं कर रहे हैं। आपको अपने जीवनसाथी के साथ अपनी भाषा का ध्यान रखने की आवश्यकता है और यदि आप ऐसा करने में विफल रहते हैं, तो आपको परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आपको असंतुलित आहार के कारण पाचन संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

सूर्य पर्वत पर हो गोल निशान, तो जानें कैसा होगा आपका जीवन?

अपने हाथ को आप दिन में कई बार देखते होंगे। यदि आपको ऐसे में पता चल जाए कि आपकी अनामिका उंगली यानी रिंग फिंगर के नीचे अगर गोलाकार चिह्न बना है, तो कैसा रहेगा। यह निशान आपको आपके भविष्य के बारे में क्या बता सकता है। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, सूर्य पर्वत पर गोलाकार निशान को बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा व्यक्ति यदि किसी सरकारी नौकरी की तैयारी पूरी मेहनत से करता है, तो उसे सफलता मिलने की संभावना बहुत अधिक होती है।

यदि किसी कारण से सरकारी नौकरी नहीं मिलती है, तो भी वह सरकार से जुड़े काम करने पर सफलता हासिल कर सकता है। यदि सरकारी नौकरी नहीं मिली, तो प्राइवेट सेक्टर में नौकरी करते हुए भी वह प्रशासनिक पद या लीडरशिप के रोल में रह सकता है।

पद और प्रतिष्ठा मिलती है

दरअसल, सूर्य को पिता, मान-सम्मान, पद और प्रतिष्ठा का कारक भी मान जाता है। लिहाजा, सूर्य पर्वत के नीचे गोले का निशान बताता है कि व्यक्ति के पिता भी प्रतिष्ठित व्यक्ति होंगे। उसे पिता से भी अच्छी खासी संपत्ति मिलेगी। ऐसे लोगों को पैतृक संपत्ति से लाभ भी होता है। इसके अलावा ऐसे जातकों को समाज में बहुत मान-सम्मान मिलता है। वे जहां भी जाते हैं, राजाओं की तरह उनका सम्मान किया जाता है।

धार्मिक और ईमानदार होते हैं

सूर्य को धर्म से जोड़कर भी देखा जाता है। हस्तरेखा विज्ञान के अनुसार, सूर्य पर्वत पर गोल निशान वाले लोग बहुत धार्मिक होते हैं। पूजा-पाठ और धर्म-कर्म में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेते हैं। इन्हें कोई गलत बात बर्दाश्त नहीं होती है। अपने काम के प्रति ऐसे लोग बहुत ईमानदार होते हैं।

विषम परिस्थिति में नहीं डरते

सूर्य पर्वत पर गोले का निशान सात्विक जीवन और उच्च विचार का भी संकेत देता। ऐसे लोगों के विचार बहुत अच्छे होते हैं और वे समाज की भलाई के लिए सोचते हैं। यदपि उन्हें कई बार गुस्सा बहुत तेज आता है। मगर, यह गुस्सा किसी को नुकसान पहुंचाने की जगह लोगों की भलाई के लिए होता है।

जून में केवल शादी के पांच मुहूर्त, इसके बाद करना होगा पांच महीने इंतजार

6 जुलाई को देवशयनी एकादशी के दिन सृष्टि के संचालन कर्ता विष्णु संचालन का दायित्व देवाधिदेव महादेव को सौंपकर योग निद्रा में चले जाएंगे। इसके साथ ही मांगलिक कार्य नहीं होंगे।देवउठनी एकादशी से फिर से विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू होंगे। जून माह में सबसे कम विवाह मुहूर्त हैं। इसके बाद पांच माह विवाह नहीं होंगे।

गुरु के अस्त होने से नहीं होंगे विवाह

ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि 9 जून को एक माह के लिए गुरु अस्त हो जाएंगे। इसके बाद मांगलिक कार्य के लिए 4 माह 22 दिन इंतजार करना होगा।

जून गर्मी की तपिश और लंबे दिनों वाला महीना होता है, जो खुशी और विकास के मौसम की शुरुआत करता है। हिंदू कैलेंडर के अनुसार, जून में विवाह समारोहों के लिए सबसे कम तिथियां उपलब्ध हैं। 2, 4, 5, 7 और 8 जून शादी करने के लिए अनुकूल हैं।

जून 2025: जानिए शुभ विवाह मुहूर्त

2 जून, सोमवार: सुबह 8 बजकर 21 मिनट से रात 8 बजकर 34 मिनट तक, नक्षत्र मघा।

4 जून , बुधवार: सुबह 8 बजकर 29 मिनट से 5 जून सुबह 5 बजकर 32 मिनट तक, नक्षत्र उत्तराफाल्गुनी, हस्त।

5 जून, बृहस्पतिवार: सुबह 5 बजकर 23 मिनट बजे से सुबह 9 बजकर 14 मिनट तक, नक्षत्र हस्त।

7 जून , शनिवार: सुबह 9 बजकर 40 मिनट से सुबह 11 बजकर 18 मिनट तक, नक्षत्र स्वाती।

8 जून , रविवार: दोपहर 12 बजकर 18 मिनट से दोपहर 12 बजकर 42 मिनट तक, नक्षत्र विशाखा, स्वाती।

6 जुलाई को देवशयनी एकादशी

भगवान विष्णु 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी के दिन योग निद्रा में चले जाएंगे और एक नवंबर को देवउठनी एकादशी के दिन जागेंगे। गुरु ग्रह, जिसे बृहस्पति भी कहा जाता है, नौ जून को अस्त हो जाएंगे और नौ जुलाई को उदय होंगे। गुरु अस्त होने के बाद कोई मांगलिक रार्य नहीं होते हैं।

द ट्रेटर्स से एक्टिंग में डेब्यू करने जा रही बोनी कपूर की बेटी अंशुला कपूर, कहा

एक्टिंग तो मेरे खून में है

फिल्म निर्माता-निर्देशक बोनी कपूर की बेटी और अभिनेता अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर अब अभिनय जगत की दुनिया में कदम रखने जा रही हैं। अंशुला प्राइम वीडियो की सीरीज 'द ट्रेटर्स' से डेब्यू करने के लिए तैयार हैं, जिसे करण जौहर होस्ट करेंगे। होस्ट करण जौहर ने शुक्रवार को सीरीज के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अंशुला से पूछा, क्या आप गेम में आगे बढ़ने के लिए किसी को धोखा दे सकती हैं?

जवाब देते हुए अंशुला ने बताया, आपने मुझे मासूम और शांत कहा, मैं ऐसी दिख सकती हूं, मैं प्यारी भी दिख सकती हूं, लेकिन एक्टिंग तो मेरे खून में है। मैं आत्मविश्वास से भरपूर हूं और यही मेरी खूबी है। ट्रेलर लॉन्च के दौरान करण जौहर ने बताया कि यह शो झूठ, धोखे और ड्रामे से भरा है। वह न सिर्फ गेम को कंट्रोल करेंगे, बल्कि 20 प्रतियोगियों के बीच होने वाले झगड़े और साजिशों को भी करीब से देखेंगे।

प्राइम वीडियो इंडिया के हेड ऑफ ओरिजिनल्स निखिल माधोक ने कहा, प्राइम वीडियो पर हम हमेशा कुछ नया और अलग पेश करने की कोशिश करते हैं। 'द ट्रेटर्स' के साथ हम एक ऐसे फॉर्मेट में उतर रहे हैं जैसा भारत ने पहले कभी नहीं देखा।

ट्रेलर तो सिर्फ एक झलक है। यह एंटरटेनमेंट को एक नए लेवल पर ले जाएगा। यह ट्रस्ट और धोखे की सबसे बड़ी परीक्षा है, जहां खिलाड़ी हर वक्त शक और साजिश के माहौल में खेलते हैं और उनका माइंड ही उनका सबसे बड़ा हथियार होता है। हमें इस शानदार प्रोजेक्ट पर काम करने की खुशी है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मशहूर रियलिटी शो 'द ट्रेटर्स' के भारतीय वर्जन में 20 मशहूर हस्तियां हैं, जिनमें अंशुला कपूर के साथ अपूर्वा, आशीष विद्यार्थी, एलनाज नौरोजी, हर्ष गुजराल, जन्नत जुबैर, जानवी गौर, जैस्मीन भसीन, करण कुंद्रा, लक्ष्मी मांचू, महीप कपूर, मुकेश छाबड़ा, निकिता लूथर, राज कुंद्रा, साहिल सलाथिया, सुधांशु पांडे, सूफी मोतीवाला और ऊर्फी जावेद समेत अन्य के नाम शामिल हैं। ये 20 कंटेस्टेंट राजस्थान के शानदार सूर्यगढ़ पैलेस में नकद पुरस्कार और खिताब जीतने के लिए आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेंगे। यह शो 12 जून से शुरू होगा और हर गुरुवार रात 8 बजे प्राइम वीडियो पर इसका प्रीमियर होगा।

शानदार कहानी के साथ, फिल्म षष्ठिपूर्ति उच्च तकनीकी मानकों वाली होगी : आकांक्षा सिंह

डॉ. राजेंद्र प्रसाद और अर्चना अभिनीत फिल्म षष्ठीपूर्ती, जिसमें रूपेश और आकांक्षा सिंह मुख्य भूमिका में हैं और पवन प्रभा द्वारा निर्देशित, रूपेश द्वारा एमएए एएआईई प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित है।पहले से रिलीज हो चुके गाने, टीजर और ट्रेलर ने दर्शकों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं। मल्ली रावा, देवदास और परम्परा जैसी परियोजनाओं से तेलुगु दर्शकों को प्रभावित करने वाली आकांक्षा सिंह अब षष्ठीपूर्ती लेकर आ रही हैं। फिल्म के प्रचार के हिस्से के रूप में, उन्होंने मीडिया से बातचीत की। मैं काफी समय बाद तेलुगु सिनेमा में वापसी कर रहा हूँ। महामारी ने मेरे लिए एक बड़ा ब्रेक ला दिया। शुरुआत में, नानी की बहन दीप्ति गंटा द्वारा निर्देशित मीट क्यूट को सिनेमाघरों में रिलीज़ करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन अंततः इसे ओटीटी पर रिलीज़ किया गया। अब षष्ठीपूर्ती को सिनेमाघरों में रिलीज़ किया जा रहा है। फिल्म अद्भुत और तकनीकी रूप से बेहतरीन है। इलैयाराजा का संगीत निश्चित रूप से सभी को प्रभावित करेगा।षष्ठीपूर्ती में मैं जानकी नाम की एक लड़की का किरदार निभा रही हूँ। मैं कहानी सुनने के लिए हैदराबाद आई थी और जैसे ही मैंने इसे सुना और अपनी भूमिका के बारे में जाना, मैंने इसे करने के लिए हामी भर दी। आज के समय में ऐसी कहानियों की बहुत ज़रूरत है। मैंने एक ग्रामीण लड़की की भूमिका निभाई है और मैं एक मंदिर की कोषाध्यक्ष के रूप में नजर आऊँगी। मैं इस फ़िल्म में एक पारंपरिक तेलुगु महिला के रूप में नजर आऊँगी।

जान्हवी, मौनी, तमन्ना, खुशी : भारतीय अभिनेत्रियाँ बन रहीं ग्लोबल फैशन आइकन

भारतीय अभिनेत्रियाँ अब वैश्विक फैशन जगत में अपना परचम लहरा रही हैं, लक्ज़री ब्रांड्स के लिए नई ग्लोबल एंबेसडर बन रही हैं। यह बदलता परिदृश्य भारत के बढ़ते प्रभाव और भारतीय सौंदर्य की अंतरराष्ट्रीय पहचान का प्रतीक है। ये अभिनेत्रियाँ न केवल प्रतिष्ठित ब्रांड्स का चेहरा बन रही हैं, बल्कि वैश्विक रेड कार्पेट पर भी अपनी शैली का जादू बिखेर रही हैं। जबसे अंतरराष्ट्रीय फैशन जगत ने भारतीय सिनेमा की इन अदाकाराओं को अपना नया म्यूज बनाया है, लक्ज़री फैशन ब्रांड्स इन सितारों के साथ तेजी से साझेदारी कर रहे हैं, क्योंकि वे इनकी गहरी और वैश्विक प्रभावशीलता को पहचानते हैं। यह केवल सुंदर तस्वीरों के लिए नहीं, बल्कि यह दर्शाने के लिए भी है कि अब दुनिया भारतीय फैशन और प्रभाव को किस नज़र से देख रही है।

जान्हवी कपूर: कान्स फिल्म फेस्टिवल में जान्हवी ने अपनी विंटेज धडङ ब्लैक हॉल्टर बैकलेस ड्रेस में शानदार डेब्यू किया। यह ड्रेस ऑड्री हेपबर्न की झलक देती थी, जिसे जान्हवी ने अपनी अनूठी स्टाइल से और भी खास बना दिया। उनका यह लुक वैश्विक फैशन जगत में खूब सराहा गया।

मौनी रॉय: कान्स फिल्म फेस्टिवल में मौनी की दूसरी प्रस्तुति भी उतनी ही यादगार रही, जितनी 2023 में उनकी पहली उपस्थिति थी। इस बार मौनी ने कैरोलीन कॉउचर का एक बेहतरीन नेवी ब्लू ऑफ-शोल्डर गाउन पहना और शोपार्ड के शानदार गहनों के साथ अपने लुक को पूरा किया, जो बिल्कुल जादुई अंदाज़ में था।

तमन्ना भाटिया: मिलान फैशन वीक में तमन्ना भाटिया ने रोबर्टो कावाली के एनिमल प्रिंट वाले आउटफिट में शिरकत की, तो सभी की नज़रें उन्हीं पर टिकी रहीं। फ्रिंज डिटेलिंग और बोल्ड अंदाज़ में उन्होंने यूरोपीय स्क्वायर की सैर करते हुए अपने लुक को पूरी तरह से अपना बना लिया, जो उनके आत्मविश्वास को दर्शाता है।

खुशी कपूर: खुशी कपूर एक चमचमाती विविएन वेस्टवुड की गिल्डेड चैनमेल गाउन में किसी लाखों में एक जैसी लग रही थीं। उनकी यह खूबसूरत और एलिगेंट पसंद कार्टियर ज्वैलरी और डायर बैग के साथ पूरी हुई, जिससे उनका लुक और भी निखर गया।

इन सहयोगों का मक़सद सिर्फ सुंदर तस्वीरें नहीं हैं, बल्कि यह दिखाना भी है कि अब दुनिया भारतीय फैशन और प्रभाव को किस नज़र से देख रही है। हमारी अभिनेत्रियाँ अब अंतरराष्ट्रीय रेड कार्पेट्स पर शिरकत कर रही हैं और लक्ज़री ब्रांड्स के साथ काम कर रही हैं, ये साबित कर रही हैं कि बेहतरीन फैशन की कोई सीमा नहीं होती।

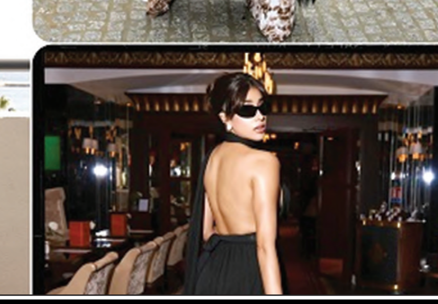

श्वेता त्रिपाठी बनेंगी थिएटर निर्माता लाएंगी समलैंगिक मुद्दे पर नाटक

अभिनेत्री श्वेता त्रिपाठी जल्द ही थिएटर निर्माता के रूप में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। वह एक मशहूर ब्रिटिश नाटक 'कॉक' का मंचन करेंगी। यह उनका पहला प्रोडक्शन होगा, जिससे वह थिएटर की दुनिया में कदम रख रही हैं। इस नाटक का पहला शो 6 जून को दिल्ली में मैक्स मुलर भवन में होगा। फिर 10 जून को मुंबई में पृथ्वी थिएटर में इसका प्रदर्शन होगा।

प्रोजेक्ट के बारे में बात करते हुए श्वेता कहा, मुझे थिएटर हमेशा से बहुत पसंद रह है। थिएटर में सब कुछ सीधे-सादे तरीके सामने आता है, कोई भी चीज छुपाई नह जा सकती। 'कॉक' बनाना मेरे लिए एक व्यक्तिगत और रचनात्मक फैसला है, मेर मानना है कि कहानियों में दुनिया की सार सच्चाई और खूबसूरती दिखनी चाहिए। श्वेत अपनी थिएटर प्रोडक्शन कंपनी ऑलमायट के तहत इस नाटक का निर्माण कर रही हैं इस नाटक का निर्देशन यूके में रहने वाल मनीष गांधी कर रहे हैं। इसमें रिताशा राठौड़ तन्मय धनानिया, साहिर मेहता और हर्ष सिंह जैसे कलाकार शामिल हैं।श्वेता के लिए इस नाटक पर काम करना बेहद खास बात है, क्योंकि यह नाटक समलैंगिक प्यार और प्राइड मंथ को सेलिब्रेट करता है। जून महीने को एलजीबीटीक्यू समुदाय के लिए प्राइड मंथ के रूप में मनाया जाता है और ये कहानियां उन्हें सम्मान देने के लिए समर्पित हैं। इसलिए, इस महीने में इस नाटक को दिखाना बहुत मायने रखता है। यह नाटक माइक बार्टलेट नाम के ब्रिटिश लेखक ने लिखा है और मनीष गांधी इसका निर्देशन कर रहे हैं। यह नाटक बहुत गहरी और भावुक कहानी है। इसमें बताया गया है कि इंसान अपनी पहचान और अपने प्यार के बारे में कैसे सोचता है और ये चीजें कैसे बदलती रहती हैं। कहानी एक ऐसे आदमी की है जो अपने लंबे समय के पुरुष साथी और एक नई महिला के प्रति अपनी भावनाओं के बीच उलझा हुआ है। नाटक उसके दिल की भावनाओं को सीधे-सादे तरीके से पेश करता है।

व्हाइट वन-शोल्डर ड्रेस में पलक तिवारी ने दिखाया कातिलाना अंदाज़

सोशल मीडिया सेंसेशन और एक्ट्रेस पलक तिवारी ने एक बार फिर अपने फैशन सेंस से फैंस को दीवाना बना दिया है। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं जिनमें वह व्हाइट वन-शोल्डर ड्रेस में नजर आ रही हैं। ब्लू बैकग्राउंड के सामने स्टाइलिश पोज़ देती पलक का यह लुक काफी एलिगेंट और ग्लैमरस लग रहा है।तस्वीरों में पलक ने सिंपल लेकिन स्टाइलिश व्हाइट ड्रेस पहनी है, जिसमें लेस डिटेलिंग और प्लीटेड हेमलाइन है। इसके साथ उन्होंने हाथों में कई ब्रैसलेट्स पहन रखे हैं जो उनके लुक को कम्प्लीट कर रहे हैं। बाल खुले और मेकअप न्यूड टोन में रखा गया है, जो उनके नेचुरल ब्यूटी को और निखार रहा है।फैंस के कमेंट्स भी देखने लायक हैं। एक यूज़र ने लिखा- अब तक की सबसे खूबसूरत लड़की, तो किसी ने उन्हें फैशन डीवा कहा। पोस्ट पर अब तक 50 हजार से ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं और कमेंट्स की बौछार लगी हुई है।पलक तिवारी ने कुछ ही समय में इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना ली है। चाहे वो म्यूज़िक वीडियो हो, रेड कार्पेट इवेंट्स हों या सोशल मीडिया पोस्ट्स, हर बार उनका लुक चर्चा में आ ही जाता है। उनका ये लेटेस्ट फोटोशूट इस बात का सबूत है कि वह सिर्फ एक्टिंग ही नहीं, बल्कि फैशन में भी ट्रेंडसेटर बन चुकी हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज आपको भूमि, रिअल-एस्टेट या सांस्कृतिक परियोजनाओं पर ध्यान केन्द्रित करने की ज़रूरत है। परिवार में किसी बुज़ुर्ग की ख़राब तबियत परेशानी का कारण बन सकती है। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। जीवन का आनंद लेने के लिए आपको अपने दोस्तों को भी समय देना चाहिए। अगर आप समाज से कटकर रहेंगे तो आवश्यकता पड़ने पर आपके साथ भी कोई नहीं होगा। आज से पहले शादीशुदा ज़िन्दगी इतनी अच्छी कभी नहीं रही। उन लोगों की बातों का बुरा न मानें जिनकी आपके जीवन में कोई अहमियत नहीं है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। पारिवारिक ज़िम्मेदारियों का बोझ बढ़ेगा, जो आपको तनाव दे सकता है। कुछ लोगों के लिए आकस्मिक यात्रा दौड़-भाग भरी और तनावपूर्ण रहेगी। आपका जीवनसाथी बिना जाने कुछ ऐसा ख़ास काम कर सकता है, जिसे आप कभी भुला नहीं पाएंगे। लोगों के बीच रहकर सबका सम्मान करना आपको आता है इसलिए आप भी सबकी नजरों में अच्छी छवि बना पाते हैं।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

सेहत अच्छी रहेगी। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल-मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। जरुरी कामों को समय न देना और फिजूल के कामों पर वक्त जाया करना आज आपके लिए घातक सिद्ध हो सकता है। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। आज किसी सामाजिक काम में हिस्सेदारी करके आपको अच्छा महसूस होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

रियल एस्टेट सम्बन्धी निवेश आपको अच्छा-ख़ासा मुनाफ़ा देंगे। आपके जीवन-साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है इसलिए साथ में अपना क़ीमती समय बिताएँ । इस राशि वाले जातकों को आज खाली वक्त में आध्यात्मिक पुस्तकों का अध्ययन करना चाहिए। ऐसा करके आपकी कई परेशानियां दूर हो सकती हैं। कोई पुराना दोस्त आपके और आपके जीवनसाथी की साझा यादों को तरोताज़ा कर सकता है। यदि आप किसी खेल में महारत रखते हैं तो आज के दिन आपको वो खेल खेलना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज के दिन घर के किसी इलेक्ट्रोनिक सामान के खराब हो जाने की वजह से आपका धन खर्च हो सकता है। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी या मैच देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। जीवनसाथी के साथ थोड़ा हँसी-मज़ाक़, थोड़ी छेड़-छाड़ आपको किशोरावस्था के दिनों की याद दिला देंगे। हालाँकि किसी भी चीज़ की अति नुक़सानदेह है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको भुगतना पड़ सकता है। आज आपको पैसों की जरुरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा। आपकी ज्ञान की प्यास आपको नए दोस्त बनाने में मददगार साबित होगी। प्रेमी एक-दूसरे की पारिवारिक भावनाओं को समझेंगे। भरपूर रचनात्मकता और उत्साह आपको एक और फ़ायदेमंद दिन की ओर ले जाएंगे।इस राशि के युवाओं की आज अपने जीवन में प्रेम की कमी महसूस होगी।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

बहुत ज़्यादा चिंता करना मानसिक शांति को बर्बाद कर सकता है। इससे बचें, क्योंकि ज़रा-सी चिंता और मानसिक तनव भी शरीर पर ख़राब असर डालते हैं। भाई बहनों की मदद से आज आपको आर्थिक लाभ मिल पाएगा। अपने भाई बहनों की सलाह लें। कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी ख़बर लाएगी। जल्दबाज़ी में फ़ैसले न करें, ताकि ज़िन्दगी में आगे आपको पछताना न पड़े। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। दिन अच्छा है आज आपका प्रिय आपकी किसी बात पर खिलखिलाकर हंसेगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है- जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। वे निवेश-योजनाएँ जो आपको आकर्षित कर रहीं हैं, उनके बारे में गहराई से जानने की कोशिश करें- कोई भी क़दम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह ज़रूर ले लें। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। समय को व्यर्थ गँवाने की बजाय आज किसी विदेशी भाषा को सीखना आपके वार्तालाप के तरीक़ों में वृद्धि कर सकता है।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपका धन आपके काम तभी आता है जब आप फिजूलखर्ची करने से खुद को रोकते हैं आज ये बात आपको अच्छी तरह से समझ में आ सकती है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। इस राशि के जातक आज लोगों से मिलने से ज्यादा अकेले में वक्त बिताना पसंद करेंगे। आज आपका खाली समय घर की सफाई में बीत सकता है। बच्चों को साथ समय का पता नहीं चलता आज आप भी अपने बच्चों के साथ वक्त बिताकर यह जान जाएँगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज मुमकिन है कि आपको धन से जुड़ी कोई समस्या हो लेकिन अपनी सूझबूझ से आप हानि को भी मुनाफे में बदल सकते हैं। आपको अपना बाक़ी वक़्त बच्चों के संग गुज़ारना चाहिए, चाहे इसके लिए आपको कुछ ख़ास ही क्यों न करना पड़े। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है। अगर आज कुछ अधिक करने को नहीं है तो अपने घर के सामानों को दुरुस्त करके आप अपने को व्यस्त रख सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आपका ऊर्जा-स्तर ऊँचा रहेगा। आज किसी पार्टी में आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जो आर्थिक पक्ष को मजबूत करने के लिए आपको अहम सलाह दे सकता है। एक लम्बा दौर जो काफ़ी समय से आपको दबोचे हुए था, ख़त्म हो चुका है- क्योंकि जल्दी ही आपको आपका जीवन-साथी मिलने वाला है। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आज के दिन आप वैवाहिक जीवन का असली स्वाद चख सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दूसरों को यह बताने के लिए ज़्यादा उतावले न हों कि आज आप कैसा महसूस कर रहे हैं। ग़लतफ़हमी के लम्बे दौर के बाद इस शाम आपको जीवनसाथी के प्यार का तोहफ़ा नसीब होगा। आज आप सब चिंताओं को भुलाकर अपनी रचनात्मकता को बाहर निकाल सकते हैं।

आज का पंचांग

दिनांक : 31 मई 2025 , शनिवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : पंचमी रात्रि 08:18 तक
नक्षत्र : पुष्य रात्रि 09:08 तक
योग : वृद्धि प्रातः 10:43 तक
करण : बव प्रातः 08:45 तक
चन्द्रराशि : कर्क
सूर्योदय : 05:41, सूर्यास्त 06:46 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:42 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:36 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 ,सूर्यास्त 06:36 (विजयवाडा

शुभ चौघड़िया

शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गण्डमूल रात्रि 09:09 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

नकली खाद घोटाले पर किरोड़ी मीणा का शिकंजा

दूसरे दिन भी फैक्ट्रियों पर छापेमारी, कर्मचारी ताला लगाकर भागे, 5 यूनिट सीज

अजमेर/किशनगढ़, 30 मई (एजेंसियां)।

राजस्थान के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने किशनगढ़ इलाके में फैले नकली उर्वरक के गोरखधंधे पर सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को उन्होंने डींडवाड़ा, बांदरसिंदरी और चौसला गांव की खाद फैक्ट्रियों पर औचक छापेमारी की। मंत्री की कार्रवाई से हड़कंप मच गया और एक फैक्ट्री में तो कर्मचारी ताला लगाकर मौके से भाग खड़े हुए। किरोड़ी मीणा शुक्रवार सुबह डींडवाड़ा की राधिका एग्रो फैक्ट्री पहुंचे और फिर बांदरसिंदरी में एक अन्य खाद यूनिट का निरीक्षण किया। यहां से वे चौसला गांव पहुंचे जहां एक फैक्ट्री के कर्मचारियों ने खाद को बाहर फेंका और फैक्ट्री में ताला लगाकर फरार हो गए। मंत्री ने तुरंत अधिकारियों को फैक्ट्री तुड़वाकर जांच के निर्देश दिए।

अब तक की जांच में 5 फैक्ट्रियों को सीज कर दिया गया है। कृषि विभाग ने किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र की 34 फैक्ट्रियों को जांच के लिए चिन्हित किया है। अधिकारियों की मानें तो इन फैक्ट्रियों में तैयार नकली डीएपी, यूरिया, जिंक सल्फेट, जिप्सम और पोटाश की आपूर्ति सिर्फ राजस्थान में नहीं, बल्कि हरियाणा, पंजाब, बिहार जैसे राज्यों में भी की जाती रही है। किरोड़ी मीणा ने गुरुवार को किशनगढ़ की 12 खाद फैक्ट्रियों में औचक निरीक्षण किया था, जिसके बाद प्रशासन ने रातभर में सबूतों को सुरक्षित कर लिया। शुक्रवार को कार्यवाही और तेज की गई। मंत्री खुद किशनगढ़ में रुके और सुबह से ही अधिकारियों की टीम के साथ निकल पड़े। जयपुर और अजमेर की कृषि विभाग की टीमें भी सक्रिय हैं। अजमेर में आत्मा परियोजना की प्रोजेक्ट डायरेक्टर उषा चितारा ने बताया कि शुक्रवार को उदयपुरकलां की भूमि एग्रोटेक्स, गोवर्धन एग्रो और एक अन्य

फैक्ट्री तथा टीकावड़ा गांव की दो फैक्ट्रियों को सीज किया गया है। साथ ही टेम्पो, जेसीबी, ट्रेलर जैसी मशीनरी को जब्त किया गया है। गुरुवार को जिन 12 फैक्ट्रियों की जांच हुई थी, इनमें अतिशय बायोटेक इंडस्ट्रीज लिमिटेड, किशनगढ़, कमला बायो ऑर्गेनिक्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड, किशनगढ़, ट्रॉपिकल एग्रो सिस्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, किशनगढ़, राघव एग्रो इंडस्ट्रीज, किशनगढ़, श्री गोवर्धन एग्रो, किशनगढ़, दिव्या एग्रो फर्टिलाइजर इंडस्ट्रीज, नालू, भूमि एग्रो इंडस्ट्रीज, किशनगढ़, श्रीनाथ एग्रो इंडस्ट्रीज, किशनगढ़, एशिया डोन बायोकेयर, जयपुर, वर्दी जल एग्री टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड, अजमेर शामिल हैं। दो अन्य फैक्ट्रियां भी हैं।

प्रशासन अब इन फैक्ट्रियों के मालिकों की जानकारी इकट्ठा कर रहा है। जल्द ही इनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे दर्ज किए जाएंगे। डिप्टी डायरेक्टर (फर्टिलाइजर्स) नवलकिशोर मीणा के अनुसार, मामले की गंभीरता को देखते हुए बड़ी कार्यवाही तय है। यह कार्रवाई बताती है कि नकली खाद का नेटवर्क न सिर्फ किसानों को लूट रहा था बल्कि पूरे उत्तरी भारत की कृषि प्रणाली के लिए खतरा बन चुका था। मंत्री किरोड़ी मीणा की इस पहल से प्रशासन की नींद टूटी है और कई जिलों में नकली खाद के सौदागरों की शामत आने वाली है।

थप्पड़कांड में नरेश मीणा को मिली जमानत

एसडीएम से मारपीट और समरावता हिंसा मामले में फंसे निर्दलीय नेता

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)।

देवली-उनियारा उपचुनाव के दौरान उपखंड अधिकारी (एसडीएम) को थप्पड़ मारने के मामले में जेल में बंद निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा को राजस्थान हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। जस्टिस अनिल उपमन की एकल पीठ ने नरेश मीणा को इस मामले में जमानत प्रदान कर दी है। हालांकि, समरावता हिंसा मामले में दूसरी जमानत याचिका पर फैसला आना शेष है, जिसके चलते वे अभी जेल में ही रहेंगे। नवंबर 2024 में देवली-उनियारा विधानसभा सीट पर हो रहे उपचुनाव के दौरान टोंक जिले के समरावता गांव में मतदाताओं ने वोटिंग का बहिष्कार किया था। उसी दिन निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा गांव के ग्रामीणों के साथ धरने पर बैठे थे। उनका आरोप था कि प्रशासन जबरन मतदान करवाने की कोशिश कर रहा है। इसी तनावपूर्ण माहौल में, मीणा मतदान केंद्र पहुंचे और वहां एसडीएम अमित चौधरी को

थप्पड़ मार दिया।

घटना के बाद इलाके में तनाव और बढ़ गया। पुलिस ने नरेश को मौके पर हिरासत में लिया, लेकिन इससे माहौल और उग्र हो गया। बड़ी संख्या में समर्थकों ने न केवल पुलिस हिरासत से मीणा को छुड़ा लिया, बल्कि पथराव, लाठीचार्ज और आगजनी की घटनाएं भी हुईं। पुलिस ने हिंसा के बाद चार एफआईआर दर्ज कीं, जिनमें से दो में मीणा की गिरफ्तारी हुई थी। हालांकि, बाद में इन चारों एफआईआर को दो मामलों में सम्मिलित कर दिया गया।

जमानत याचिका पर दलीलें: घटना अचानक घटी, जानलेवा हमला नहीं थानरेश मीणा की तरफ से पैरवी करते हुए अधिवक्ता डॉ. महेश शर्मा और फतेहराम मीणा ने कोर्ट में कहा कि यह एक अचानक हुआ घटनाक्रम था। उन्होंने दावा किया कि इसे जानलेवा हमला बताकर अत्यधिक धाराएं लगाई गईं, जो तथ्यों पर आधारित नहीं हैं। उन्होंने बताया कि नरेश मीणा पर कुल 26 आपराधिक मामले दर्ज थे, जिनमें से 5 में बरी हो चुके हैं और कुछ राज्य सरकार द्वारा वापस ले लिए गए हैं। वर्तमान में उन पर केवल 12 मुकदमे लंबित हैं। वकीलों ने इस बात पर भी जोर दिया कि एसडीएम की भूमिका संदिग्ध रही है। आरोप लगाया गया कि एसडीएम द्वारा दबाव बनाकर वोटिंग करवाई जा रही थी, जिसकी जांच होनी चाहिए। साथ ही, घटना दिन में हुई जबकि एफआईआर देर रात दर्ज करवाई गई, जिससे पुलिस की मंशा पर भी सवाल खड़े होते हैं।

मुख्य सचिव ने की आज होने वाली मॉक ड्रिल ऑपरेशन शील्ड को लेकर तैयारियों की समीक्षा

जयपुर, 30 मई (एजेंसियां)।

प्रदेश के मुख्य सचिव सुधांश पंत ने केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा प्रदत्त दिशा-निर्देशों की पालना में नागरिक सुरक्षा सुदृढ़ीकरण एवं क्रियाशीलता के आकलन हेतु शनिवार को आयोजित होने वाले द्वितीय नागरिक सुरक्षा अभ्यास ऑपरेशन शील्ड की तैयारियों को लेकर शासन सचिवालय में शुक्रवार को उच्च अधिकारियों के साथ बैठक की।पंत ने कहा कि अधिकारी सभी संचार माध्यमों एवं सायरनों को दुरुस्त कर संचार प्रणाली का सुदृढ़ीकरण सुनिश्चित करें। साथ ही, पूर्व में आयोजित प्रथम मॉक ड्रिल से प्राप्त अनुभवों के आधार पर अधिकारी स्वयं को वॉर सिचुएशन से निपटने हेतु और अधिक सक्षम बनाएं। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी सिविल डिफेंस नियंत्रक अपनी परिस्थितियों के अनुसार ड्रिल और ब्लैकआउट का समय निर्धारित करें। मॉक ड्रिल के दौरान रियल टाइम परिदृश्य तैयार करने तथा ब्लैकआउट के समय और स्थान को गोपनीय रखने के भी निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने अधिकारियों को गृह मंत्रालय की गाइडलाइंस के अनुरूप समन्वय स्थापित करने, आपदा प्रतिक्रिया प्रणाली को सुदृढ़ करने एवं नागरिक सुरक्षा प्रोटोकॉल का अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया।

जेजेपी ने 9 हलका प्रभारी और 34 हलका अध्यक्ष घोषित किए

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)।

जननायक जनता पार्टी ने अपने संगठन नवनिर्माण के तहत कई पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण नियुक्तियां की है। जेजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अजय सिंह चौटाला, पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, जेजेपी प्रदेशाध्यक्ष बृज शर्मा ने जिला अध्यक्षों से विचार-विमर्श करके 9 हलका प्रभारियों और 34 हलका अध्यक्षों की नियुक्तियों की सूची जारी की। पार्टी द्वारा अंबाला कैंट में रवि बब्याल, सोहना में अख्तर अली, झज्जर में पवन शर्मा, बहादुरगढ़ में राजू दलाल, नरवाना में ईश्वर नैन, घरौंडा में सतीश कुटेल, असंध में धर्मबीर पाढा, इसराना में बलकार देशवाल और कालका में बलवंत राणा को हलका प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है।वहीं जेजेपी ने हलका अध्यक्ष के पद पर नारायणगढ़ में नायब गुर्जर, अंबाला शहर में अर्मेंद्र सोंटा, अंबाला कैंट में अवतार सिंह, मुलाना में शमशेर राणा, पृथला में जगदीश जग्गी मेंबर, फरीदाबाद में कलवीर मलिक, बड़खल में सुदेश ग्रोवर, बल्लभगढ़ में सुरज अड़ाना, फरीदाबाद एनआईटी में करामत अली और तिगांव में नाहर सिंह चौहान को नियुक्त किया है।

इसी तरह पटौदी में संदीप कुंडू, बादशाहपुर में मुकेश कुमार लाकड़, गुरूग्राम में डॉ सोरभ गुप्ता, सोहना में दीपक डागर, बहादुरगढ़ में संदीप अहलावत, बादली में धर्मेंद्र गुलिया, झज्जर में कंवरभान उर्फ मिंटू ठेकेदार और बेरी में मास्टर राजीव दलाल को हलका अध्यक्ष बनाया है। इनके अलावा जींद में सुनील कंडेला, नरवाना में सुरेंद्र गोयत, जुलाना में बिजेंद्र मलिक, उचाना में विरेंद्र कौशिक, नीलोखेड़ी में विनोद रायपुर, समालखा में सुरेश आट्टा, पंचकुला में सोहन लाल गुर्जर और कालका में मयंक लांबा एमसी जेजेपी के हलका अध्यक्ष होंगे।

पानीपत समेत पूरे प्रदेश के सफाई घोटालों की होनी चाहिए सीबीआई जांच : हुड्डा

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा है कि तीसरी बार सत्ता में आने के बाद भाजपा ने फिर से ताबड़तोड़ घोटालों को अंजाम देना शुरू कर दिया है। शराब, खनन, भर्ती, फसल बीमा, सहकारिता, अमृत योजना जैसे अनगिनत घोटालों के बाद, अब पानीपत नगर निगम का सफाई घोटाला उजागर हुआ है। आरटीआई के तहत मिली जानकारी के मुताबिक सफाई कार्य का ठेके देने में करोड़ों की धांधली हुई है।

आरटीआई के तहत खुलासा हुआ है नगर निगम पानीपत ने 13 मई 2022 को गलियों व सड़कों की सफाई के लिए चारों जोन का ठेका 84.08 करोड़ रुपये सालाना में दिया गया था। इस ठेके की अवधि 2 साल की थी। इसलिए यह ठेका 13 मई 2024 को समाप्त होना तय था। जिसके बाद नगर निगम को दोबारा से सफाई ठेका के नए टेंडर आमंत्रित करने थे। लेकिन नये टेंडर आमंत्रित ना करके मिलीभगत से शहरी स्थानीय निकाय ने ठेके की अवधि 30 जून तक बढ़ा दी। इसके बाद सरकार की कैबिनेट सब कमेटी की 25 जून को हुई मीटिंग में ठेकेदार कम्पनियों को अवैध लाभ देते हुए ठेके की अवधि 31 जुलाई तक बढ़ा दी गई। इसके बाद अवधि को 31 दिसंबर 2024 तक भी बढ़ा दिया गया।

संगठन सृजन अभियान के तहत

राहुल गांधी का चंडीगढ़ दौरा 4 जून को

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)।

चुप्पी अब टूटेगी, बातें अब खुलकर होंगी। 4 जून को राहुल गांधी हरियाणा कांग्रेस के नेताओं से सीधी बात करेंगे – लेकिन इस बार मुद्दा चुनाव नहीं, संगठन है। लोकसभा में विपक्ष के नेता बने राहुल गांधी अब केवल संसद में आवाज नहीं उठा रहे, बल्कि पार्टी के भीतर ज़मीन से जुड़ी नींव को फिर से मज़बूत करने में जुट गए हैं। 'संगठन सृजन अभियान' के तहत अब उनकी अगली मंज़िल चंडीगढ़ है, जहां वे हरियाणा कांग्रेस की रीढ़ माने जाने वाले नेताओं से बैठक करेंगे।

4 जून को राहुल गांधी की यह बैठक सिर्फ रस्मी मुलाकात नहीं होगी। सूत्रों की मानें तो वे हरियाणा की ज़मीनी हकीकत, संगठन की वर्तमान स्थिति और आने वाले विधानसभा चुनावों की रणनीति पर नेताओं से खुलकर बातचीत करेंगे।इस अभियान का मकसद है – कागज़ी संगठन से निकलकर कर्मठ कार्यकर्ताओं तक पहुंच बनाना। हरियाणा कांग्रेस में लंबे समय से गुटबाजी, संवाद की कमी और निचले स्तर पर सक्रियता को लेकर सवाल उठते रहे हैं। राहुल गांधी अब इसी संवादहीनता को तोड़ने की कोशिश में हैं।सूत्र बताते हैं कि चंडीगढ़ में होने वाली बैठक में राहुल गांधी केवल वरिष्ठ नेताओं पर नहीं, बल्कि युवा चेहरों, ज़िलाध्यक्षों और सक्रिय जमीनी कार्यकर्ताओं की राय पर भी ध्यान देंगे।हरियाणा में विधानसभा चुनाव ज़्यादा दूर नहीं हैं और पार्टी की मंशा है कि संगठनात्मक ढांचे को वक्त रहते सुधार लिया जाए।

लेखनी के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका : नायब सिंह

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि आज़ादी के बाद से लेकर आज तक राष्ट्र निर्माण में मीडिया की अहम भूमिका रही है। उन्होंने राष्ट्रहित में अपनी लेखनी को आधार बनाने वाले सभी पत्रकारों की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि मीडिया की स्वतंत्रता लोकतंत्र की मजबूती का आधार स्तंभ है और यही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सकारात्मक सोच को दर्शाता है।

मुख्यमंत्री शुक्रवार को रोहतक स्थित महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के राधा कृष्णन ऑडिटोरियम में हरियाणा यूनियन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्स के वार्षिक अधिवेशन में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने सभी पत्रकारों को हिंदी पत्रकारिता दिवस पर बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कलम के प्रहरियों को सलाम किया। अधिवेशन में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा, पूर्व मंत्री मनीष ग्रोवर व बाबा कपिलपुरी जी महाराज विशिष्ट अतिथि रहे। मुख्यमंत्री ने दीप प्रज्ज्वलन के साथ अधिवेशन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महर्षि नारद मुनि के वंशज होने के नाते पत्रकारिता के धर्म का निर्वाह कर रहे सभी मीडिया बंधुओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह पावन दिवस हमारे पंचम गुरु 'श्री गुरु अर्जन देव जी' की शहादत को नमन करने का दिन भी है, जिन्होंने धर्म की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। साथ ही उन्होंने अरूट महाराज की जयंती पर उन्हें नमन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का विकसित भारत का सपना साकार हो रहा है और हमारा राष्ट्र विश्व में अग्रणी बनने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

देश की आजादी के आंदोलन में पत्रकारों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि समाज को नई दिशा देने वाले विचार निर्माता पत्रकार ही होते हैं, जिनके निरंतर सहयोग से राष्ट्र उन्नति के पथ पर आगे बढ़ रहा है। मीडिया लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में अपनी जिम्मेदारी बखूबी निभा रहा है और हरियाणा सरकार भी मीडिया के हितों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को आमजन तक पहुंचाने में मीडिया का योगदान महत्वपूर्ण है। समाज में नई चेतना उत्पन्न करते हुए योजनाओं से लाभान्वित करने में मीडिया की सक्रिय भूमिका सदैव प्रशंसनीय है । उन्होंने मीडिया बंधुओं को सरकार की कुशल कार्यशैली के बारे में लोगों को अवगत कराते हुए नैतिक पत्रकारिता पर फोकस करने के लिए प्रेरित भी किया। उन्होंने बताया कि मीडिया फ्रेंडली माहौल सरकार दे रही है ताकि पत्रकार निर्भीक होकर अपनी लेखनी का इस्तेमाल समाज हित में कर सकें।

हरियाणा में ब्राह्मण समाज को मिला भरोसे का तोहफा : सैनी

चंडीगढ़, 30 मई (एजेंसियां)। 30 मई को कैथल में तापमान अलग ही था। भगवान परशुराम जयंती पर राज्य स्तरीय समारोह में न सिर्फ धार्मिक आस्था दिखाई गई, बल्कि सामाजिक जागरूकता की नई लकीर भी खींची गई। जब हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने मंच से बताया कि कैथल के मेडिकल कॉलेज का नाम भगवान परशुराम के नाम पर रखा जाएगा, तो जो तालियां बजीं, वे सिर्फ प्रोत्साहन ही नहीं थीं, बल्कि यह उस समुदाय की तरफ से सम्मान की प्रतिध्वनि थी, जो लंबे समय से इसका इंतजार कर रहा था। संस्कृति से सत्ता तक, परशुराम का विस्तार मंच से बोलते हुए मुख्यमंत्री ने भगवान परशुराम की जयंती पर राजपत्रित अवकाश की भी घोषणा की। यह फैसला सरकार की संस्कृति को मान्यता देने का संकेत है, जो सालों से सिर्फ एक दिन की छुट्टी के बजाय सिर्फ कथा तक सीमित थी।मुख्यमंत्री नायब सैनी ने पहरवार गांव में स्थित गौड़ ब्राह्मण महाविद्यालय की जमीन को लेकर 2013 से चले आ रहे विवाद को सुलझाने की घोषणा की । यह फैसला न केवल शिक्षण संस्थान के अस्तित्व की गारंटी देता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि अगर प्रशासनिक इच्छाशक्ति हो, तो वर्षों पुराने मुद्दे भी सुलझाए जा सकते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को जान से मारने की धमकी देने वाला आरोपी गिरफ्तार, जांच तेज

भागलपुर (एजेंसियां)। बिहार के सुल्तानगंज के महेशी निवासी समीर कुमार रंजन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को जान से मारने की धमकी देने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। इस मामले की जानकारी सुरक्षा एजेंसियों को मिलने के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, आरोपी ने पीएमओ को धमकी भरा मैसेज भेजा था। एनआईए और आईबी ने भागलपुर के एसएसपी हृदयकांत को इस संदिग्ध सूचना से अवगत कराया। इसके बाद वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और पुलिस उपाधीक्षक विधि-व्यवस्था के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया।

जांच में पाया गया कि धमकी देने वाला व्यक्ति मंटू चौधरी नाम से एक टेलीग्राम आईडी चला रहा था, जिसने खुद को 71 वर्षीय वृद्ध बताकर पहचान दी। तकनीकी जांच में यह भी पता चला कि मंटू चौधरी के नाम पर इस्तेमाल किया गया मोबाइल नंबर 71 बार वीपीएन के माध्यम से सक्रिय हुआ था। आगे की पूछताछ में समीर कुमार रंजन ने स्वीकार किया कि उसने वीपीएन का उपयोग कर प्रधानमंत्री को व्हाट्सएप कॉल के जरिए धमकी दी थी। पुलिस ने मंटू चौधरी को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने बताया कि समीर रंजन उसका भतीजा है और उनके बीच लंबे समय से जमीन विवाद चल रहा है।

मंटू ने कहा कि समीर ने जमीन विवाद के कारण उसे फंसाने के लिए यह साजिश रची थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है। जांच में पता चला कि आरोपी का अपने चाचा से ज़मीन विवाद चल रहा था।

पुलिस ने घटना में प्रयुक्त मोबाइल बरामद कर जांच को गति दी है। इस छापेमारी दल का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक (विधि-व्यवस्था) चंद्रभूषण ने किया। छापेमारी दल में रंजीत कुमार (प्रभारी, डीआईयू), प्रमेन्द्र सहनी (डीआईयू), मृत्युंजय कुमार (थाना सुल्तानगंज), सुनील राज (डीआईयू), विजय सिंह (डीआईयू) और सुल्तानगंज थाना बल के अन्य अधिकारी शामिल थे। इस बीच, प्रधानमंत्री मोदी ने 29 मई को पटना में रोड शो किया था।

इसके पहले उन्होंने पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन और बिहटा एयरपोर्ट का शिलान्यास भी किया था। शाम को वह भाजपा के कार्यालय पहुंचे और पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं के साथ बैठक भी की। सुरक्षा एजेंसियां इस पूरे मामले की गहनता से जांच कर रही हैं और आगामी सुरक्षा इंतजामों को और मजबूत किया जा रहा है।

शादी समारोह से लौट रहे चाचा-भतीजा सहित चार लोगों की सड़क हादसे में मौत

कई गंभीर रूप से घायल

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। नेशनल हाईवे-27 पर गुरुवार को सरोतर चंवर के पास मेवात लाइन होटल के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। शादी समारोह से लौट रहे एक टेम्पो ने सड़क किनारे खड़ी ट्रक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि इलाज के दौरान तीन अन्य यात्रियों की भी जान चली गई। इसके अलावा चार यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिनका इलाज मोतिहारी के अस्पताल में चल रहा है।

मृतकों में दीपक कुमार (40 वर्ष), जो कामाख्या साह के पुत्र हैं, और यशराज कुमार (20 वर्ष), जो आशनारायण साह के

पुत्र हैं, शामिल हैं। ये दोनों मोहम्मदपुर लोहारगांव के निवासी हैं और केसरिया थाना क्षेत्र से ताल्लुक रखते हैं। इसके अलावा रितेश कुमार (10 वर्ष) और नीतीश कुमार भी इस हादसे में मारे गए। दोनों सिवान जिले के मौके भगवानपुर के रहने वाले हैं और राधेश्याम साह के पुत्र बताए जा रहे हैं। घायलों में सन्नी कुमार, सुजल साह, अमन कुमार और रामजीवन कुमार शामिल हैं, जो सभी मोहम्मदपुर गांव, वार्ड संख्या एक, पंचायत लोहारगांव, थाना केसरिया के निवासी हैं।

जानकारी के मुताबिक सभी यात्री शादी समारोह में शामिल होकर मोतिहारी आए थे और वहीं रात बिताई। सुबह वापस लौटते समय यह हादसा हुआ। टेम्पो ने खड़ी ट्रक से टक्कर मारी, जिससे सड़क पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। बाद में गंभीर हालत में चारों को मोतिहारी के अस्पताल रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान तीन की मौत हो गई। थानाध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि दोनों वाहनों को पुलिस ने जब्त कर लिया है। अभी तक इस मामले में कोई आवेदन नहीं मिला है, आवेदन मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सड़क हादसे में युवक की मौत, दो घायल

पटना (एजेंसियां)। कैमूर के मोहनिया थाना क्षेत्र के मामा देव के पास शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके दो दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतक की पहचान बड़ी तकिया गांव निवासी रामविलास राम के 23 वर्षीय पुत्र बड़ा बाबू के रूप में हुई है।

घायलों की पहचान बड़ी तकिया गांव के ही सीताराम राम के पुत्र राकेश कुमार और लथेरू राम के पुत्र गोलू कुमार के रूप में की गई है। तीनों युवक अपने गांव से बहन का तिलक चढ़ाने के लिए गायघाट जा रहे थे। बताया जा रहा है कि यह बाइक दहेज में दी जानी थी।

रास्ते में मामा देव के समीप एक अज्ञात वाहन ने इनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। इस दुर्घटना में बड़ा बाबू की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि राकेश और गोलू गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को यातायात पुलिस की पेट्रोलिंग टीम द्वारा मोहनिया अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया।

घटना की सूचना मिलने पर मोहनिया भाग 3 की जिला परिषद सदस्य गीता पासी अस्पताल पहुंचीं और मृतक के परिजनों को सांत्वना दी। साथ ही, उन्होंने मोहनिया थाना को मामले की सूचना दी।

बिहार पुलिस के अधिकारी की नेपाल में पिटाई

तस्कर पकड़ने गए थे, विरोध के बाद लोकल लोगों ने जमकर पीटा

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। सीतामढ़ी जिले के भिट्ठा मोड़ थाना के थानाध्यक्ष रविकांत कुमार एक गंभीर विवाद में फंस गए हैं। बताया जा रहा है कि नेपाल में कुछ अज्ञात लोगों ने उनके साथ जमकर मारपीट की, जिसके बाद उन्हें वहीं के एक अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। यह घटना बुधवार देर शाम की बताई जा रही है, जब वे नो-मेंस लैंड पार कर नेपाल के जलेश्वर नगरपालिका क्षेत्र में पहुंचे थे।

स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, थानाध्यक्ष रविकांत कुमार अपने दो अन्य सहयोगी पुलिसकर्मियों के साथ नेपाल सीमा के भीतर चौरीया पीपरा गांव की ओर गए थे। वहीं, नेपाली नागरिकों द्वारा उनका विरोध किया गया और स्थिति इतनी बिगड़ गई कि बात हाथापाई तक पहुंच गई। प्रारंभ में इस मामले को दबाने की

कोशिश की गई, लेकिन जब तस्वीरें और स्थानीय जानकारी सामने आई तो यह घटना चर्चा का विषय बन गई।

बताया जा रहा है कि भारतीय पुलिस दल की सीमा पार मौजूदगी तस्करी से जुड़े एक ऑपरेशन के तहत थी। हालांकि, कुछ लोगों का यह भी दावा है कि यह मामला शराब तस्करी से जुड़े किसी निजी लेन-देन से संबंधित हो सकता है। कुछ रिपोर्टों में यह भी कहा गया कि पुलिसकर्मियों ने बिना किसी आधिकारिक अनुमति के सीमा पार की, जो अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है। यदि यह जानकारी सही पाई जाती है, तो यह न केवल विभागीय अनुशासन का उल्लंघन होगा, बल्कि भारत-नेपाल संबंधों पर भी इसका असर पड़ सकता है।

यह मामला इसलिए भी संवेदनशील बन गया है क्योंकि भारत-नेपाल सीमा एक खुली सीमा है, लेकिन कानूनन कोई भी सुरक्षा बल बिना आधिकारिक अनुमति दूसरे देश में प्रवेश नहीं कर सकता। इस तरह की घटना से न केवल स्थानीय तनाव बढ़ता है, बल्कि कूटनीतिक संबंधों में भी खटास आ सकती है।

अब तक बिहार पुलिस या नेपाल प्रशासन की ओर से इस घटना को लेकर कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। हालांकि, सीतामढ़ी के पुलिस अधीक्षक अमित रंजन ने पुष्टि की है कि भिट्ठा मोड़ थानाध्यक्ष रविकांत कुमार और एक अन्य पुलिसकर्मी को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह कार्रवाई इस बात का संकेत है कि मामला गंभीरता से लिया जा रहा है और विभागीय अनुशासनात्मक प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है।

उधर, रविकांत कुमार नेपाल के अस्पताल में इलाजरत हैं और अस्पताल से उनकी कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं, जो उनकी चोटों की गंभीरता को दर्शाती हैं। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद आम लोगों में भी इस घटना को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई हैं। फिलहाल इस पूरे मामले में कई सवाल अनुत्तरित हैं।

क्या पुलिस सचमुच किसी तस्कर को पकड़ने गई थी या मामला कुछ और था? क्या थानाध्यक्ष की नेपाल में मौजूदगी वैध थी या यह निजी स्वार्थ से प्रेरित थी? अगर वे आधिकारिक आदेश के बिना सीमा पार गए थे, तो उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई क्या पर्याप्त है? ये सभी सवाल अब गहन और निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

भाईचारा बनाओ-अधिकार बचाओ अभियान को लेकर मुजफ्फरपुर पहुंचे सांसद चंद्रशेखर आजाद

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। भीम आर्मी के संरक्षक और आजाद समाज पार्टी के सांसद चंद्रशेखर आजाद मंगलवार को मुजफ्फरपुर जिले के चांदनी चौक स्थित स्टेट एक कॉलेज मैदान में आयोजित कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए। सम्मेलन का आयोजन भाईचारा बनाओ, अधिकार बचाओ' अभियान के तहत किया गया था। इस दौरान भारी संख्या में भीम आर्मी के कार्यकर्ता और मुस्लिम समुदाय के लोग उपस्थित रहे।

सभा को संबोधित करते हुए चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि हम इस देश में संविधान को मानने वाले लोग हैं। जो लोग अपने हक

और अधिकार की लड़ाई नहीं लड़ते, उनका हर संघर्ष व्यर्थ चला जाता है।

हम बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की विचारधारा को मानते हैं और उसी रास्ते पर चलकर संविधान की रक्षा के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने वक्फ बोर्ड कानून को मुस्लिम समुदाय के खिलाफ बताया और कहा कि भीम आर्मी इस मुद्दे पर मुस्लिम समाज के साथ खड़ी है। उन्होंने मंच से ऐलान किया कि केंद्र सरकार द्वारा लाया गया यह कानून मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाता है और हम इसके खिलाफ आंदोलन छेड़ने जा रहे हैं। आंदोलन की शुरुआत बिहार के गया जिले से होगी।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि बिहार का आगामी विधानसभा चुनाव बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि हमारा गठबंधन किसी राजनीतिक दल से नहीं, जनता से है।

जो निर्णय जनता लेगी, हम उसी दिशा में आगे बढ़ेंगे। दलित, पिछड़े, अति पिछड़े और मुस्लिम समाज के लोगों में बदलाव की एक नई लहर है और हम उसी उम्मीद को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार में उनकी टीम पूरी तरह सक्रिय है और भविष्य में जो भी रणनीति तय की जाएगी, वह स्थानीय कार्यकर्ताओं की सलाह पर आधारित होगी।

सांसद चंद्रशेखर ने उत्तर प्रदेश में व्याप्त सामंती मानसिकता पर भी तीखा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि हम उस सामंती सोच के खिलाफ हैं जो गरीबों को कुचलने का काम करती है। यूपी में भी हमारी लड़ाई जारी है और आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे भाईचारे को मजबूत करते हुए अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट हों। उन्होंने कहा, 'इस देश में वही व्यक्ति टिकता है जो अपने अधिकारों के लिए लड़ता है।'

विद्यालय के भोजन में मरी छिपकली मिलने से मची अफरा तफरी, कई बच्चे बीमार

पटना (एजेंसियां)। बक्सर जिले के सदर प्रखंड अंतर्गत हरिकिशुनपुर गांव स्थित मध्य विद्यालय में शुक्रवार को भोजन में मरी हुई छिपकली मिलने से हड़कंप मच गया। घटना के बाद कई बच्चों की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से सदर अस्पताल और अन्य निजी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने बताया कि सभी बच्चों की हालत स्थिर है और जल्द ही उन्हें छुट्टी दे दी जाएगी।

सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को बच्चों को भोजन में चावल और चने की सब्जी दी गई थी। भोजन के दौरान एक बच्चे को सब्जी में मरी हुई छिपकली नजर आई। इसके बाद कुछ बच्चों को सिरदर्द और उल्टी की शिकायत होने

लगी। शिक्षकों ने तुरंत पुलिस और वरीय अधिकारियों को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण भी विद्यालय में जुट गए और आक्रोश जताया।

सदर अस्पताल में भर्ती बच्चों का इलाज जारी है। डॉक्टरों के अनुसार सभी की हालत स्थिर है और उन्हें जल्द ही घर भेजा जाएगा। कुछ बच्चों को बेहतर इलाज के लिए निजी अस्पतालों में भी भर्ती कराया गया है।

घटना के बाद ग्रामीणों ने विद्यालय प्रबंधन और पुलिस प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। उनका कहना है कि भोजन की गुणवत्ता पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता और किचन शेड में साफ सफाई की स्थिति भी बेहद खराब है। ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि इतनी गंभीर घटना के बाद न तो विद्यालय प्रबंधन और न ही पुलिस ने बच्चों को अस्पताल पहुंचाने के लिए वाहन की व्यवस्था की।

घटना के बाद सदर अस्पताल में वरीय अधिकारी पहुंचे और बच्चों की हालत की जानकारी ली। अधिकारियों ने मामले की जांच का आश्वासन दिया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि दोषियों पर सख्त कार्रवाई की जाए और विद्यालय में भोजन की गुणवत्ता की निगरानी सुनिश्चित की जाए।

हाजीपुर जेल में बंद कैदी की मौत से हड़कंप, परिजनों ने किया सड़क जाम

हाजीपुर (एजेंसियां)। वैशाली जिले के हाजीपुर जेल में बंद एक कैदी की तबीयत गुरुवार देर रात अचानक बिगड़ गई, जिसके बाद उसे आनन फानन में सदर अस्पताल लाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान महनार थाना क्षेत्र के फतेहपुर कमाली गांव निवासी अशोक चौधरी (पिता करू चौधरी) के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक, अशोक चौधरी को महनार पुलिस ने शराब से जुड़े मामले में 27 मई को गिरफ्तार किया था और कांड संख्या 34/25 के तहत जेल भेजा गया था। उस पर पहले से भी शराब से

संबंधित तीन मामले दर्ज थे। अशोक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया। उन्होंने महनार हाजीपुर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और आगजनी कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। परिजनों ने पुलिस पर मारपीट कर हत्या करने का आरोप लगाया। स्थिति को देखते हुए महनार में भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती कर दी गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मजिस्ट्रेट की निगरानी में पोस्टमार्टम करवाया। वहीं, महनार के एसडीपीओ ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 10 बजे कैदी की मौत की सूचना मिली थी, जिसके बाद परिजनों ने सड़क जाम किया। हालांकि, अब स्थिति सामान्य है और सड़क खाली करवा ली गई है।

खराब सड़क और जलजमाव से परेशान लोगों का फूटा गुस्सा, आगजनी कर सड़क की जाम

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले में गोबरसही चौक से डुमरी रोड तक की खस्ताहाल सड़क और लंबे समय से जलजमाव की समस्या से त्रस्त स्थानीय लोगों का शुक्रवार को आक्रोश फूट पड़ा। नाराज लोगों ने सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन किया और आगजनी करते हुए मार्ग को पूरी तरह जाम कर दिया। इसके चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और यातायात पूरी तरह से ठप हो गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बीते कई महीनों से इस मार्ग पर करीब 250 मीटर तक जलजमाव

बना हुआ है। नाले का गंदा पानी सड़क पर बहता रहता है जिससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ राहगीरों को भी भारी परेशानी झेलनी पड़ती है। सड़कों की हालत जर्जर होने से वाहन खराब हो रहे हैं और दुर्गंध के कारण बीमारियों का खतरा भी बना हुआ है।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे कई बार स्थानीय विधायक और पंचायती राज मंत्री केदार प्रसाद गुप्ता से गुहार लगा चुके हैं, लेकिन सिर्फ आश्वासन मिला है, समाधान नहीं। लोगों का कहना है कि मंत्री का आवास इस मार्ग से कुछ ही दूरी पर है और कई अधिकारी भी इसी मार्ग से रोज गुजरते हैं, इसके बावजूद सड़क की मरम्मत और जल निकासी की कोई व्यवस्था नहीं की जा रही। स्थानीय निवासी गोविंद कुमार ने बताया, 'हम कई बार आवेदन दे चुके हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अब धैर्य की सीमा खत्म हो चुकी है, इसलिए सड़क पर उतरना पड़ा।'

विरोध कर रहे सोनू कुमार ने कहा कि इस सड़क से रोज हजारों लोग और वाहन गुजरते हैं। दुर्गंध और कीचड़ के कारण बीमारी फैलने का खतरा बढ़ गया है। व्यवसायी भी समय पर दुकान नहीं पहुंच पाते, जिससे आमदनी पर असर पड़ रहा है। 'अगर जल्द समाधान नहीं हुआ तो हम लोग आगे और बड़ा आंदोलन करेंगे,' उन्होंने चेतावनी दी। इस प्रदर्शन के बाद स्थानीय प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची, लेकिन समाचार लिखे जाने तक कोई ठोस आश्वासन नहीं मिल पाया था। लोगों की मांग है कि सड़क की जल्द मरम्मत कर जल निकासी की उचित व्यवस्था की जाए ताकि उन्हें राहत मिल सके।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com